Follow us on: @TheDailyPioneer facebook.com/dailypioneer instagram.com/dailypioneer/

RNI NO.UPHIN/2010/36547
वर्ष 15 अंक 78
लखनऊ, सोमवार, 6 जनवरी 2025
पृष्ठ 12 मूल्य ₹ 3
लखनऊ, नगर संस्करण

Established 1865

पायनियर

लखनऊ, नई दिल्ली और रायपुर से प्रकाशित

www.dailypioneer.com

आभ्यन्तर

राष्ट्रीय-10

राजद से गलती से किया था गठबंधन
लालू के प्रस्ताव पर नीतीश का उत्तर

आरआरटीएस ने दिल्ली से मेरठ की दूरी घटायी

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी साहिबाबाद और न्यू अशोक नगर के बीच दिल्ली-मेरठ क्षेत्रीय रैपिड ट्रांजिट सिस्टम (आरआरटीएस) कॉरिडोर के 13 किलोमीटर लंबे खंड के उद्घाटन के दौरान नमो भारत ट्रेन की सवारी करते हुए। पीटीआई

राजेश कुमार। नई दिल्ली

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने विधानसभा चुनाव के लिए बिगुल फूंक दिया है। दिल्ली विधानसभा चुनाव में असली लड़ाई पीएम मोदी के विकास मॉडल बनाम अरविंद केजरीवाल के मुफ्त की चुनाव रेवड़ी मॉडल के बीच होगी। पीएम ने रविवार को उत्तर प्रदेश के साहिबाबाद से न्यू अशोक नगर तक दिल्ली-मेरठ क्षेत्रीय रैपिड ट्रांजिट सिस्टम कॉरिडोर के 13 किलोमीटर लंबे कॉरिडोर और जनकपुरी पश्चिम से कृष्णा नगर पार्क एक्सटेंशन खंड का उद्घाटन किया। यह दिल्ली मेट्रो रेल कॉरपोरेशन के चौथे चरण का शुरू होने वाला पहला खंड है। जिससे रविवार शाम को आम लोगों के खोला दिया।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने रोहिणी में एक विशाल रैली को संबोधित करते हुए आम आदमी पार्टी सरकार पर एक बार फिर तीखा हमला करते हुए उसे आप-दा सरकार कहा जिसने राष्ट्रीय राजधानी में विकास को रोक दिया है। आप-दा सरकार के पास दिल्ली के विकास के लिए कोई विजन नहीं है और आप-दा को दी गई जिम्मेदारी का मतलब दिल्ली वालनों के लिए सजा है। प्रधानमंत्री ने मतदाताओं से आप के कुशासन को खत्म करने और भाजपा को दिल्ली के बेहतर भविष्य की ओर ले जाने का मौका देने की अपील की। पीएम पिछले एक दशक में भाजपा के अगुवाई वाली केंद्र सरकार की उपलब्धियों को गिनाते हुए उन ऐतिहासिक पहलों की ओर इशारा किया, जिन्होंने भारत के बुनियादी ढांचे, कनेक्टिविटी और वैश्विक स्थिति को बदल दिया है। उन्होंने दिल्ली दिल्ली मेट्रो के विस्तार, नमो भारत ट्रेन, भारत मंडपम, यशोभूमि और राष्ट्रीय युद्ध स्मारक जैसी परियोजनाओं का हवाला देते हुए विकास के प्रति भाजपा की प्रतिबद्धता का हवाला दिया। पीएम मोदी ने कहा, पिछले 10 वर्षों में, केंद्र की भाजपा सरकार ने दिल्ली में मेट्रो नेटवर्क को दोगुना कर दिया है, विश्व स्तरीय बुनियादी ढांचे का निर्माण किया है और जन कल्याण को प्राथमिकता दी है। प्रधानमंत्री के हमले पर प्रतिक्रिया देते हुए आम आदमी पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल ने कहा कि दिल्ली सरकार और केंद्र के बीच प्रधानमंत्री के संयुक्त रूप से शुरू की गई परियोजनाएं शहर के विकास के लिए आप की प्रतिबद्धता को दर्शाती हैं। इन लोगों ने हमारी पार्टी के शीर्ष नेताओं को जेल भेजा, हम पर अत्याचार किया, अगर हम इसे मुद्दा बनाते तो आज केंद्र और दिल्ली सरकार की आरआरटीएस और मेट्रो लाइन का उद्घाटन नहीं होता। आज का उद्घाटन एक उदाहरण है जो दिखाता है कि आप केवल दिल्ली के लोगों के लिए काम करती है। जो लोग ये आरोप लगाते हैं कि आप लड़ती बहुत है, ये संयुक्त उद्घाटन उन लोगों को जवाब है।

केजरीवाल ने रविवार को संवाददाता सम्मेलन में अपनी पार्टी के सामने आने वाली चुनौतियों का जिक्र करते हुए उन्होंने दावा किया कि आप नेताओं को जेल में डाला गया और प्रताड़ित किया गया, लेकिन उन्होंने शासन पर अपना ध्यान केंद्रित रखा। उन्होंने हमारे शीर्ष नेताओं को जेल भेज दिया लेकिन हमारे खिलाफ जो अत्याचार हुए, हमने उसे मुद्दा नहीं बनाया। अन्यथा इन परियोजनाओं का उद्घाटन नहीं होता। अगर अपने पर हुए अत्याचार को हम दिल पे ले लेते तो आज दिल्ली मेट्रो की लाइन नहीं बनती, इसका उद्घाटन नहीं होता। पीएम मोदी ने 2020 में दिल्ली भूमि सुधार अधिनियम की धारा 81 और धारा 33 को हटाने के साथ-साथ किसानों के लिए भूमि स्वामित्व अधिकार और वैकल्पिक भूखंड देने का वादा किया था। केवल केंद्र ही धारा 81 और धारा 33 को हटा सकता है।(शेष पृष्ठ 9)

बिधूड़ी के बिगड़े बोल, कांग्रेस बिफरी, भाजपा ने बनाई दूरी

सौम्या शुक्ला। नई दिल्ली

अपने बयान से सुर्खियों में रहने वाले भारतीय जनता पार्टी के वरिष्ठ नेता एवं कालकाजी विधानसभा क्षेत्र से पार्टी प्रत्याशी रमेश बिधूड़ी एक बार फिर विवादों में आ गए हैं। उन्होंने कथित रूप से कहा कि दिल्ली विधानसभा चुनाव में जीत के बाद वह क्षेत्र की सड़कों को कांग्रेस नेता प्रियंका गांधी के गाल जैसी बना देंगे। बयान को लेकर घेरे जानेके बाद बिधूड़ी ने कहा, किसी संदर्भ में मेरे द्वारा दिए गए बयान पर कुछ लोग गलत धारणा से राजनीतिक लाभ के लिए सोशल मीडिया पर बयान दे रहे हैं। मेरा आशय किसी को अपमानित करने का नहीं था। परंतु फिर भी अगर किसी भी व्यक्ति को दुख हुआ है तो वह खेद प्रकट करते हैं।

रमेश बिधूड़ी एक वीडियो सोशल मीडिया में वायरल है जिसमें वह यह कहते हुए सुना जा सकता है जिसमें वह कह रहे हैं वह आपको विश्वास दिलाता हूं जैसे ओखला की सड़कें बना दी हैं और संगम विहार की सड़कें बना दी हैं। इसी प्रकार कालकाजी सुधार कैम्प की बराबर वाली और अंदर वाली सड़कें प्रियंका गांधी के गाल जैसे जरूर बना देंगे। बिधूड़ी का यह बयान ऐसे समय में आया है जब दिल्ली विधानसभा चुनाव में कुछ ही हफ्ते बचे हैं। आम आमदी पार्टी और कांग्रेस ने इस बयान को महिला विरोधी बताया है और इस मुद्दे पर भाजपा को घेरा है।

पायनियर से बातचीत में रमेश बिधूड़ी ने कहा कि उन्होंने किसी की भावना को ठेस पहुंचाने के इरादे से यह बयान नहीं दिया है। आम और कांग्रेस को किसी पर उंगली उठाने से पहले महिलाओं के प्रति अपने व्यवहार पर विचार करना चाहिए। जब कांग्रेस की बात आती है, तो वे भूल जाते हैं कि बिहार के पूर्व मुख्यमंत्री लालू यादव ने भाजपा सांसद हेमा मालिनी पर क्या बयान दिया था। क्या वह महिला नहीं हैं। वह उनके मंत्रिमंडल में थे। क्या उन्होंने उनसे माफी मांगने को कहा। इसके अलावा, आप प्रमुख अरविंद केजरीवाल ने आतिशी को अस्थायी मुख्यमंत्री कहकर महिलाओं का अपमान नहीं किया। केजरीवाल को आतिशी पर भरोसा नहीं है कि एक महिला अपने नाम पर चुनाव जीत सकती है। उनके विधायक नरेश बालियान ने भी इसी तरह के बयान दिए हैं, लेकिन उन्हें इससे कोई परेशानी नहीं है। उनके पास करने के लिए और कुछ नहीं है, इसलिए वे इसे मुद्दा बना रहे हैं। कांग्रेस भ्रष्टाचार में डूबी हुई है, जबकि आप के पास दिल्ली के लिए कोई (शेष पृष्ठ 9)

एलजी ने सिख दंगा पीड़ितों को नौकरी के नियमों में दी छूट

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

नई दिल्ली में 'यमुना वाटिका' का उद्घाटन करते दिल्ली के उपराज्यपाल विनय कुमार सक्सेना। पीटीआई

उपराज्यपाल विनय कुमार सक्सेना ने 1984 के सिख विरोधी दंगों के पीड़ितों द्वारा रोजगार के लिए दिए गए 88 आवेदनों के लिए आवश्यक शैक्षणिक योग्यता में पूर्ण छूट और आयु में 55 वर्ष तक की छूट को मंजूरी दे दी है। एक बयान में कहा गया कि यह छूट मल्टी-टास्किंग स्टाफ (एमटीएस) के पद पर सरकारी सेवा में उनकी नियुक्ति के लिए दी गई है। इसमें कहा गया है कि इस संबंध में दिल्ली सिख गुरुद्वारा प्रबंधन समिति, जनप्रतिनिधियों और पीड़ितों के समूहों द्वारा बार-बार अनुरोध किया गया था, जिन्होंने हाल ही में एलजी से मुलाकात की थी।

1984 के सिख विरोधी दंगों के पीड़ितों के लिए 16 जनवरी, 2006 को गृह मंत्रालय (एमएचए), भारत सरकार (जीओआई) द्वारा नौकरियों के प्रावधान सहित पुनर्वास पैकेज को मंजूरी दी गई थी। इसमें कहा गया है कि राजस्व विभाग को बाद में एक विशेष अभियान में 72 आवेदन मिले, जिनमें से 22 आवेदकों को तत्कालीन एलजी से आयु में छूट प्राप्त करके नियुक्ति दी गई। अक्टूबर 2024 में, सक्सेना ने विशेष अभियान के दौरान प्राप्त कुल 72 आवेदकों में से 50 को बाहर करने के लिए एमटीएस के पद के लिए आवश्यक शैक्षणिक योग्यता में पूरी छूट दी। राज निवास के एक अधिकारी ने कहा, राजस्व विभाग को उन आवेदकों के बच्चों में से एक को रोजगार देने के मामलों को संसाधित करने का भी निर्देश दिया गया था, जिनमें आवेदक रोजगार की आयु पार कर चुके हैं। उन्होंने कहा कि निर्देशों के बाद, राजस्व विभाग ने पिछले साल 28 से 30 नवंबर के दौरान विशेष शिविर आयोजित किए और प्रमुख समाचार पत्रों में नोटिस जारी कर 1984 के सिख विरोधी दंगों के पीड़ितों के परिवार के सदस्यों को रोजगार के लिए आवेदन आमंत्रित किए।

इसके बाद, कुल 199 आवेदन प्राप्त हुए, जिनमें से 89 उम्मीदवार योग्य पाए गए, लेकिन ये सभी आयु सीमा से ऊपर थे और कुछ आवश्यक शैक्षणिक योग्यता से भी चूक गए थे। उन्होंने कहा कि छूट के लिए एलजी की मंजूरी से सरकारी सेवा में एमटीएस के रूप में उनकी नियुक्ति(शेष पृष्ठ 9)

पोरबंदर हवाई अड्डे पर लैंडिंग के दौरान भारतीय तटरक्षक बल (आईसीजी) के एक हेलीकॉप्टर के दुर्घटनाग्रस्त होने के बाद राहत एवं बचाव कार्य में जुटे लोग। पीटीआई

तटरक्षकबल का हेलीकॉप्टर दुर्घटनाग्रस्त, तीन की मौत

पायनियर समाचार सेवा। अहमदाबाद

गुजरात के पोरबंदर हवाई अड्डे पर रविवार दोपहर उतरने के दौरान भारतीय तटरक्षक बल (आईसीजी) का एक हेलीकॉप्टर दुर्घटनाग्रस्त हो गया। इस दुर्घटना में चालक दल के तीन सदस्यों की मौत हो गई। पुलिस अधीक्षक भागीरथसिंह जडेजा ने बताया कि यह घटना दोपहर 12 बजकर 10 मिनट पर हुई। आईसीजी का एडवांस्ड लाइट हेलीकॉप्टर पोरबंदर हवाई अड्डे पर उतरते समय दुर्घटनाग्रस्त हो गया जिसमें चालक दल के तीन सदस्य सवार थे। जडेजा ने बताया कि चालक दल के तीनों सदस्यों को हेलीकॉप्टर से गंभीर हालत में बाहर निकाला गया और पोरबंदर के एक अस्पताल ले जाया गया। कमला बाग पुलिस थाने के निरीक्षक राजेश कनमिया ने बताया, उनमें से दो को मृत घोषित कर दिया गया जबकि एक ने अस्पताल लाए जाने के बाद दम तोड़ दिया। चालकदल के सदस्यों की अभी पहचान नहीं हो पाई है। यह घटना पिछले साल 2 सितंबर को पोरबंदर के पास अरब सागर में आईसीजी, एएलएच एमके -III हेलीकॉप्टर के दुर्घटनाग्रस्त होने के चार महीने बाद हुई है, जिसमें चालक दल के तीन सदस्यों की मौत हो गई थी। घटना के तुरंत बाद इसके पायलट और एक गोताखोर के शव बरामद कर लिए गए थे, जबकि तीसरे चालक दल के सदस्य का शव एक महीने से अधिक समय बाद मिला था।

स्पैम विरोधी नियम और होंगे सख्त

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

ट्राई इस महीने अपने डिजिटल डिस्ट्रिब्यूटेड लेजर टेक्नोलॉजी प्लेटफॉर्म पर वाणिज्यिक संचार प्राप्त करने के लिए ग्राहकों द्वारा दी गई कागजी और पिछली अनुमतियों को शामिल करने के लिए एक पायलट प्रोजेक्ट शुरू करेगा। ट्राई चेयरमैन अनिल कुमार लाहोटी ने कहा कि इस प्रक्रिया में लंबे समय में उनकी मौजूदा वैधता को जांचना और सत्यापित करना तथा इच्छुक लोगों को ऑप्ट-

आउट की पेशकश करना शामिल होगा। उन्होंने कहा कि स्पैम पर अंकुश लगाने के लिए सख्त नियम और टेलीमार्केटर्स के लिए प्राधिकरण ढांचे की जांच करने वाले नए परामर्श की भी आने वाले हफ्तों में उम्मीद की जा सकती है।

भारतीय दूरसंचार नियामक प्राधिकरण (ट्राई) ने अपने ताजा विनियमन पर किसी भी पुनर्विचार से इनकार किया है, जो सेवा प्रदाताओं को वॉयस कॉल और एसएमएस के लिए अलग-अलग विशेष टैरिफ वाउचर (एसटीवी) प्रदान करने के लिए बाध्य करता है। लाहोटी ने मीडिया से बातचीत में कहा कि उपभोक्ताओं को डेटा का उपयोग करने के लिए प्रोत्साहित किया जा सकता है, लेकिन उन्हें ऐसा करने के लिए मजबूर नहीं किया जा सकता। ट्राई का ध्यान न केवल उद्योग के हितों की रक्षा करना है, बल्कि उपभोक्ता के हितों की भी रक्षा करना है, जिनके पास केवल उन सेवाओं के लिए भुगतान करने का विकल्प होना चाहिए जिनकी उन्हें आवश्यकता है। नियामक अपनी आईटी प्रणाली में बड़े पैमाने पर सुधार शुरू करने के लिए भी तैयार है। यह ऐसा कदम, जिससे उसे उम्मीद है कि दूरसंचार कंपनियों और अन्य उद्योग हितधारकों द्वारा फाइलिंग के कई मामलों में युक्तिकरण और कमी आएगी। डेलोइट, जिसे एक सलाहकार के रूप में शामिल किया गया है, अपनी आईटी प्रणालियों के सुधार पर अपनी रिपोर्ट जमा करने के कगार पर है।

लाहोटी ने कहा कि इसके बाद नियामक सुधार के लिए एक एजेंसी नियुक्त करेगा और पूरी कवायद को प्राथमिकता दी जाएगी और इस साल पूरा किया जाएगा। वर्ष 2025 के लिए ट्राई की प्राथमिकताओं की सूची में उपग्रह संचार स्पेक्ट्रम पर सिफारिशें हैं लाहोटी ने सिफारिश जारी करने की बारीकियों या समयसीमा पर टिप्पणी करने से इनकार कर दिया, सिवाय इसके कि सभी टिप्पणियों की उनकी योग्यता के आधार पर जांच की जा रही है और हम एक संतुलित दृष्टिकोण(शेष पृष्ठ 9)

एक्यूआई में मामूली सुधार के बाद ग्रैप तीन हटा

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

बीएस 3 पेट्रोल और बीएस 4 डीजल कारों पर प्रतिबंध आधिकारिक तौर पर रविवार रात से हटा लेने के बाद दिल्ली के वाहन मालिक अब राहत की सांस ले सकते हैं। दिल्ली और उसके आसपास के क्षेत्र के लिए वायु गुणवत्ता प्रबंधन आयोग (सीएक्यूएम) ने दिल्ली-एनसीआर के लिए ग्रेडेड रिस्पांस एक्शन प्लान (ग्रैप) के तहत स्टेज- 3 (गंभीर वायु गुणवत्ता) उपायों को तत्काल प्रभाव से रद्द करने का फैसला किया है। यह अनुकूल मौसम संबंधी परिस्थितियों से प्रेरित क्षेत्र में वायु गुणवत्ता सूचकांक (एक्यूआई) के स्तर में सुधार के बाद आया है। यह निर्णय 1 जनवरी, 2025 को आयोजित एक बैठक के दौरान लिया गया था, जिसमें एक्यूआई के स्तर में गिरावट के बाद, जो पहले 350 अंक को पार कर गया था, 3 जनवरी को स्टेज- 3 की कार्रवाई का प्रारंभिक आह्वान किया गया था।

सीएक्यूएम ने पुष्टि की है कि संशोधित जीआरएपी के चरण-1 और चरण-2 के तहत कार्रवाई लागू रहेगी। वायु गुणवत्ता में किसी और गिरावट को रोकने के लिए पूरे एनसीआर में संबंधित एजेंसियों द्वारा इन उपायों को लागू, निगरानी और समीक्षा जारी रहेगी। इस सुधार के मद्देनजर, उप-समिति ने भारत मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) और भारतीय उष्णकटिबंधीय मौसम विज्ञान संस्थान (आईआईटीएम) के वास्तविक समय के एक्यूआई डेटा और पूर्वानुमानों के आधार पर स्टेज-3 उपायों को रद्द करने का फैसला किया। इन पूर्वानुमानों से संकेत मिलता है कि जबकि एक्यूआई बहुत खराब या खराब श्रेणी में रह सकता है, इसके आगे और बिगड़ने की उम्मीद नहीं है। दिल्ली का औसत एक्यूआई में लगातार सुधर रहा है और दोपहर 2 बजे यह 348 था, दोपहर 3 बजे यह 343 दर्ज किया गया, जो केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड (सीपीसीबी) द्वारा प्रदान किए गए शाम 4 बजे के एक्यूआई बुलेटिन में और सुधर कर 339 हो गया जीआरएपी के चरण-3 के तहत प्रतिबंधों की विघटनकारी प्रकृति को ध्यान में रखते हुए, जो (शेष पृष्ठ 9)

अंतरराष्ट्रीय छात्रों के लिए दो विशेष श्रेणी के वीजा

एजेंसी। नई दिल्ली

भारत ने देश के शैक्षणिक संस्थानों में उच्च शिक्षा प्राप्त करने के इच्छुक अंतरराष्ट्रीय छात्रों के लिए दो विशेष श्रेणी के वीज़ा शुरू किया है। अधिकारियों ने कहा, गृह मंत्रालय द्वारा 'ई-स्टूडेंट वीज़ा' और 'ई-स्टूडेंट-एक्स' वीज़ा पेश किया है और इसके लिए सभी आवेदकों को सरकार द्वारा शुरू किए गए 'स्टडी इन इंडिया' (एसआईआई) पोर्टल का उपयोग करना होगा। उन्होंने कहा, एसआईआई पोर्टल पर पंजीकृत पात्र विदेशी छात्र ई-स्टूडेंट वीज़ा सुविधा का लाभ उठा सकते हैं, जबकि ई-स्टूडेंट-एक्स वीज़ा ई-स्टूडेंट वीज़ा रखने वालों के आश्रितों को दिया जाता है। एसआईआई पोर्टल उन अंतरराष्ट्रीय छात्रों की प्रवेश प्रक्रिया को सुगम बनाता है जो भारत में दीर्घकालिक या अल्पकालिक पाठ्यक्रम करना चाहते हैं।

अधिकारियों ने कहा, छात्रों को https://indianvisaonline.Gov.In/ पोर्टल पर अलग से वीज़ा के लिए आवेदन करना होगा, लेकिन उनके आवेदन की प्रामाणिकता की जांच एसआईआई आईडी द्वारा की जाएगी। इसलिए छात्रों के लिए एसआईआई वेबसाइट के माध्यम से भारतीय उच्च शिक्षण संस्थानों में आवेदन करना अनिवार्य है। छात्र एसआईआई के किसी भी भागीदार संस्थान से प्रवेश प्रस्ताव पत्र प्राप्त करने के बाद वीजा के लिए आवेदन कर सकते हैं। अधिकारियों ने कहा कि ई-छात्र वीजा ऐसे विदेशी नागरिकों को दिया जाएगा, जिन्होंने भारत में अध्ययन के लिए प्रवेश प्राप्त किया है और जो भारत में वैधानिक और नियामक निकाय द्वारा विधिवत मान्यता प्राप्त शैक्षणिक संस्थानों में नियमित, पूर्णकालिक, स्नातक, स्नातकोत्तर, पीएचडी और ऐसे अन्य औपचारिक कार्यक्रमों के पाठ्यक्रम करना चाहते हैं। पाठ्यक्रम की अवधि के आधार पर छात्र वीजा पांच साल तक के लिए जारी किए जाते हैं। इन्हें भारत में बढ़ाया भी जा सकता है। अधिकारियों ने कहा कि इसके अलावा, जिनके पास वैध ई-छात्र वीजा है, वे किसी भी वांछित इमिग्रेशन चेक पोस्ट पोर्ट से भारत में प्रवेश कर सकते हैं। एसआईआई शिक्षा मंत्रालय की एक प्रमुख परियोजना है, जो अपने 600 से अधिक साझेदार (शेष पृष्ठ 9)

नागासाकी परमाणु बम हमले में बचे फुकाहोरी का 93 की उम्र में निधन

एजेंसी। तोक्यो

जापान के नागासाकी में 1945 में परमाणु बम गिराए जाने की घटना में बाल-बाल बच गए तथा परमाणु हथियारों के विरुद्ध मुहिम चलाने वाले शिगेमी फुकाहोरी का निधन हो गया है। वह 93 साल के थे। उराकामी कैथोलिक गिरजाघर ने रविवार को बताया कि फुकोहोरी ने तीन जनवरी को दक्षिण-पश्चिम जापान के एक अस्पताल में अंतिम सांस ली। वह पिछले साल आखिरी दिन तक इस गिरजाघर में तकरीबन रोजाना प्रार्थना करते थे। स्थानीय मीडिया ने बताया कि उनकी मृत्यु अधिक उम्र के कारण हुई। अमेरिका ने नौ अगस्त, 1945 को नागासाकी पर जब बम गिराया था तब फुकोहोरी केवल 14 साल के थे। उस घटना में हजारों लोगों की मौत हो गई थी। उससे तीन दिन पहले हिरोशिमा पर परमाणु हमला किया गया था जिसमें 140000 लोगों की मौत हो गई थी।

परमाणु हमले के कुछ दिनों बाद जापान ने आत्मसमर्पण कर दिया था और फिर द्वितीय विश्वयुद्ध का समापन हुआ

था। शिगेमी फुकाहोरी बम गिराए जाने के स्थान से लगभग तीन किलोमीटर दूर एक शिपयार्ड में काम करते थे। वह सालों तक उस घटना के बारे में बात नहीं कर सके, न केवल उन दर्दनाक यादों के कारण, बल्कि इसलिए भी कि उस समय वह कितने असहाय महसूस करते थे। करीब 15 साल पहले स्पेन की यात्रा के दौरान एक ऐसे व्यक्ति से मिलने के बाद वह और अधिक मुखर हो गए, जिसने 1937 में स्पेन गृहयुद्ध के दौरान ग्वेर्निका पर बमबारी का अनुभव किया था। वह व्यक्ति भी तब 14 साल का था। आपस में अनुभव साझा करने के बाद फुकाहोरी खुलकर अपनी बात रखने लगे।

शिगेमी फुकाहोरी ने सन् 2019 में जापान के राष्ट्रीय प्रसारक एनएचके से कहा था कि जिस दिन हमारे देश पर बम गिरा, मैंने मदद के लिए एक आवाज सुनी। जब मैं उसके पास गया और अपना हाथ बढ़ाया, तो (मैंने देखा कि) उस व्यक्ति की त्वचा पिघल गई। मुझे अब भी याद है कि तब कैसा महसूस हुआ था। वह अक्सर यह उम्मीद करते हुए विद्यार्थियों को संबोधित करते थे कि वे शांति की मुहिम को आगे बढ़ाएंगे।

बांग्लादेश ने भारत में जजों की ट्रेनिंग रद्द की

एजेंसी। ढाका

बांग्लादेश की अंतरिम सरकार ने रविवार को एक पूर्व अधिसूचना को निरस्त करते हुए भारत में 50 न्यायाधीशों और न्यायिक अधिकारियों के लिए प्रस्तावित प्रशिक्षण कार्यक्रम को रद्द कर दिया। विधि मंत्रालय के प्रवक्ता ने विस्तृत विवरण दिए बिना बताया, अधिसूचना रद्द कर दी गई है। समाचार पत्र डेली स्टार की खबर के अनुसार बांग्लादेश के उच्चतम न्यायालय के निर्देश के अनुपालन में यह निर्णय लिया गया है। सरकारी बांग्लादेश संबाद संस्था ने एक दिन पहले यह खबर दी थी कि जिसमें कहा गया था कि निचली अदालतों के 50 न्यायाधीश 10 फरवरी से मध्य प्रदेश में राष्ट्रीय न्यायिक अकादमी और राज्य

न्यायिक अकादमी में एक दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम में भाग लेंगे। कार्यक्रम के अंतर्गत चयनित प्रशिक्षु न्यायाधीशों में जिला एवं सत्र न्यायाधीश या इसके समकक्ष अधिकारी, अतिरिक्त जिला एवं सत्र न्यायाधीश, संयुक्त जिला न्यायाधीश, वरिष्ठ सहायक न्यायाधीश और सहायक न्यायाधीश शामिल थे। भारत सरकार को प्रशिक्षण कार्यक्रमों का सारा खर्च वहन करना था।

भारत और बांग्लादेश के बीच तब से तनावपूर्ण संबंध रहे हैं, जब अपदस्थ प्रधानमंत्री शेख हसीना पिछले साल पांच अगस्त को छात्रों के नेतृत्व में हुए बड़े पैमाने पर आंदोलन के बाद नई दिल्ली चली गई थीं, जिससे उनकी अवामी लीग की 16 साल लंबी सरकार गिर गई थी। आठ अगस्त को मोहम्मद यूनुस के नेतृत्व वाली अंतरिम सरकार के सत्ता में आने के बाद से हिंदू समुदाय के सदस्यों और उनके पूजा स्थलों लगातार हमले हुए हैं। भारत ने पहले ही इन हमलों के संबंध में बांग्लादेश के समक्ष चिंता व्यक्त की है, खासकर तब जब पिछले महीने एक हिंदू संत समृद्ध को राजद्रोह के मामले में गिरफ्तार किया गया था।

बड़ी आबादी के बावजूद भी यूपी में कहीं अव्यवस्था नहीः योगी

● मुख्यमंत्री ने जनजातीय युवा आदान-प्रदान कार्यक्रम 2025 के तहत ओडिशा, झारखंड, छत्तीसगढ़ व मध्य प्रदेश के युवाओं से किया संवाद

लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी के नेतृत्व में जनजातीय संस्कृति के संरक्षण के लिए देश पूरी तत्परता से कार्य कर रहा है। इसके लिए अनेक कार्यक्रम भी चलाए जा रहे हैं। पीएम मोदी ने 15 नवंबर की तिथि को भगवान बिरसा मुंडा की जयंती (जनजातीय दिवस) के रूप में घोषित की। भगवान बिरसा मुंडा की 150वीं जयंती वर्ष होने के कारण यह वर्ष अत्यंत महत्वपूर्ण है। मुख्यमंत्री ने जनजातीय युवा आदान-प्रदान कार्यक्रम 2025 के तहत रविवार को अपने सरकारी आवास पर ओडिशा, झारखंड, छत्तीसगढ़ व मध्य प्रदेश के युवाओं से संवाद किया। इस दौरान युवाओं ने अपनी बातें रखीं और अपने राज्य की सांस्कृतिक झलक भी प्रस्तुत की। सीएम ने विपरीत मौसम में भी उत्तर प्रदेश के लखनऊ में आए युवाओं का स्वागत किया। सीएम ने युवाओं को यूपी से परिचित कराते हुए बताया कि यूपी देश की सबसे बड़ी आबादी का राज्य है। यहां 25 करोड़ की आबादी निवास करती है। 75 जनपद, 18 मंडल, 350 से अधिक तहसीलें, 825 से अधिक विकास खंड, 17 नगर निगम, 200 से अधिक नगर पालिका परिषद और 400 से अधिक नगर पंचायतें हैं। यह प्रकृति व परमात्मा की विशेष भूमि है। मां गंगा, यमुना व सरस्वती की त्रिवेणी प्रयागराज में 13 जनवरी से 26 फरवरी तक महाकुम्भ होने जा रहा है। इसमें 40 करोड़ से अधिक श्रद्धालुओं के आने की संभावना है। यूपी में काशी विश्वनाथ धाम, भगवान राम, भगवान श्रीकृष्ण की जन्मभूमि, लीला भूमि वृंदावन, मां विंध्यवासिनी धाम भी है। उत्तर प्रदेश वैदिक कालखंड से लेकर अब तक की सभ्यता-संस्कृति और देश की आजादी की अनेक घटनाओं की भूमि है।

सीएम योगी ने कहा कि आपको उत्तर प्रदेश को नजदीक से देखने का अवसर प्राप्त हो रहा है। उत्तर प्रदेश विकास के मानक में अग्रणी राज्य बनकर उभर रहा है। यूपी ने खुद को देश की अग्रणी अर्थव्यवस्था के रूप में स्थापित किया। विकास व सुशासन की पहली शर्त सुरक्षा व कानून व्यवस्था है। उग्रवाद, आतंकवाद, उपद्रव, दंगे-फसाद हैं तो विकास, रोजगार सृजन, सुशासन, निवेश नहीं हो सकता। सीएम ने बच्चों को मंत्र दिया कि हम कानून का पालन करें, कानून हमें संरक्षण देगा। संविधान कानून के प्रति श्रद्धा का यही भाव पैदा करता है। हम सभी संविधान शिल्पी के रूप में डॉ. आंबेडकर को स्मरण करते हैं। सीएम ने कहा कि यूपी का संबंध इन राज्यों से बहुत नजदीक से है। छत्तीसगढ़ भगवान राम का ननिहाल है। चित्रकूट में भगवान राम ने वनवास का सर्वाधिक समय यहीं व्यतीत किया। यह उत्तर प्रदेश व मध्य प्रदेश का जंक्शन है। मां जानकी जनकपुर से हैं। यह बिहार व नेपाल के बीच में पड़ता है। झारखंड बाबा धाम के लिए जाना जाता है। ओडिशा जगन्नाथ भगवान का पावन धाम है। अपनी परंपरा, संस्कृति के प्रति गौरव की अनुभूति, श्रद्धा-सम्मान व देश के प्रति निष्ठा का भाव आगे बढ़ने की प्रेरणा प्रदान करता है।

सीएम ने कहा कि एक तरफ भारत बड़ी ताकत बन रहा है तो दूसरी तरफ देश के सामने चुनौती भी है। अगले तीन वर्ष के अंदर भारत दुनिया की तीसरी बड़ी अर्थव्यवस्था बनने वाला है। इससे हर व्यक्ति की आय में वृद्धि, रोजगार का सृजन, विकास, इंफ्रास्ट्रक्चर, निवेश होगा, जिससे युवाओं को जुड़ने का अवसर मिलेगा। सीएम ने कहा कि अपनी परंपरा, लोकगाथा को शानदार तरीके से यहां प्रस्तुत किया गया। हमें संस्कृति को जीवित रखना होगा। इनकी नींव पर ही विकास के नए प्रतिमान को स्थापित करने की दिशा में आगे बढ़ना होगा, इसके लिए केंद्र व राज्य सरकारें अपने यहां संग्रहालय बना रही हैं। सीएम ने कहा कि स्वतंत्र भारत में पहली बार राष्ट्रपति पद पर जनजातीय महिला भारत के गौरव को नई ऊंचाई तक पहुंचाने में योगदान दे रही हैं।

सीएम ने युवाओं से कहा कि देश-समाज व संस्कृति के प्रति आपके मन में उत्कंठा देखकर अच्छा लगा। जीवन में आगे बढ़ने और भावी पीढ़ी के उज्ज्वल भविष्य के लिए एक ही मंत्र होना चाहिए कि मेरा अपना कुछ भी नहीं, देश सुरक्षित है तो हम सब सुरक्षित हैं। उपासना विधि का अंतर हो सकता है, लेकिन राष्ट्रधर्म सर्वोपरि है। इससे कोई समझौता नहीं हो सकता। जनजातीय समुदाय प्राचीन काल (भगवान राम) के समय से ही देश व धर्म के लिए मजबूती के साथ जुटने वाले योद्धा के रूप में जाना जाता है।

सीएम ने कहा कि महर्षि वाल्मीकि कृत रामायण में यह वर्णन बताता है कि ऋषि-मुनियों की साधना स्थली व दिव्य ज्ञान की भूमि दंडकारण्य जनजातीय संस्कृति व सभ्यता से भरा है। झारखंड, ओडिशा से लेकर सुदूर महाराष्ट्र तक विस्तृत भूभाग है, जहां की जनजातीय संस्कृति ने ज्ञान-विज्ञान की धरोहर को संजोकर विपरीत परिस्थितियों में संरक्षण किया। जब भी राष्ट्र व धर्म के सामने चुनौती आई तो उसका मुकाबला करने के लिए खुद को तैयार किया। सीएम ने कहा कि वनवास काल के दौरान भगवान राम के सामने जब चुनौती आई तो इन्हीं लोगों ने धर्म की स्थापना और देश के लिए भगवान राम की सेना का हिस्सा बनाकर समुद्र में भी सौ योजन के सेतु का निर्माण कर असंभव को भी संभव कर दिया, जिससे भगवान राम की सेना इस पार से उस पार पहुंच जाए। यह ताकत जनजातीय समुदाय में है। यही साधना और उसकी सिद्धि है। उसी संस्कार से जुड़ने के लिए भगवान राम की भूमि पर आप सभी का आगमन हुआ है। सीएम ने कहा कि यूपी के अंदर प्रशिक्षण अत्यंत महत्वपूर्ण है, क्योंकि यहां की विकास यात्रा को नजदीक से जानने का अवसर मिल रहा है। 25 करोड़ की आबादी के बावजूद कहीं अव्यवस्था नहीं है। महाकुम्भ में सभी कार्य ऑटो मोड पर चल रहा है। लोग स्वत:स्फूर्त भाव से जुड़ रहे हैं। सीएम ने अधिकारियों को इन युवाओं को लखनऊ के अनेक स्थलों पर घुमाने का निर्देश दिया। बोले-चौड़ी-स्वच्छ सड़कें, मेट्रो, एयरपोर्ट, रेलवे स्टेशन, मॉल आदि का अवलोकन कराएं। युवाओं से कहा कि मोदी जी के नेतृत्व में विकास को देखें। स्वच्छता पर ध्यान दें, कहीं गंदगी न होने दें। प्रकृति के जितने नजदीक रहेंगे, उतने ही स्वस्थ रहेंगे। स्वच्छ भारत मिशन पीएम मोदी की देन है। टेक्नोलॉजी का उपयोग कैसे होना है, यह मोदी जी के प्रयासों का परिणाम है। इस दौरान प्रमुख सचिव (गृह एवं सूचना) संजय प्रसाद, केंद्रीय गृह मंत्रालय से निष्ठा तिवारी, नेहरू युवा केंद्र के राज्य निदेशक महेंद्र सिंह सिसौदिया आदि मौजूद रहे।

राष्ट्रभक्त व रामभक्त थे कल्याण सिंहः मुख्यमंत्री

लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि कल्याण सिंह भारत मां के महान सपूत, राष्ट्रभक्त व रामभक्त थे। 1932 में अलीगढ़ के एक छोटे से गांव में आज ही के दिन सामान्य किसान परिवार में उनका जन्म हुआ था। बाल्यकाल से ही देश की आजादी की लड़ाई को देखने, स्वतंत्रता के बोध व भावी भारत के निर्माण में हमारी क्या भूमिका होगी, इन संस्कारों से ओतप्रोत बालक कल्याण सिंह ने उस समय राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की सामान्य शाखा से लेकर आगे के कार्यक्रमों के माध्यम से खुद को राष्ट्रभक्ति के सांचे में ढाला था। किसान, शिक्षक, 1977 में प्रदेश के स्वास्थ्य मंत्री, विधायक, सांसद, दो बार प्रदेश के मुख्यमंत्री व दो राज्यों के राज्यपाल के रूप में उनकी कार्यकुशलता, कर्मठता व प्रशासनिक क्षमता की दक्षता को हर किसी ने स्वीकार किया। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने पूर्व मुख्यमंत्री व राज्यपाल 'पद्म विभूषण' कल्याण सिंह की जयंती पर 2, मॉल एवेन्यू में आयोजित कार्यक्रम में उनके चित्र पर पुष्पांजलि की। सीएम ने कहा कि उनकी स्मृतियों की जीवंतता बनाए रखने के लिए प्रदेश सरकार ने लखनऊ में अत्याधुनिक कैंसर इंस्टीट्यूट और बुलंदशहर के मेडिकल कॉलेज का नामकरण भी श्रद्धेय कल्याण सिंह जी के नाम पर रखा है। सीएम ने कहा कि सत्ता के लिए लोग सिद्धांतों की तिलांजलि दे देते हैं। कुछ प्राप्त करने के लिए मूल्यों के साथ समझौता करते हैं, लेकिन कल्याण सिंह जैसे व्यक्तित्व ने मूल्यों व सिद्धांतों के साथ कभी समझौता नहीं किया। रामजन्मभूमि आंदोलन और उसके बाद भी प्रदेश की राजनीति को नई दिशा देने, प्रशासनिक दक्षता को परिपूर्ण करने के लिए उनके द्वारा 1990 के दशक के प्रारंभ व उत्तरार्ध में जो प्रयास प्रारंभ किए गए थे, वह नए उत्तर प्रदेश का दर्शन कराते हैं।

सीएम ने कहा कि देश 1947 में आजाद हुआ, लेकिन उत्तर प्रदेश के लोगों को पहली बार इसका अहसास तब हुआ, जब मुख्यमंत्री के रूप में शपथ ग्रहण करके कल्याण सिंह जी ने शासन व्यवस्था को आगे बढ़ाया। उस समय भी उन्हें अस्थिर करने के लिए झुंड के झुंड अव्यवस्था फैलाने पर उतारू थे। उसकी परवाह किए बिना उन्होंने श्रीराम मंदिर निर्माण के लिए सरकार की तिलांजलि दी। उनकी दूरदर्शिता थी, जो सपना उन्होंने देखा, वह साकार हो गया। आज अयोध्या में रामजन्मभूमि पर भव्य मंदिर निर्माण कार्य पूरा हो गया तो उनकी आत्मा को भी असीम शांति प्राप्त हुई होगी। सीएम ने कहा कि पं. दीनदयाल उपाध्याय के जिस एकात्म मानववाद को उन्होंने राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की पाठशाला में सीखा था, उसे धरातल पर भी उतारा। अन्नदाता किसानों के लिए घोषित योजनाएं हों, नकल विहीन परीक्षा के माध्यम से उप्र के युवाओं के भविष्य को उज्ज्वल करने के उनके द्वारा चलाया गया अभियान भी अनुकरणीय है। सीएम ने कहा कि 21 अगस्त 2021 को वे भौतिक काया से हमारे बीच नहीं रहे, लेकिन उनका मार्गदर्शन शासन-प्रशासन के लिए आज भी पाथेय बना है। उप्र में जब भी शुचिता की बात होती है, हर प्रदेशवासी श्रद्धा-सम्मान के साथ कल्याण सिंह का नाम लेता है। उनके द्वारा प्रारंभ किए गए अभियान मजबूती के साथ सुशासन के लक्ष्यों को प्राप्त करके आमजन के जीवन में परिवर्तन करते दिखाई देते हैं।

अब 15 जनवरी तक करा सकेंगे फसल बीमाः सूर्य प्रताप शाही

● केवल डेढ़ प्रतिशत प्रीमियम देकर किया जाता है रबी सीजन के लिए फसल बीमा योजना में पंजीकरण

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

रबी सीजन के लिए प्रधानमंत्री फसल बीमा की अवधि को 31 दिसंबर 2024 से बढ़ाकर 15 जनवरी 2025 किए जाने पर कृषि मंत्री श्री सूर्य प्रताप शाही ने केंद्र सरकार का आभार प्रकट किया है। उन्होंने इस विस्तारित अवधि में किसानों से इस योजना में पंजीकृत होने की अपील की है, जिससे उन्हें बीमा योजना का भरपूर लाभ मिल सके। कृषि मंत्री सूर्य प्रताप शाही ने बताया कि प्रदेश सरकार के आग्रह पर केंद्र सरकार ने रबी सीजन के लिए प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना की अवधि को 15 जनवरी तक बढ़ा दिया है। उन्होंने प्रदेश भर के किसानों से अपील की है कि वे गेहूं, दलहन तिलहन सहित अपनी सभी रबी फसलों के लिए बीमा योजना का लाभ उठाएं। किसान केवल डेढ़ प्रतिशत प्रीमियम का भुगतान करके इस योजना का लाभ ले सकते हैं।

उन्होंने बताया कि पूर्व निर्धारित अवधि 31 दिसंबर 2024 तक प्रदेश के कई किसानों द्वारा फसल बीमा योजना में पंजीकरण नहीं कराया जा सका था। जिस पर किसानों के हित में प्रदेश सरकार की ओर से केंद्र सरकार से बीमा योजना में पंजीकरण की अवधि विस्तारित करने का आग्रह किया गया। केंद्र सरकार द्वारा 15 जनवरी 2025 तक इस योजना को विस्तारित कर दिया गया है। उन्होंने इसके लिए केंद्र सरकार को प्रदेश के किसानों की ओर से आभार व्यक्त किया।

रामलला का 11 जनवरी को ग्यारह बजे अभिषेक करेंगे मुख्यमंत्री

● प्रतिष्ठा द्वादशी के प्रथम दिन रामलला को समर्पित भजन किया जाएगा लॉन्च

लखनऊ/अयोध्या। भव्य मंदिर में रामलला के विराजमान होने के एक वर्ष पूरे होने पर अयोध्या में 11 से 13 जनवरी तक प्रतिष्ठा द्वादशी का आयोजन होगा। 11 जनवरी को पहले दिन मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ 11 बजे गर्भगृह में श्रीरामलला का अभिषेक करेंगे। उसके बाद अंगद टीला पर होने वाले सांस्कृतिक कार्यक्रम का उद्घाटन कर श्रद्धालुओं को संबोधित भी करेंगे। उसी दिन रामलला को एक वर्ष पूरे होने के उपलक्ष्य में सोनू निगम, शंकर महादेवन व मालिनी अवस्थी समेत कई मशहूर कलाकारों के द्वारा गाया गया भजन भी रिलीज किया जाएगा।

श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट के महासचिव चंपत राय ने बताया कि भारतीय संस्कृति और सनातन धर्म के अधिष्ठाता मर्यादा पुरुषोत्तम प्रभु श्रीराम जी के जन्मस्थान अयोध्या याम में नवनिर्मित मन्दिर की स्थापना के एक वर्ष पौष शुक्ल पक्ष, द्वादशी, विक्रम सम्वत, 2001 तद?नुसार 11 जनवरी को सम्पन्न हो रहा है। इस दौरान 13 जनवरी तक उत्सव मनाया जाएगा। इसकी तैयारियां तेजी से चल रही हैं। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ 11 जनवरी को रामलला का अभिषेक करेंगे। उन्होंने बताया कि महोत्सव के मद्देनजर नगर के प्रमुख चौराहों लता चौक, जन्मभूमि पथ, श्रृंगार हाट, राम की पैड़ी, सुग्रीव किला, छोटी देवकाली समेत अन्य स्थलों पर कीर्तन भी होगा। इसमें युवा कलाकार वाद्य यंत्रों से नगरी को मंत्रमुग्ध कर देंगे। ट्रस्ट के महासचिव चंपत राय ने बताया कि इस अवसर पर तीन दिवसीय श्रीराम राग-सेवा का कार्यक्रम मन्दिर परिसर में गर्भगृह के निकट मण्डप में सम्पन्न होगा। इसमें प्रभु श्रीराम की भक्ति के प्रति विनीत भाव से संगीत, नृत्य और वादन के द्वारा उन्हें सेवा प्रदान करने का उपक्रम होगा। अनुष्ठान के परिकल्पनाकार और समन्वयक अयोध्या के कलाविद् यतीन्द्र मिश्र हैं। इस कार्य में उनका सहयोग संगीत नाटक अकादमी कर रहा है। ट्रस्ट के महासचिव चंपत राय ने बताया कि सभी संतों को बुलाया गया है। उन्होंने कहा कि अयोध्या से बड़ी संख्या में लोग महाकुंभ में गए हैं। उन्होंने आग्रह किया कि तीन दिन के कार्यक्रम में एक दिन लोग अयोध्या पहुंच कार्यक्रम में शामिल हों।

कार्यक्रम के तीन दिन

पहला दिनः 11 जनवरी को लता मंगेशकर की बहन व प्रख्यात गायिका ऊषा मंगेशकर और मयूरेश पई भगवान के सम्मुख भजन से राग-सेवा का आरम्भ करेंगी। इसके बाद साहित्य नाहर सितार व सन्तोष नाहर वॉयलिन की जुगलबन्दी से भक्ति का कार्यक्रम प्रस्तुत करेंगे। पहले दिन का समापन डॉ. आनन्दा शंकर जयन्त द्वारा भरतनाट्यम नृत्य की प्रस्तुति से होगा।

दूसरा दिनः 12 जनवरी को महोत्सव की शुरुआत राग सेवा प्रसिद्ध लोकगायिका शैलेश श्रीवास्तव के बधावा, सोहर गायन से होगी। इसके बाद प्रख्यात शास्त्रीय गायिका कलापिनी कोमकली श्रीराम भजन व निर्गुण गायन से राग-सेवा प्रस्तुत करेंगी। कार्यक्रम का समापन विश्वविख्यात बांसुरी वादक राकेश चौरसिया के बांसुरी वादन से होगी।

तीसरा दिनः 13 जनवरी को राग-सेवा का आरम्भ आरती अंकलिकर के शास्त्रीय गायन से होगा, जिसके बाद प्रख्यात कथक नृत्यांगना शोभना नारायण की कथक प्रस्तुति होगी। अन्त में दक्षिण के गायक श्रीकृष्ण मोहन एवं श्रीराम मोहन त्रिचूर ब्रदर्स के शास्त्रीय गायन व श्रीराम भजन से कार्यक्रम सम्पन्न होगा।

समाजवादियों के आदर्श बाबर या जिन्ना नही :दीपक मिश्र

लखनऊ। समाजवादी चिंतक और बौद्धिक सभा के अध्यक्ष दीपक मिश्र ने मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के बयान की निंदा करते हुए कहा कि समाजवादी हर आदर्श भारतीय की तरह समाजवादियों के आदर्श राम विमर्श के पुरोधा तुलसी मित्र रहीम, कृष्ण के परम भक्त रसखान और भारतीय राष्ट्रवाद के नायक अशफाक उल्ला खान हैं, बाबर या जिन्ना नहीं । समाजवादियों द्वारा अशफाक की जयंती मनाते हुए एक तस्वीर जारी कर दीपक ने कहा कि मुख्यमंत्री समाजवादियों द्वारा बाबर या जिन्ना की जयंती मनाते हुए कोई तस्वीर जारी करें। योगी सरकार की नीतियां न केवल समाजवाद अपितु रामराज्य के दर्शन के प्रतिकूल हैं, यही कारण है कि प्रदेश में विषमता और कर्ज बढ़ता चला जा रहा है। दीपक ने बताया कि उप्र में प्रति व्यक्ति कर्ज 31हजार 147 रुपए के खतरनाक स्तर तक पहुंच गया है। अपनी विफलताओं को छुपाने के लिए मुख्यमंत्री अनवरत सांप्रदायिक बयान दे रहे हैं।

सपा प्रतिनिधि मण्डल 8 को जाएगा मिर्जापुर

लखनऊ। सपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश के निर्देशानुसार सपा का प्रतिनिधि मण्डल 8 जनवरी को जनपद मिर्जापुर जायेगा। मिर्जापुर के हरना की गली, थाना कटरा, निवासी श्री सुरेश चन्द्र ओझा के पुत्र श्री प्रियांशु ओझा की हत्या कर दी गयी है। जानकारी तथा शोकाकुल परिवार से मिलने हेतु प्रतिनिधिमण्डल हरना की गली, जनपद मिर्जापुर पहुंचेगा। प्रतिनिधिमण्डल के सदस्यगण है।

भाजपा नकारात्मक राजनीति करती हैः अखिलेश

लखनऊ। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं अखिलेश यादव ने कहा है कि भाजपा नकारात्मक राजनीति करती है। दूसरे दलों और नेताओं को बदनाम करती है। बदनाम करने के लिए भाजपा सौ गुना खर्च करती है। वह षडयंत्रकारी पार्टी है। उसकी प्रवृत्ति तानाशाही है, लेकिन इतिहास गवाह है हर तानाशाह को अपमानित होकर ही जाना पड़ता है। भाजपा सरकार को नकारात्मक राजनीति नहीं करनी चाहिए। समाजवादी पार्टी के राज्य मुख्यालय में प्रदेश के विभिन्न जिलों से आये कार्यकर्ताओं को सम्बोधित करते हुए श्री अखिलेश यादव ने कहा कि भाजपा लोकतंत्र और संविधान विरोधी काम करती है। सत्ता का दुरुपयोग कर रही है। बजट की लूट कर रही है। भाजपा हर तरह के भ्रष्टाचार में शामिल है। चुनावों में पुलिस-प्रशासन को अपने पक्ष में अनुचित इस्तेमाल करती है।

अखिलेश यादव ने कहा कि सफलता का कोई शॉर्टकट रास्ता नहीं होता है। पार्टी के कार्यकर्ता और नेता ईमानदारी से कार्य करें। मेहनत करे। इंडिया गठबंधन को मजबूत करते हुए सफल करना है। पीडीए की रणनीति से इंडिया गठबंधन को ताकत मिलेगी। पीडीए की ताकत से भाजपा बौखलायी है। नई-नई साजिशें कर रही है। पीडीए की एकता और मजबूती को देखकर भाजपा डर गयी है। वह समाज में नफरत फैलाने में जुट गयी है। पीडीए जितना मजबूत होगा, भाजपा उतना ही साम्प्रदायिक षड्यंत्र करेगी।

भाजपा पीडीए की एकता को कमजोर करना चाहती है। वह जातीय जनगणना नहीं होने देना चाहती है। जातीय जनगणना होने से वंचित वर्गों को सामाजिक न्याय मिलेगा। सभी को अपनी आबादी के अनुपात में अधिकार मिलेगा। सबके साथ सामाजिक न्याय होगा। इसलिए जातीय जनगणना सौ फीसदी होनी चाहिए। 2027 में उत्तर प्रदेश में सपा की सरकार आ रही है। पीडीए की सरकार बनेगी। सरकार बनते ही जातीय जनगणना होगी। सभी को न्याय और सम्मान मिलेगा।

यादव ने कहा कि समाजवादी पार्टी संविधान, लोकतंत्र बचाने और सामाजिक न्याय की लड़ाई लड़ रही है। समाजवादी पार्टी परिवर्तन की राजनीति करती है। समाजवादी पार्टी लोगों के जीवन में बदलाव लाकर खुशहाली लाना चाहती है। समाजवादी पार्टी सत्ता को आम जनता की ताकत बनाना चाहती है। आखिरी व्यक्ति के चेहरे पर मुस्कान लाने के लिए काम कर रही है।

नेपाल में लोकशाही की स्थापना में समाजवादियों का बड़ा हाथः उपेन्द्र

● सपा मुखिया से जनता समाजवादी पार्टी नेपाल के अध्यक्ष ने की भेंट

लखनऊ। सपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव से रविवार को पार्टी मुख्यालय में नेपाल देश के तीन बार रहे उपप्रधानमंत्री, सांसद और जनता समाजवादी पार्टी नेपाल के अध्यक्ष उपेन्द्र यादव ने भेंट की और दोनों देशों के बीच सामाजिक, राजनैतिक, आर्थिक तथा वैचारिक मसलों पर चर्चा की। उपेन्द्र यादव ने बताया कि नेपाल में राजशाही को हटाकर लोकशाही की स्थापना में समाजवादियों का बड़ा हाथ रहा है। भारत में नेपाल के आंदोलनकारियों को प्रश्रय मिला। आज नेपाल के लोगों को समान नागरिकता का अधिकार मिला हुआ है। यद्यपि वहां नेपाल कांग्रेस और कम्युनिस्ट पार्टी की मिलीजुली सरकार सश्रा में है तथापि समाजवादी भी वहां कम प्रभावी नहीं है। उपेन्द्र यादव ने याद दिलाया कि सन् 1942 में भारत छोड़ों आंदोलन के समय नेपाल में ऊषा मेहता के साथ डॉ. राम मनोहर लोहिया ने आजाद रेडियों स्थापित किया था। जयप्रकाश नारायण और डॉ. राममनोहर लोहिया को हनुमान नगर जेल तोड़कर आजाद कराया गया था। अच्युत पटवर्धन और मीनू मसानी के अतिरिक्त नेताजी भी नेपाल गए थे। नेपाल में भी समाजवादियों का अच्छा प्रभाव है।

दायित्व परिवर्तन संगठनात्मक व्यवस्था हैः बीएल संतोष

● जिलाध्यक्ष नामांकन प्रक्रिया 7 से 10 जनवरी के बीच संपन्न होगी

● भाजपा की संगठन चुनाव प्रदेश कार्यशाला आयोजित

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

भारतीय जनता पार्टी संगठन पर्व-2024 के तहत आयोजित संगठन चुनाव प्रदेश कार्यशाला रविवार को राष्ट्रीय महामंत्री (संगठन) बीएल संतोष एवं राष्ट्रीय महामंत्री विनोद तावड़े की उपस्थिति में संपन्न हुई। प्रदेश भाजपा मुख्यालय में आयोजित बैठक में प्रदेश चुनाव अधिकारी डा. महेन्द्र नाथ पाण्डेय, प्रदेश भाजपा अध्यक्ष भूपेन्द्र सिंह चौधरी, प्रदेश महामंत्री (संगठन) धर्मपाल सिंह, पूर्व प्रदेश अध्यक्ष रमापतिराम त्रिपाठी, स्वतंत्र देव सिंह तथा प्रदेश सह चुनाव पर्यवेक्षक संजय भाटिया व संजीव चौरसिया उपस्थित रहे। चरणबद्ध बैठकों में क्षेत्रीय अध्यक्ष, क्षेत्रीय प्रभारी, जिला चुनाव अधिकारी, जिला प्रभारी तथा जिलाध्यक्ष सम्मिलित रहे।

राष्ट्रीय महामंत्री (संगठन) बीएल संतोष ने संगठनात्मक चुनाव के अगले चरण की कार्ययोजना साझा करते हुए कहा कि विचारधारा, संस्कार और संगठनात्मक पद्धति ही लम्बे समय तक संगठन को जीवन्त रखते है। उन्होंने कहा कि भाजपा मेरा संगठन है इस विचार से जिलो में जाकर वर्तमान से अच्छा संगठन तैयार करने की समझ के साथ रायसुमारी करें। गुणात्मकता के साथ हमारे संगठनात्मक चुनाव के चार चरण पूर्ण हो चुके है। हम अगले चरण के लिए आगे बढ़ रहे हैं। उन्होंने कहा कि दायित्व परिवर्तन संगठनात्मक व्यवस्था है और इसके अनुरूप ही समय-समय पर प्रत्येक कार्यकर्ता के दायित्वों में परिवर्तन होता है।

राष्ट्रीय महामंत्री विनोद तावड़े ने कहा कि भारत में सिर्फ भाजपा ही एक मात्र राजनैतिक दल है जो संगठन की संरचना भी संगठनात्मक लोकतांत्रिक व्यवस्था के अनुरूप करता है। यही कारण है कि भारतीय जनता पार्टी में बूथ का कार्यकर्ता भी अपनी योग्यता और क्षमता के आधार पर किसी भी शीर्ष पद पर पहुंच सकता है। संगठन पर्व के तहत पार्टी के पदाधिकारियों, जनप्रतिनिधियों तथा कार्यकर्ताओं ने अपने परिश्रम से

सदस्यता अभियान में कीर्तिमान स्थापित किया है। अब संगठन बूथ समितियों के गठन, मंडल अध्यक्षों के निर्वाचन के साथ जिलाध्यक्ष निर्वाचन की प्रक्रिया की ओर बढ़ा है। आगामी समय में पार्टी के समर्पित कार्यकर्ता जिलाध्यक्षों के रूप में निर्वाचित होगें और संगठन के अबतक के कार्यों को आगे बढ़ाते हुए पार्टी के अभियानों, कार्यक्रमों और विचारधारा को गति प्रदान करेगें।

प्रदेश चुनाव अधिकारी डा. महेन्द्र नाथ पाण्डेय ने संगठनात्मक चुनाव का वृत्त पटल पर रखते हुए कहा कि पार्टी के कर्तव्यनिष्ठ कार्यकर्ताओं को मंडल अध्यक्ष की जिम्मेदारी सौंपी गई है। बड़ी संख्या में पिछड़ा वर्ग, अनुसूचित वर्ग तथा महिला कार्यकर्ताओं का मंडल अध्यक्ष के रूप में निर्वाचन हुआ है। शीघ्र ही बचे हुए जिलों में भी मंडल अध्यक्षों के निर्वाचन की प्रक्रिया पूर्ण होगी। आगामी 07 जनवरी से 10 जनवरी के बीच जिलाध्यक्ष नामांकन की प्रक्रिया प्रदेश में संपन्न होगी।

भाजपा प्रदेश अध्यक्ष भूपेन्द्र सिंह चौधरी ने कहा कि भाजपा ने अनुच्छेद 370 की समाप्ति, श्रीराम जन्मभूमि भव्य मंदिर निर्माण, सहित अपने सभी संकल्पो को पूर्ण किया है। यही कारण है कि देश में भाजपा तथा प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी के प्रति देश के जनमानस का विश्वास अटल है। उन्होंने कहा कि भाजपा तथा भाजपा नेतृत्व के साथ ही भाजपा के एक-एक कार्यकर्ता की छवि भी समाज में राष्ट्रवाद के अग्रदूत के साथ ही संस्कारी तथा सेवाभावी व्यक्ति के रूप में होती है। यही भाजपा के निष्ठावान, अन्त्योदय विचारधारा के संवाहक तथा लोकसेवा में समर्पित कार्यकर्ता विभिन्न दायित्वों पर पहुंचकर संगठन का नेतृत्व करते है। संगठनात्मक चुनाव से 2027 विधानसभा चुनाव के लिए नेतृत्व चयन का कार्य पूर्ण होगा। केन्द्रीय नेतृत्व के दिशा निर्देश में संगठन चुनाव की प्रक्रिया आगे बढ़ रही है। जो आम सहमति से योग्य कार्यकर्ताओं को नेतृत्व सौंपने का कार्य कर रही है।

प्रदेश महामंत्री (संगठन) धर्मपाल सिंह ने कहा कि संगठनात्मक लोकतांत्रिक प्रक्रिया का पालन करते हुए आम सहमति के आधार पर जिलाध्यक्ष चुनाव प्रक्रिया को पूर्ण करना है। उन्होंने कहा कि जिलाध्यक्ष की आयु 60 वर्ष से अधिक ना हो यह ध्यान में रखना है। सभी जिला चुनाव अधिकारी अपने जिलो में चुनाव की तिथि तथा स्थान पूर्व में घोषित करेंगे। उन्होंने कहा कि वैचारिक पृष्ठभूमि के साथ ही दो बार सक्रिय सदस्य रहे भाजपा के दायित्वधारी कार्यकर्ता भाजपा जिलाध्यक्ष के नामांकन के लिए अर्ह होगें। उन्होंने कहा कि इसके साथ ही संविधान गौरव अभियान के तहत पार्टी के कार्यकर्ता घर-घर संपर्क करेंगे। पार्टी के सभी पदाधिकारी, कार्यकर्ता, जनप्रतिनिधि, स्थानीय नागरिकों के साथ संविधान गौरव अभियान में सम्मिलित होगें।

पायनियर वर्गीकृत

सूचना

सेवा संख्या-2687293N,हवलदार जीतेन्द्र बहादुर सिंह ,द ग्रेनेडियर्स मेरी बेटी का नाम खुसी सिंह मेरे सर्विस रिकॉर्ड में गलत लिखा गया है, जबकि सही नाम खुशी सिंह है। पता-ग्रामध्पोस्ट-रौता पुर, थाना-सरेनी, लालगंज, राय बरेली-229216

पायनियर
लखनऊ, सोमवार, 6 जनवरी 2025

घने कोहरे, ठंड ने बिगाड़ा शहर का मिजाज

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

रविवार को घने कोहर और ठंड से लोग बेहाल रहे। सर्दी के साथ घने कोहरे से दृश्यता काफी रही,जिससे लोगों को सड़कों पर गाड़ियां चलाने में भारी परेशानी उठानी पड़ी। राजधानी में रविवार को घने कोहरे और पछुआ हवा संग कंपाने वाली सर्दी से लोग बेहाल रहे। मौसम विभाग की ओर से रविवार को भीषण सर्दी का अलर्ट रहा। कोहरे से लखनऊ में शनिवार सुबह तक दृश्यता शून्य रही। रात के पारे में 2 डिग्री की बढ़त रही, लेकिन गलन से राहत नहीं मिली। पूरे दिन धूप न निकलने के कारण दिनभर मौसम का मिजाज काफी ठंडा बना रहा। लोगों घरों में हीटर तो बाहर अलाव का सहारा लेते देखे गए। मौसम विभाग का कहना है कि रविवार को राजधानी में दिन में धूप न खिलने से गलन व ठिठुरन से राहत नहीं मिली। सोमवार तक अधिकतम और न्यूनतम तापमान में हल्की बढ़त देखने को मिलेगी। आंचलिक मौसम विज्ञान केंद्र के वैज्ञानिक अतुल कुमार सिंह के मुताबिक नए पश्चिमी विक्षोभ के सक्रिय होने से फिलहाल दो दिनों के लिए लखनऊ में कोहरे के घनत्व में कमी आने व सर्दी से राहत मिलने के आसार हैं। मौसम के जनकारों की माने तो सोमवार के बाद फिर से तापमान में गिरावट आएगी और फिर से सर्दी बढ़ेगी।

ज्ञात हो कि शनिवार की रात नगर विकास मंत्री एके शर्मा ने लगातार बढ़ रही ठंड के मद्देनजर शहर के कई क्षेत्रों को निरीक्षण कर व्यवस्था का जायजा भी लिया था। इस दौरान नगर निकास मंत्री ने ठंड से बचने के लिए सभी निकाय अधिकारियों को निर्देश दिए कि विशेष रूप से निराश्रित एवं ज़रूरतमंद लोगों को कड़ाके की ठंड और सर्दी से बचाने के लिए आश्रय स्थलों का उचित व्यवस्थापन एवं अलाव की व्यवस्था पर विशेष ध्यान दें। नगर निगम के अधिकारियों को ठंड बचाने के लिए रैन बसेरे और अलाव की व्यवस्था करने का आदेश दिया। इनमें जरुरत के सारे इंतजाम करने के लिए भी कहा। इसके साथ ही नगर विकास मंत्री ने रैन बसेरों में साफ-सफाई व उसमें सुरक्षा के भी विशेष इंतजाम के निर्देश दिए थे।

रैन बसेरों का निरीक्षण के दौरान नगर विकास मंत्री ने सहायक नगर आयुक्त, मुख्य अभियंता तथा अन्य निकाय अधिकारियों तथा स्वयंसेवी संस्थाओं के प्रतिनिधियों को निर्देश दिए कि रैन बसेरों में रुकने वाले लोगों के लिए पर्याप्त मात्रा में कंबल, रजाई, गरम कपड़े, गुनगुना पानी, गर्म चाय तथा भूखे व्यक्ति को भोजन आदि का प्रबंध किया जाए। स्वास्थ्य विभाग से समन्वय कर आवश्यक दवाइयां भी उपलब्ध कराना सुनिश्चित करें। रैन बसेरों में लोगों की सुरक्षा और सफाई का विशेष ध्यान रखा जाए। संदिग्ध व्यक्तियों पर भी नजर रखी जाए। रात विश्राम के लिए आने वाले लोगों के नाम पता रजिस्टर बनाकर उसमें अंकित किया जाए। नगर विकास मंत्री के निर्देश पर नगर निगम के अधिकारियों ने तात्काल रूप से कार्रवाई करते हुए जनसामन्य को राहत देने के लिए अपने प्रयास तेज कर दिए थे।

अलाव से लोगों को राहत देने का प्रयास

शहर में ठंड बढ़ने के साथ नगर निगम सहित अन्य विभागों ने सतर्कता बरतते हुए लोगों को ठंड से बचाने की सुविधा देना शुरू कर दिया है। नगर निगम ने अलग-अलग चौराहे पर अलाव जलाने की व्यवस्था की है। इसके लिए चौराहों, हॉस्पिटल, भीड़ भाड़ इलाके के पास लकड़ियां गिराई हैं। लगभग 50 से ज्यादा स्थानों पर अलाव जलाने की व्यवस्था की है।

रैन बसेरो में हीटर, गीजर की मिलेगी सुविधा

नगर निगम ने क्षेत्रीय सुपरवाइजर और अधिकारियों से ऐसे लोगों को चिन्हित कर रैन बसेरो में भेजने का निर्देश दिया है। नगर निगम ने बेसहारा, मजदूरों और कामगारों के लिए रैन बसेरे बनाए गए हैं। ऐसे में अधिकारी यह चाहते है कि किसी को ठंड से परेशानी न हो। रैन बसरों में हीटर, गीजर और प्रकाश की समुचित व्यवस्था की है। 23 स्थायी और 25 से ज्यादा अस्थायी रैन बसेरों में रजाई, कंबल और तकिए आदि की सुविधा दी है।

'संग्राम 1857' साइकिल अभियान दल रैली को राज्यपाल ने झंडी दिखाकर किया रवाना

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

प्रदेश की राज्यपाल आनंदीबेन पटेल ने एनसीसी निदेशालय, उप्र द्वारा स्वतंत्रता संग्राम के वीर सेनानियों की स्मृति में आयोजित की गई 'संग्राम 1857' साइकिल अभियान दल रैली के बरेली से लखनऊ पहुँचने पर राजभवन में संवाद किया तथा हरी झण्डी दिखाकर रवाना किया। इस अवसर पर राज्यपाल ने साइकिल रैली टीम को हार्दिक शुभकामनाएं देते हुए कहा कि रैली अपने उद्देश्यों में सफल हो। एनसीसी निदेशालय का यह सराहनीय प्रयास है। उन्होंने कहा कि रैली के माध्यम से देश-प्रदेश के लोग विशेषकर युवा पीढ़ी देश के स्वंतत्रता संग्राम के अमर सेनानियों के बलिदान और त्याग को स्मरण कर उनके संघर्षों से प्रेरणा प्राप्त करेंगे, जिससे राष्ट्रप्रेम की भावना जागृत होगी।

उल्लेखनीय है कि एनसीसी निदेशालय (उप्र) द्वारा आयोजित संग्राम 1857 साइकिल रैली एक अनूठी पहल है, जिसमें ब्रिगेडियर एनएस चारग के नेतृत्व में एनसीसी के 14 कैडेट्स प्रतिभाग कर 1900 किमी की यात्रा कर रहे हैं। रैली 1 जनवरी, 2025 को मेरठ से प्रारम्भ होकर बरेली, लखनऊ, प्रयागराज, कानपुर, झांसी, ग्वालियर, आगरा, मथुरा के विभिन्न महत्वपूर्ण ऐतिहासिक स्थलों से गुजरते हुए उन स्थलों के इतिहास और वीर सेनानियों के संघर्ष व बलिदान को उजागर करेगी। इसका समापन 25 जनवरी, 2025 को देश के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की गरिमामयी उपस्थिति में देश की राजधानी नई दिल्ली में होगा। संग्राम रैली न केवल प्रतिभागियों की शारीरिक फिटनेस को सुधारने में मदद करेगी, बल्कि उनके नेतृत्व, संगठनात्मक कौशल और साहसिक भावना को भी मजबूत करेगी।

ऐतिहासिक मार्गों पर साइकिल चलाते हुए, कैडेट्स न केवल शारीरिक सहनशक्ति प्राप्त करेंगे बल्कि 1857 के वीर सेनानियों द्वारा दिखाए गए साहस, दृढ़ता और संकल्प को स्मरण करेंगे। यह यात्रा भारत की स्थायी भावना और उनके द्वारा किए गए बलिदानों का शक्तिशाली अनुस्मारक होगी, ताकि भविष्य की पीढ़ियाँ आजादी के लिए किए गये त्याग और बलिदान को याद रखें और उसका अनुसरण कर सकें। रैली में शामिल एनसीसी कैडेट्स ने राजभवन परिसर का भ्रमण भी किया और राजभवन की भव्यता और इतिहास के बारे में जानकारी प्राप्त की।

सभी जोनों में शिविर लगाकर जमा कराया गया गृहकर

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

शहरी सहित विस्तारित क्षेत्रों में गृहकर स्वामियों को बकाया गृहकर जमा करने के लिए नगर निगम द्वारा रविवार को कैंप लगाया गया। नगर आयुक्त इंद्रजीत सिंह के आदेश पर सभी कर अधीक्षको को अपने क्षेत्र के जोन में कर निरीक्षकों से गृहकर अधिक से अधिक जमा करने का निर्देश दिया गया था। आदेश पर हर जोन में क्षेत्रीय सार्वजनिक स्थलों का चयन कर गृहकर शिविर को लगाया गया। अजीगंज जोन तीन में 204 भवन स्वामियों द्वारा 22 लाख रुपए का गृहकर जमा किया गया। सभी जोनों में लगे शिविरों में गृहकर जमा करने वालों की अच्छी तादात भी देखी गयी।

विस्तारित व पुरानी सीमा में शामिल कॉलोनियों के गृहकरदाताओं के लिए नगर निगम रविवार को विशेष कैंप लगाया। 10 से दोपहर 2 बजे तक लगे, जिसमें भारी संख्या में गृहकर जमा किया। जोन तीन के जानकीपुरम तृतीय वार्ड में सेक्टर चार बसंत वाटिका पार्क, सृष्टि अपार्टमेंट, सेक्टर के छह में केंद्रीय बिहार में कॉलोनी में भी लगाया, 22 लाख रुपए का राजस्व प्राप्त हुआ। कैंप में लगभग 204 भवन स्वामियों ने अपना गृहकर जमा किया। अपर नगर आयुक्त ने सेक्टर 4 बसंत वाटिका पार्क में आकर निरीक्षण किया। जोनल अधिकारी कर अधीक्षक सभाजीत और कर निरीक्षक श्रेणी दो के इमरान मौजूद रहे। जोन एक में आने वाले बशीरतगंज गनेशगंज वार्ड में झंडे वाला पार्क दुर्विजयगंज, नजरबाग यदुनाथ सान्याल में मदर टेरेसा स्कूल मॉडल हाउस, राम मोहन राय वार्ड में अहमद मेंशन अपार्टमेंट में कैंप लगाया। जोन दो में राजेन्द्र नगर वार्ड पानी की टंकी के पास, राजेंद्र नगर पानी की टंकी के पास, राजाजीपुरम में पार्षद कार्यालय में लगा। जोन चार के खरगापुर सरसवां वार्ड के ग्रीनवुड अपार्टमेंट सेक्टर एक में लगाया। जोन पांच के सरोजनीनगर प्रथम वार्ड के अली नगर सुनहरा, पंडित खेड़ा, रामजीलाल सरदार पटेल वार्ड में पार्षद कार्यालय, चित्रगुप्त नगर वार्ड में सौभाग्य अपार्टमेंट, गीतापल्ली वार्ड में रैन बसेरा में शिविर कर अधीक्षक ने लगाया, क्षेत्रीय लोगों ने अपने भवन का गृहकर जमा किया। जोन छह के लालजी टंडन वार्ड में चांद मार्केट के पीछे, हैदरगंज तृतीय के गोविंद नगर में, दौलतगंज वार्ड में अहमदगंज चौराहा, भवानीगंज में डा अल्वी क्लीनिक के पास, हुसैनाबाद के शिवपुरी, बालागंज के छंदोइया, आलमनगर में जलालपुर फाटक के पास सिंह टेंट हाउस, हैदरगंज प्रथम में ऑफिस प्लाजा, सआदतगंज वार्ड में शुक्ला ट्रेडर्स कनक सिटी, कल्याण सिंह वार्ड में काकोरी मोड़, हैदरगंज द्वितीय में इंडिया अस्पताल भपटामऊ और मल्लाही टोला द्वितीय वार्ड में पार्षद कार्यालय में भी गृहकर शिविर लगा।

बौद्धिक संपदा का दायरा समय के साथ बढ़ रहा हैं: प्रो. मनीष

लखनऊ। डॉ.राम मनोहर लोहिया राष्ट्रीय विधि विश्विद्यालय के डीपीआईआईटी चेयर द्वारा आईपीआर पर आयोजित दो दिवसीय कार्यशाला के दूसरे दिन वक्ता डॉ विकास भाटी निदेशक आईपी प्रिसाइस सेंटर फ़ॉर आईपीआर ने बौद्धिक संपदा प्रबंधन के विषय पर प्रकाश डाला। उन्होंने बौद्धिक संपदा अधिकारों की प्रकृति पर प्रकाश डालते हुए कहा कि बौद्धिक संपदा नॉन एक्सक्लूडेबल है, इसका मतलब है कि एक बार उत्पादित होने पर, यह सभी के लिए उपलब्ध है। क्योंकि किसी को भी उस वस्तु के उपभोग से बाहर करना संभव नहीं है। आई.पी.आर की सुरक्षा करना इसीलिए भी आवश्यक है क्योंकि बाज़ार की त्रासदी यही है कि यदि आई.पी सभी को उपलब्ध हो जाए तो कोई भी उसकी प्रति बनाकर कम मूल्य में बेचा जा सकता है। आई.पी मैनेजमेंट की प्रक्रिया आपके शोध करने से पहले ही शुरू हो जाती है। वह तब शुरू होती है जब आप यह तय करते हैं कि शोध करना है या नहीं। उन्होंने बताया कि सही प्रकार की बौद्धिक संपदा का चयन करना महत्वपूर्ण होता है। जैसे पेटेंट आविष्कारों के लिए कॉपीराइट, रचनाओं के लिए आदि एवं कॉपीराइट का दावा करने के लिए यह आवश्यक नहीं है कि वह रजिस्टर्ड/पंजीकृत हो। उन्होंने आईपीआर के बारे में कई रोचक तथ्य भी बताएं जैसे की जीवाणु ऐसी इकलौती जीवित इकाई है। जिसे पेटेंट कराया जा सकता है और उपचार की प्रकिया का पेटेंट नहीं कराया जा सकता है। आइ पी मैनेजमेंट के दो दृष्टिकोण हैं, रिसर्च पुश और मार्केट पुश। मार्केट पुश का अर्थ है कि इसमें आर्थिक लाभ प्राथमिक होता है। शोध व्यवसायिक अवसरों से प्रेरित होता है। व्यवसायिक अवसरों का विश्लेषण शोध से पहले करना होता है। रिसर्च पुश में किसी तकनीकी प्रश्न का उत्तर जानने के लिए शोध होता है । इसमें शोध का महत्व आर्थिक लाभ से ज्यादा होता है। उन्होंने पूरी प्रक्रिया विस्तार से बताई। आइ.पी मूल्यांकन के बारे में उन्होंने बताया कि यह बौद्धिक संपदा के मूल्य को निर्धारित करने की एक प्रक्रिया है।आईपी को परिभाषित करना मुश्किल हो सकता है और उचित मूल्य निर्धारण करना और भी मुश्किल हो सकता है। कार्यशाला के समापन समारोह में आईपीआर चेयर के अध्यक्ष प्रो मनीष सिंह ने सभी छात्रों को धन्यवाद देते हुए बताया कि बौद्धिक संपदा का दायरा समय के साथ बढ़ रहा हैं। भारत ने पेटेंट, ट्रेडमार्क और औद्योगिक डिजाइन के लिए शीर्ष 10 देशों में स्थान हासिल करके बौद्धिक संपदा फाइलिंग में वैश्विक नेता के रूप में अपनी स्थिति मजबूत कर ली है। यह उपलब्धि भारत की बढ़ती नवाचार क्षमता को रेखांकित करती है, देश पेटेंट आवेदनों, ब्रांड संरक्षण और डिजाइन नवाचारों में उल्लेखनीय प्रगति कर रहा है। विश्व बौद्धिक संपदा संगठन (डब्लूआईपीओ) के वार्षिक रिपोर्ट के अनुसार 2024 में भारत की उल्लेखनीय प्रगति बौद्धिक संपदा में उभरते वैश्विक नेता के रूप में इसकी भूमिका पर प्रकाश डालती है। पेटेंट, ट्रेडमार्क और औद्योगिक डिजाइन में उल्लेखनीय वृद्धि के साथ, भारत वैश्विक नवाचार का केंद्र बन रहा है।

● डॉ. राम मनोहर लोहिया राष्ट्रीय विधि विवि में आयोजित दो दिवसीय कार्यशाला

सर्जरी विभाग की डॉ. सौम्या सिंह ग्लोबल आउटरीच ट्रैवल ग्रांट से सम्मानित

लखनऊ। किंग जॉर्ज मेडिकल यूनिवर्सिटी के सर्जरी विभाग में प्रोफेसर (जूनियर) डॉ. सौम्या सिंह को प्रतिष्ठित एसएसएटी (सोसाइटी फॉर सर्जरी ऑफ़ द एलिमेंटरी ट्रैक्ट) ग्लोबल आउटरीच ट्रैवल ग्रांट से सम्मानित किया गया है। यह सम्मान वैश्विक मंच पर सर्जिकल अनुसंधान और शिक्षा में डॉ. सिंह के योगदान को रेखांकित करता है। डॉ. सौम्या सिंह किंग जॉर्ज मेडिकल यूनिवर्सिटी से सर्जिकल स्पेशलिटी में यह प्रतिष्ठित सम्मान पाने वाली पहली प्राप्तकर्ता हैं। अनुदान के हिस्से के रूप में, डॉ. सिंह 3 से 6 मई 2025 तक सैन डिएगो, कैलिफ़ोर्निया में पाचन रोग सप्ताह के संयोजन में आयोजित सोसाइटी फॉर सर्जरी ऑफ़ द एलिमेंटरी ट्रैक्ट वार्षिक बैठक में भाग लेंगी।

ग्राम चौपालों में चार लाख 50 हजार से अधिक प्रकरणों का किया गया निस्तारण

लखनऊ। उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य के नेतृत्व व निर्देशन में ग्रामीणो की समस्यायों के निराकरण हेतु प्रदेश के प्रत्येक विकास खण्ड की दो ग्राम पंचायतों में प्रत्येक शुक्रवार को ग्राम चौपाल, (गांव की समस्या-गांव में समाधान)का आयोजन किया जा रहा है,और बहुत बड़ी संख्या में लोगों की समस्यायों का निराकरण उनके गांव में ही हो रहा है।सरकार खुद चलकर गांव व गरीबों के पास जा रही है, ग्राम चौपालों से जहां गांवों में चल रही विभिन्न परियोजनाओं की जमीनी हकीकत का पता चलता है, वहीं सोशल सेक्टर की योजनाओं के क्रियान्वयन में तेजी आ रही है।

उप मुख्यमंत्री श्री केशव प्रसाद मौर्य के निर्देशों के अनुपालन में ठोस व प्रभावी रूपरेखा बनाकर चौपालों का आयोजन किया जा रहा है तथा चौपालों से पूर्व गांवों में सफाई पर विशेष रूप से फोकस किया जा रहा है और चौपालों के बारे में अधिक से अधिक प्रचार प्रसार भी किया जा रहा है व्यक्तिगत समस्याओं के अलावा सार्वजनिक समस्याओं का भी समाधान चौपालों में हो रहा है। उप मुख्यमंत्री श्री केशव प्रसाद मौर्य ने सम्बंधित अधिकारियों को निर्देश दिए हैं कि ग्राम चौपालों का आयोजन विधिवत किया जाता रहे। उप मुख्यमंत्री श्री केशव प्रसाद मौर्य ने सम्बन्धित अधिकारियों को निर्देश दिए हैं कि प्रधानमंत्री आवास योजना- ग्रामीण में नये मानकों के अनुरूप नये पात्र लाभार्थियों के चयन में ग्राम चौपालो की अहम् भूमिका रहेगी, इन चौपालों में सम्बन्धित ग्राम सभाओं के पात्रों के चयन में पारदर्शिता का विधिवत आंकलन भी हो जायेगा।

ग्राम्य विकास विभाग से प्राप्त जानकारी के अनुसार शुक्रवार को प्रदेश की 1395 ग्राम पंचायतों में ग्राम चौपाल का आयोजन किया गया, जिनमें 3927प्रकरणो का निस्तारण गांव पंचायतों में ही कर दिया गया।इन ग्राम चौपालों मे 3607 ब्लाक स्तरीय अधिकारी व कर्मचारी तथा 6218 ग्राम स्तरीय कर्मचारी मौजूद रहे और इन चौपालों में 75 हजार से अधिक ग्रामीणों ने सहभागिता की। आयुक्त ग्राम्य विकास विभाग, जी एस प्रियदर्शी ने बताया कि जनवरी 23 से अब तक 01 लाख 17 हजार से अधिक ग्राम चौपालों का आयोजन किया जा चुका है, जिनमें 80 लाख 61 हजार से अधिक ग्रामवासी मौजूद रहे और 04 लाख 50 हजार से अधिक समस्याओं/प्रकरणों का निस्तारण किया गया।

मुख्यमंत्री आरोग्य स्वास्थ्य मेले में 173618 रोगियों को मिला चिकित्सकीय परामर्श

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

प्रदेश भर में रविवार को आयोजित मुख्यमंत्री आरोग्य स्वास्थ्य मेले के तहत 173618 रोगियों ने चिकित्सकीय परामर्श लिया। जिसमें 1128 गंभीर रोगियों को उच्च चिकित्सा केंद्रों पर भेजा गया और 3187 गोल्डेन कार्ड वितरित किए गए।

आरोग्य स्वास्थ्य मेलों में सभी आगन्तुकों/रोगियों को स्वास्थ्य सुविधायें उपलब्ध कराने के अतिरिक्त व्यक्तिगत व पर्यावरणीय स्वच्छता की स्वास्थ्य के सन्दर्भ में महत्ता के विषय में अवगत कराया गया। जल-जनित रोगों से बचाव के विषय में चर्चा की गयी। मच्छरों से होने वाली बीमारियों से बचने के लिये सोते समय मच्छरदानी लगाने एवं आस-पास पानी न जमा होने देने की सलाह दी गयी। आज आयोजित 182 वां मुख्यमंत्री आरोग्य मेलें में कुल 173618 रोगी 73307 पुरूष 71039 महिलाये 29272 बच्चे लाभान्वित हुए एवं 1128 गम्भीर रोगियों का उच्च चिकित्सालयों में उपचारार्थ संदर्भन किया गया तथा 3187 गोल्डेन कार्ड वितरित किये गये।

मेले में कुल 4927 चिकित्सक तथा 14719 पैरामेडिकल स्टाफ एवं 2694 आईसीडीएस स्टाफ ने अपनी सेवायें दीं। आज के मेले में कुल 11079 फीवर केसेज आये, जिनमें 4242 रैपिड डायग्नोस्टिक टेस्ट किये गये तथा 5 मलेरिया हेतु धनात्मक पाये गये। डेंगू के 1603 टेस्ट किये गये, जिसमें 2 मरीज धनात्मक पाये गये। इस प्रकार अब तक आयोजित कुल मेलों में 133129771 रोगी लाभान्वित हुये। 312244 गम्भीर रोगियों को उच्च केन्द्रों पर संदर्भित किया गया तथा 1825863 गोल्डेन कार्ड बने।

सर्वाइकल कैंसर जागरूकता अभियान का शुभारंभ आज

लखनऊ। परिवहन राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) दयाशंकर सिंह सोमवार 6 जनवरी को 1090 गोमतीनगर चौराहे पर सर्वाइकल कैंसर जागरुकता अभियान का शुभारंभ करें। जानकारी के मुताबिक परिवहन राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) दयाशंकर सिंह सोमवार सबुह सात बजे 1090 गोमतीनगर चौराहे पर महिलाओं में सर्वाइकल कैंसर से बचाव के लिए जागरुकता एवं टीकाकरण अभियान का उद्घाटन करते हुए समरसता दौड़ को रवाना करेंगे। जानकारी की माने तो मौजूदा समय में महिलाओं में सर्वाइकल कैंसर की समस्या का काफी बढ़ी हुई है।

आस्था व सेवा का पुनीत संगम बनी रही रामरथ श्रवण अयोध्या यात्रा

● विधायक डॉ. राजेश्वर सिंह ने डिप्टीगंज, हरिहरपुर के 4 मेधावियों को साइकिल और घड़ी देकर किया सम्मानित

लखनऊ। 'आजु सफल तपु तीरथ त्यागू। आजु सुफल जप जोग बिरागू॥' इन चौपाइयों के माध्यम से गोस्वामी तुलसीदास जी बताते हैं कि, श्रीराम के दर्शन मात्र से तप, तीर्थ सेवन और त्याग सफल हो जाते हैं, जीवन के सभी सत्कर्मों का सार सिद्ध हो जाता है। इसी भाव को ध्यान रखकर सरोजनीनगर विधायक डॉ. राजेश्वर सिंह लगातार बुजुर्गों और महिलाओं को अयोध्या धाम के दर्शन करवा रहे हैं। इसी क्रम में रविवार को रतौली गाँव से 36वीं रामरथ श्रवण अयोध्या यात्रा नि:शुल्क बस सेवा का संचालन कर विधायक डॉ. राजेश्वर सिंह द्वारा रामभक्तों को अयोध्या दर्शन कराया गया। धुंध और ठंड के बीच सुबह तडके ही गाँव की महिलाए, बुजुर्ग और बच्चे इकट्ठे हो गए। विधायक की टीम ने सभी को पटका पहनाकर बस पर बिठाया। जय श्रीराम के उद्घोष और विधायक के प्रयासों की प्रशंसा करते हुए करीब 180 किलोमीटर की यात्रा कर तीर्थयात्री अयोध्या पहुंचे। विधायक की टीम चाय, नाश्ते से लेकर भोजन, प्रसाद सहित यात्रियों की सभी सुविधाओं का ख्याल रखती नजर आई। श्रद्धालुओं ने हनुमान गढ़ी, राम मंदिर, दशरथ महल, कनक भवन, राम की पैडी आदि धार्मिक महत्व के स्थलों के दर्शन कर पुण्य लाभ प्राप्त किया। अधिकाँश यात्रों के लिए भव्य राम मंदिर के दर्शन का यह पहला अनुभव था। इस मौके पर भावुक नजर आ रहे श्रद्धलुओं ने विधायक का आभार व्यक्त किया। इस सम्बन्ध में डॉ. राजेश्वर सिंह का मानना है, हर वृद्धजन को आराध्य प्रभु श्रीराम के दिव्य आशीर्वाद का अनुभव कराकर उनके जीवन में आनंद और संतोष के पल जोड़ने के उद्देश्य से यह बस सेवा अनवरत जारी रहेगी। संवाद, सम्मान और समस्याओं के समाधान के लक्ष्य के साथ सरोजनीनगर विधायक डॉ. राजेश्वर सिंह द्वारा शुरू किया गया %आपका विधायक -आपके द्वार% जनसुनवाई शिविर नए कीर्तिमान रच रहा है। डिप्टीगंज, नीलमथा में 102वें शिविर का आयोजन कर क्षेत्रवासियों द्वारा अवगत कराई गई सड़क एवं सीवर, विद्युत, मार्ग प्रकाश आदि समस्याओं के समाधान का प्रयास किया गया। शिविर के दौरान 'गांव की शान पहल' के अंतर्गत इंटरमीडिएट परीक्षा में सर्वाधिक अंक पाने वाली इक्षा सिंह (80.2 प्रतिशत), यशवर्धन चतुर्वेदी (79 प्रतिशत) और हाईस्कूल परीक्षा में सर्वाधिक अंक पाने वाले मेधावियों रूचि यादव (87.84 प्रतिशत) तथा प्रियंका सिंह(79.5 प्रतिशत) को साइकिल, घड़ी और प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया गया। मंडल अध्यक्ष मोहित तिवारी, पार्षद बृजमोहन शर्मा, शिव कुमार सिंह, कुलदीप पांडेय, पूनम सिंह, राजू पाल, अजय सोढ़ी, निर्मला सिंह, सुशीला देवी, निर्मला पाल, पूजा पाल, माया सिंह, राम प्रकाश शुक्ला, मुकेश यादव, रामावती, देवेंद्र नेगी, सरोज, सुरेश शर्मा को उनके सामाजिक योगदानों के प्रति अंगवस्त्र प्रदान कर सम्मानित भी किया गया। इस दौरान विधायक द्वारा खेल गतिविधियों के प्रसार के क्रम में दीप्तगंज, नीलमथा में 57वें गर्ल्स यूथ क्लब का गठन कर कैरम, वॉलीबॉल, फुटबॉल, क्रिकेट आदि इंडोर और आउटडोर स्पोर्ट्स की किट प्रदान की गई।

टीबी नोटिफिकेशन में देश में यूपी पहले नम्बर पर, दूसरे पर महाराष्ट्र

● 6.5 लाख मरीजों को पंजीकृत करने के लक्ष्य के सापेक्ष 6.73 लाख मरीज हुए चिंहित

● आगरा, मथुरा, झांसी, गोरखपुर और कानपुर में निजी डाक्टरों ने मारी बाजी ● लखनऊ, बरेली, मुरादाबाद, मेरठ और गाजियाबाद में सरकारी व प्राइवेट नोटिफिकेशन बराबर-बराबर

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

वर्ष 2025 तक देश से टीबी उन्मूलन के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के संकल्प की दिशा में बढ़ते हुए यूपी ने पूरे देश में पहला स्थान प्राप्त किया है। टीबी के मरीजों के नोटिफिकेशन के मामले में मरीजों की पहचान व इलाज करने में उत्तर प्रदेश 2024 में भी अव्वल रहा है। प्रदेश को बीते साल साढ़े छह लाख मरीजों के चिन्हिकरण का लक्ष्य मिला था। उसके सापेक्ष 6.73 लाख मरीजों की पहचान की गई है। इसी तरह 2023 में भी प्रदेश ने साढ़े लाख मरीजों के लक्ष्य का आंकड़ा पार किया था। दूसरे स्थान पर महाराष्ट्र व तीसरे स्थान पर बिहार का नाम दर्ज है। इसके बाद मध्यप्रदेश व राजस्थान ने नोटिफिकेशन किया है।

विशेषज्ञों का मानना है कि देश-प्रदेश से टीबी उन्मूलन का एक ही तरीका है कि ज्यादा से ज्यादा मरीजों का चिन्हिकरण व इलाज किया जाए। इसी के मद्देनजर केंद्रीय टीबी डिवीजन ने सभी प्रदेशों को 2024 की शुरुआत में टीबी नोटिफिकेशन का लक्ष्य तय किया था। उत्तर प्रदेश को 6.5 लाख मरीज खोजने का लक्ष्य दिया गया था। विभागीय आंकड़ों के मुताबिक 31 दिसंबर तक प्रदेश में 6 लाख 73 हजार टीबी मरीजों की पहचान हुई। इन सभी का इलाज शुरू हो चुका है। टीबी नोटिफिकेशन के लक्ष्य को छू पाने में प्राइवेट डाक्टरों की भूमिका भी सराहनीय रही है। प्रदेश में ढाई लाख से ज्यादा मरीजों की पहचान यानी तकरीबन 40 प्रतिशत मरीज प्राइवेट डाक्टरों के माध्यम से पंजीकृत हुए हैं। उत्तर प्रदेश के बाद महराष्ट्र में सवा दो लाख मरीजों का पंजीकरण हुआ। तीसरे नंबर पर बिहार में दो लाख मरीज चिंहित किए जा सके। मध्य प्रदेश में 1.78 लाख व राजस्थान में 1.70 लाख मरीजों का चिन्हिकरण किया हुआ।

राज्य टीबी अधिकारी डॉ शैलेंद्र भटनागर ने इस उपलब्धि पर खुशी जाहिर करते हुए कहा कि शीर्ष नेतृत्व के मार्गदर्शन में पूरे वर्ष विभिन्न कार्यक्रम जैसे हर माह की 15 तारीख को एकीकृत निक्षय दिवस, एक्टिव केस फाइंडिंग (एसीएफ) अभियान व दस्तक अभियान चलाए गए, जिससे हम ज्यादा से ज्यादा टीबी के लक्षण वाले मरीजों को खोज पाए। इस वक्त 100 दिवसीय सघन टीबी अभियान पूरे प्रदेश में चल रहा है जिसके माध्यम से उच्च जोखिम वाले व प्रिजेम्टिव टीबी वाले केसों को खोजने पर पूरे विभाग का ध्यान केंद्रित है।

टीबी नोटिफिकेशन में निजी चिकित्सकों का मिला सहयोग

टीबी का उन्मूलन प्राइवेट डाक्टरों की सहभागिता के बिना नहीं हो सकता। उत्तर प्रदेश में मथुरा, आगरा, कानपुर, गोरखपुर व झांसी ने इस मामले में बेहतर प्रदर्शन किया है। लखनऊ, मेरठ, मुरादाबाद, बरेली व गाजियाबाद में भी प्राइवेट डाक्टर सक्रियता दिखा रहे हैं लेकिन श्रावस्ती में बीते साल सिर्फ 44 प्राइवेट नोटिफिकेशन हुए हैं। इसके अलावा महोबा में 255, सोनभद्र में 374, चित्रकूट में 376, हमीरपुर में 380, कन्नौज में 444, सुल्तानपुर में 444, अमेठी में 447, संतरवीदास नगर में 456, चंदौली में 488 और कानपुर देहात में सिर्फ 468 प्राइवेट नोटिफिकेशन हुए हैं।

पीएम मोदी ने बच्चों संग रैपिड रेल में किया सफर

● प्रधानमंत्री ने दिल्ली में नमो भारत कॉरिडोर का किया उद्घाटन

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने राजधानी को नमो भारत ट्रेन की सौगात दी, सफर के दौरान पीएम ने बच्चों से हालचाल जाना।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने राष्ट्रीय राजधानी को नमो भारत ट्रेन की सौगात दी है। उन्होंने रविवार को नमो भारत ट्रेन के न्यू अशोक नगर से साहिबाबाद तक के खंड का उद्घाटन किया।

इन दोनों स्टेशनों के बीच इस कॉरिडोर का कुल लंबाई 13 किलोमीटर है। जिससे दिल्ली में हाई-स्पीड क्षेत्रीय परिवहन शुरू हुआ। इसके अलावा उन्होंने जनकपुरी पश्चिम से कृष्णा पार्क के बीच बनकर तैयार हुई मेट्रो के मेजेंडा कॉरिडोर का भी शुभारंभ किया। वर्तमान में, साहिबाबाद और मेरठ साउथ के बीच नौ स्टेशन के साथ कॉरिडोर का 42 किलोमीटर लंबा खंड परिचालित है।

दिल्ली खंड के चालू होने से नमो भारत कॉरिडोर का परिचालित का 55 किलोमीटर तक विस्तार हो गया है, जिसमें कुल 11 स्टेशन हैं। मेरठ शहर अब सीधे दिल्ली से जुड़ गया है। यात्री अब केवल 40 मिनट में मेरठ साउथ पहुंच सकते हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने ने साहिबाबाद आरआरटीएस स्टेशन से न्यू अशोक नगर आरआरटीएस स्टेशन तक नमो भारत ट्रेन में बच्चों संग सवारी भी की। इससे पहले उन्होंने एक स्मार्ट टिकट खरीदा, जो सार्वजनिक परिवहन सेवाओं में एकीकृत डिजिटल भुगतान की सहजता और पहुंच को प्रदर्शित करता है। प्रधानमंत्री ने यूपीआई भुगतान प्रणाली का उपयोग करके नेशनल कॉमन मोबिलिटी कार्ड खरीदा। इसके बाद वे साहिबाबाद से नमो भारत ट्रेन में सवार हुए और न्यू अशोक नगर नमो भारत स्टेशन पर उतरे। इस दौरान बच्चों ने उन्हें कविताएँ सुनाईं और पेंटिंग भेंट किए। उन्होंने ट्रेन नेटवर्क के निर्माण का विवरण देने वाली एक प्रदर्शनी भी देखी, जहाँ उन्हें राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र परिवहन निगम से ट्रेन का एक मॉडल भेंट किया गया।

यात्रा के दौरान, माननीय प्रधानमंत्री ने विभिन्न वर्गों के यात्रियों के साथ बातचीत की। जेएफपीआर (जापान फंड फॉर प्रॉस्परस एंड रिजिलिएंट एशिया एंड द पेसिफिक) अनुदान प्राप्त एनसीआरटीसी के व्यावसायिक प्रशिक्षण कार्यक्रम की महिला लाभार्थियों ने रोजगार की अपनी प्रेरणादायक यात्रा साझा की। इंजीनियरिंग के छात्रों ने अपनी आकांक्षाओं और कॉरिडोर की तकनीकी प्रगति पर चर्चा की, जबकि स्कूली छात्रों ने परियोजना से प्रेरित कलाकृति, कविता और गीतों के माध्यम से अपनी रचनात्मकता का प्रदर्शन किया। जेएफपीआर अनुदान के माध्यम से आत्मरक्षा में प्रशिक्षित महिलाओं ने बताया कि प्रशिक्षण ने उनके आत्मविश्वास और सुरक्षा की भावना को किस प्रकार सुदृढ़ किया। नियमित यात्रियों ने अपने अनुभव साझा किए कि नमो भारत ट्रेनों से कैसे उनके दैनिक जीवन में सार्थक बदलाव आए हैं। प्रधानमंत्री ने महिला ट्रेन ऑपरेटरों और स्टेशन नियंत्रकों के साथ भी बातचीत की और संचालन में उनकी महत्वपूर्ण भूमिका की सराहना की।

अभी तक, 50 लाख से अधिक यात्री नमो भारत ट्रेनों में यात्रा का आनंद उठा चुके हैं, जो इसकी लोकप्रियता और प्रभाव को दर्शाता है। अन्य खंडों यानी न्यू अशोक नगर-सराय काले खां और मेरठ साउथ-मोदीपुरम के बीच निर्माण कार्य तेजी से चल रहा है।

केंद्र-आप सरकार ने दिया नए साल का तोहफा : आतिशी

● मुख्यमंत्री ने कहा साहिबाबाद से न्यू अशोक नगर के आरआरटीएस स्ट्रेच से होगा दिल्ली का आर्थिक विकास

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

नई मेट्रो लाइन और साहिबाबाद से न्यू अशोक नगर तक पहले आरआरटीएस खंड के उद्घाटन और शिलान्यास पर मुख्यमंत्री आतिशी ने दिल्लीवासियों को बधाई दी।

मुख्यमंत्री आतिशी ने कहा, दिल्ली और केंद्र सरकार ने मिलकर रिठाला से कोंडली तक नई मेट्रो लाइन का उद्घाटन और जनकपुरी वेस्ट से कृष्णा पार्क तक मेट्रो लाइन का शिलान्यास किया है। इससे दिल्ली का आर्थिक विकास होगा। अब दिल्ली, पूरे देश और दुनिया के सामने पब्लिक ट्रांसपोर्ट के शानदार मॉडल के रूप में उभर रही है।

मुख्यमंत्री ने आगे कहा, मैं सबसे पहले दिल्ली के लोगों को बधाई देना चाहूंगी। आज दिल्ली में आरआरटीएस की लाइन का उद्घाटन हो रहा है। यह आरआरटीएस केंद्र सरकार, दिल्ली सरकार, यूपी सरकार और हरियाणा सरकार का साझा प्रयास है, जो एनसीआर क्षेत्र को दिल्ली से जोड़ने का काम कर रही है। साहिबाबाद से न्यू अशोक नगर तक पहले आरआरटीएस खंड का उद्घाटन हुआ है। दिल्ली सरकार ने दिल्ली से मेरठ तक बन रही इस आरआरटीएस लाइन में 1260 करोड़ रुपये का निवेश किया है, क्योंकि इससे दिल्ली का आर्थिक विकास होगा।

सीएम ने यह भी कहा कि आज दिल्ली सरकार और केंद्र सरकार के संयुक्त प्रयास से दिल्ली मेट्रो के फेज-4 के रिठाला से कोंडली तक की नई लाइन का शिलान्यास और जनकपुरी वेस्ट से कृष्णा पार्क तक की मजेंटा लाइन का उद्घाटन हुआ। पिछले दस वर्षों में युद्ध स्तर पर दिल्ली मेट्रो का विस्तार हुआ है। इस दौरान 200 किमी की मेट्रो लाइन बन चुकी है, और 250 किमी की मेट्रो लाइन निर्माणाधीन है। दिल्ली सरकार ने इन दस वर्षों में दिल्ली मेट्रो में 7268 करोड़ रुपये का निवेश किया है। सीएम आतिशी ने कहा, मुझे खुशी है कि अब दिल्ली, सार्वजनिक परिवहन और टिकाऊ परिवहन के मॉडल के रूप में देश और दुनिया के सामने उभरकर आ रही है।

दिल्ली देहात से किया वादा कब होगा पूरा : आप प्रमुख

● केजरीवाल ने कहा, प्रधानमंत्री ने जमीनों का मालिकाना हक़ और प्लॉट देने का किया था वादा

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

आम आदमी पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल ने रविवार को दिल्ली देहात के लोगों से 2020 में किए वादों की प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को याद दिलाते हुए पूछा कि यह कब तक पूरा होगा।

आप प्रमुख ने पीएम मोदी से पूछा, आपने दिल्ली देहात के किसानों से दिल्ली लैंड रिफॉर्म एक्ट की धारा 81 और धारा 33 को खत्म करने, जमीनों का मालिकाना हक़ दिलाने और प्लॉट देने का वादा किया था। यह काम तो सिर्फ केंद्र सरकार ही कर सकती है। जबकि धारा 81 और 33 खत्म करने के लिए हम दो बार प्रस्ताव भेज चुके हैं। आपने अभी तक दिल्ली मास्टर प्लान 2021 को नोटिफाई और दिल्ली लैंड पुलिंग पॉलिसी को लागू क्यों नहीं किया।

वरिष्ठ नेता मनीष सिसोदिया और मंत्री सौरभ भारद्वाज के साथ पार्टी मुख्यालय में रविवार को प्रेसवार्ता कर आप प्रमुख अरविंद केजरीवाल ने कहा कि आज प्रधानमंत्री 38 मिनट बोले और वह 38 मिनट में से लगभग 29 मिनट दिल्ली के लोगों और दिल्ली की चुनी हुई सरकार को गालियां देकर गए हैं। वह चुनकर-चुनकर गालियां दे रहे थे। मैं देख रहा था, मुझे बहुत बुरा लग रहा था। लोग उम्मीद करते हैं कि प्रधानमंत्री देश के लिए एक विजन देंगे। दिल्ली के लिए एक विजन देंगे। एक बड़ा काम देंगे। लेकिन वह केवल गालियां देकर गए। मैं प्रधानमंत्री जी से निवेदन करना चाहता हूं और उन्हें उनका पिछला संकल्प पत्र याद दिलाना चाहता हूं। प्रधानमंत्री जी ने 2020 में जो वादे किए थे, मेरे दिल्ली देहात के भाई आज भी उन वादों के पूरे होने का इंतजार कर रहे हैं।

नंदू गिरोह के सात बदमाश गिरफ्तार

नई दिल्ली। कपिल नंदू गिरोह द्वारा रची गई एक बड़ी आपराधिक साजिश को विफल करने का दावा करते हुए दिल्ली पुलिस ने गिरोह के सात सदस्यों को गिरफ्तार किया है। अधिकारी ने बताया कि इन गिरफ्तारियों से एक लक्षित हत्या को रोका गया है। साथ ही उन्होंने बताया कि पुलिस ने अवैध हथियार और गोला-बारूद भी बरामद किया है।

एक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी ने बताया, अपराध शाखा को पता चला कि गिरोह के सदस्य कपिल नंदू के आदेश पर दिल्ली में एक प्रतिद्वंद्वी की हत्या की साजिश रच रहे थे। नंदू एक अज्ञात विदेशी स्थान से गिरोह चलाता है। टीम को पता चला कि आरोपी बुराड़ी में किराए के फ्लैट में छिपे हुए हैं। जाल बिछाकर सूरज, जितेश उर्फ जीतू और अनिल राठी को गिरफ्तार किया गया, जिन्होंने गिरोह से अपने संबंध स्वीकार किए।

शोरूम से लुटेरों ने 12 लाख रुपये के गहने लूटे

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

नकाबपोश लुटेरों के एक समूह ने मंगोलपुरी स्थित एक शोरूम में चाकू का भय दिखा कर करीब 12 लाख रुपए मूल्य के सोने के गहने लूट लिए।

पुलिस ने बताया कि शोरूम से निकलने के बाद लुटेरों ने आसपास की अन्य दुकानों को भी लूटने का प्रयास किया, लेकिन दुकानदारों ने उनकी आंखों में लाल मिर्च पाउडर झोंककर उनकी योजना को विफल कर दिया, जिससे लुटेरे भागने को मजबूर हो गए। पुलिस ने संदिग्धों की पहचान के लिए इलाके से सीसीटीवी फुटेज एकत्र करने के बाद अज्ञात व्यक्तियों के खिलाफ मामला दर्ज किया है। शनिवार शाम को वाई-ब्लॉक क्षेत्र स्थित शोरूम से पुलिस नियंत्रण कक्ष (पीसीआर) को एक कॉल आई, जिसमें लूट की सूचना दी गई।

एक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी ने बताया, मौके पर पहुंचने पर पुलिस ने पाया कि शोरूम में तोड़फोड़ की गई थी और आसपास की दुकानों का सामान सड़क पर बिखरा पड़ा था। प्रारंभिक जांच के अनुसार, करीब आठ लोगों का एक समूह चाकू लेकर शोरूम में घुसा, शीशे की अलमारियां तोड़ दीं और करीब 12 लाख रुपए मूल्य के सोने के आभूषण लूटकर फरार हो गए।

अवैध मांस प्रसंस्करण इकाई की जांच शुरू

नई दिल्ली। भजनपुरा इलाके में एक अवैध और संदिग्ध मांस प्रसंस्करण इकाई की जांच की जा रही है।

पुलिस ने बताया कि उन्हें एक गैर-सरकारी संगठन (एनजीओ) से शिकायत मिली कि भजनपुरा इलाके के एक पैकेजिंग कारखाने में कथित तौर पर गौवंश के मांस की पैकिंग की जा रही है। पुलिस के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया, वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों के नेतृत्व में एक टीम तत्काल घटनास्थल पर भेजी गई। पुलिस सभी तथ्यों की जांच कर रही है। चिकित्सकों की एक टीम फोरेंसिक जांच के लिए प्रसंस्करण इकाई से संदिग्ध मांस के नमूने एकत्र करेगी।

आतिशी शीश महल को आम लोगों के लिए खोलें: वर्मा

● भाजपा उम्मीदवार प्रवेश वर्मा ने मुख्यमंत्री को पत्र लिख किया अनुरोध

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

पूर्व मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल का सरकारी आवास जिसे भाजपा ने शीश महल नाम दिया है, का विवाद थमने का नाम नहीं ले रहा है।

नई दिल्ली विधानसभा से भाजपा उम्मीदवार प्रवेश वर्मा ने मुख्यमंत्री आतिशी को पत्र लिखकर पूर्व मुख्यमंत्री आधिकारिक आवास को आम लोगों के लिए खोलने की अपील की है। वर्मा ने जोर देकर कहा कि नई दिल्ली की जनता, जिसने केजरीवाल को तीन बार बहुमत देकर विधानसभा भेजा, का पूरा हक है कि वे उस आलीशान आवास को देख सकें, जहां उनके चुने हुए प्रतिनिधि ने अपना कार्यकाल बिताया।

वर्मा ने अपने पत्र में प्रस्ताव दिया कि इस आवास को रोजाना सुबह 10 बजे से शाम 4 बजे तक जनता के लिए खोला जाए। यह पहल न केवल जनता की जिज्ञासा को पूरा करेगी, बल्कि पारदर्शिता को बढ़ावा देगी और लोकतांत्रिक मूल्यों को मजबूत करेगी। इस आवास को जनता के लिए खोलना यह दिखाएगा कि सरकार किस हद तक जवाबदेह है।

दिल्ली वालों को यह समझने में मदद करेगा कि सार्वजनिक धन का उपयोग कैसे किया गया। वर्मा ने यह भी जिक्र किया कि यह आवास केवल एक सरकारी भवन नहीं है, बल्कि दिल्ली के राजनीतिक और प्रशासनिक इतिहास का प्रतीक भी है।

हाल ही में नियंत्रक और महालेखा परीक्षक की रिपोर्ट में खुलासा हुआ कि केजरीवाल के आवास की मरम्मत और साज-सज्जा पर खर्च तीन गुना बढ़कर 33 करोड़ रुपये हो गया, जिसमें महंगे कालीनों और परदों जैसी लग्जरी वस्तुओं पर भारी खर्च किया गया।

वर्मा ने कहा कि जनता, जिनके कठिन परिश्रम से अर्जित धन का उपयोग से भवन बनाया गया है। इसकी भव्यता को नजदीक से देखने का मौका मिलना चाहिए।

दहेज मांगने पर लड़की ने जहर खाकर की खुदकुशी

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

कृष्णा नगर इलाके में दहेज मांगने से दुखी लड़की ने जहरीला प्रदार्थ खाकर अपनी जीवन लीला समाप्त कर ली, लड़की का रिश्ता पक्का हुआ था जल्दी ही शादी होने वाली थी। फिलहाल पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

मृतक लड़की को पहचान पूनम (24) के रूप में हुई है वह अपने माता-पिता, एक बहन ओर दो भाइयों के साथ पी-60, शंकर नगर एक्सटेंशन, गली न-9 में रहती थी वैसे यह परिवार बरेली का रहने वाला है। परिजनों ने आत्महत्या के कारण दहेज मांगना बताया है पूनम के पिता धाकन लाल ने बताया करीब साल पहले पूनम का रिश्ता गांव विलासपुर, जिला रामपुर के अजय कुमार के साथ हुआ था ओर आने वाली 3 मार्च को शादी होने वाली थी, पहले सब ठीक था लेकिन जैसे-जैसे शादी की तारीख नजदीक आ रही थी वैसे ही लड़के ने पूनम से दहेज की मांग शुरू कर दी कुछ दिन तक पूनम ने परिवार से छिपाया लेकिन जब लड़के ने ज्यादा परेशान किया तो पूनम ने यह बात अपने परिजनों को बताई ओर इस बात से दुखी होकर पूनम ने शनिवार सुबह कोई जहरीला प्रदार्थ खा लिया।

लूट के मामले में वांछित 14 साल बाद गिरफ्तार

नई दिल्ली। दिल्ली पुलिस ने हरियाणा से एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया है, जिस पर दिनदहाड़े टेम्पो चालक को लूटने का आरोप है।

आरोपी मुकेश उर्फ धांदू को 2011 में उसके खिलाफ दर्ज एक मामले में भगोड़ा घोषित किया गया था। पुलिस के एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा, वह 14 साल तक गिरफ्तारी से बचता रहा और 2015 में अदालत ने उसे भगोड़ा अपराधी घोषित कर दिया था। उन्होंने बताया कि आरोपी सात मई 2011 को बवाना-कंझावाला रोड पर हुई लूट के मामले में कथित रूप से शामिल था। अधिकारी ने बताया कि मुकेश और उसके साथी जोरा सिंह ने रिवॉल्वर दिखाकर टेम्पो चालक से तीन लाख लूट लिए।

यमुना नदी में कूदी नाबालिग, पुलिस ने बचाया

● पढ़ाई को लेकर तनाव में थी किशोरी , पुल से लगाई थी छलांग

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

दिल्ली पुलिस ने तेजी दिखाते हुए कथित तौर पर आत्महत्या करने के लिए पुल से यमुना नदी में छलांग लगाने वाली एक किशोरी को डूबने से बचा लिया। किशोरी ने कथित तौर पर पढ़ाई के तनाव के कारण पुल से यमुना नदी में छलांग लगा दी थी। घटना शनिवार की है।

पुलिस उपायुक्त राजा बंथिया ने बताया कि रूप नगर पुलिस थाने को एक महिला ने अपनी बेटी के लापता होने की सूचना दी। किशोरी की मां ने पुलिस को बताया कि उसकी बेटी घर पर अकेली थी जबकि परिवार के बाकी लोग बाहर गए हुए थे। उसके अकादमिक प्रदर्शन के बारे में बातचीत के बाद मां को चिंता हुई कि उसकी बेटी कोई बड़ा कदम उठा सकती है इसलिए उसने अपने बेटे से कहा कि वह उसे देखे कि वह (किशोरी) सुरक्षित तो है।

बंथिया ने बताया कि घर लौटने पर बेटे ने देखा कि किशोरी ने एक सुसाइड नोट छोड़ा है। सहायक पुलिस आयुक्त विनीता त्यागी के नेतृत्व में पुलिस की एक टीम ने तलाशी अभियान शुरू किया। टीम ने सीसीटीवी फुटेज की जांच की और सिग्नेचर ब्रिज तथा वजीराबाद ओल्ड ब्रिज इलाकों पर ध्यान केंद्रित करते हुए स्थानीय लोगों से पूछताछ की। मेट्रो साइट गार्ड को जानकारी दी गई जिसके बाद वे तलाशी में शामिल हो गए।

बंथिया ने बताया, तलाशी के दौरान किशोरी को यमुना नदी में कूदते हुए देखा गया। एक गार्ड और तैराक बृजेश कुमार ने नदी में छलांग लगाई और उसे बचा लिया। उसे सुरक्षित रूप से किनारे पर खींच लिया गया और पुलिस टीम ने तुरंत उसकी काउंसलिंग की। औपचारिकताओं के बाद उसे उसके परिवार के हवाले कर दिया गया। वहीं पुलिस के प्रयास से परिजनों ने आभार जताया है।

संक्षिप्त समाचार

यूनानी तिब्बी कांग्रेस का मुफ्त स्वास्थ्य शिविर

नई दिल्ली। ऑल इंडिया यूनानी तिब्बी कांग्रेस का 100 वां शिविर मुस्तफाबाद के नेहरू विहार में आयोजित किया गया। यह शिविर 101वां शिविर सूईवालान स्थित समुदाय केंद्र में अल्लामा रफीक ट्रस्ट के सहयोग से लगाया गया। इस सिविर में सैकड़ों लोगों ने अपने स्वास्थ्य की जांच करा कर मुफ्त दवाईयां प्राप्त कीं। इस अवसर पर यूनानी एंड आयुवेर्दिक तिब्बिया कॉलेज करोल बाग एनएसयूआई के पैनल से सेंट्रल काउंसलर का चुनाव जीतने वाले जैद अहमद का स्वागत भी किया। महासचिव डॉ सैयद अहमद खान ने कहा की आम लोगों तक स्वास्थ्य सेवाएं पहुंचाने के लिए ऑल इंडिया यूनानी तिब्बी कांग्रेस ने यूनानी स्वास्थ्य शिविर लगाने का फैसला लिया था। उन्होंने बताया कि आज यहां पर 101 वां शिविर लगाया गया है। शिविर में अपनी सेवाएं देने वाले डॉ हबीबुल्लाह सीएमओ यूनानी , डॉ जाकिरउद्दीन, डॉ शकील अहमद मेरठी, डॉ संजय ढींगरा, डॉ शकील अहमद , डॉ मिर्जा आसिफ बैग आदि मौजूद रहे।

अनिल भारद्वाज ने शास्त्री नगर में पदयात्रा की

नई दिल्ली। सदर बाजार विधानसभा से कांग्रेस प्रत्याशी अनिल भारद्वाज के समर्थन में दिल्ली कांग्रेस अध्यक्ष देवेंद्र यादव ने शास्त्री नगर ब्लॉक में पदयात्रा की, जिसमें बड़ी संख्या में कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने हिस्सा लिया। यादव ने स्थानीय लोगों से भारद्वाज के पक्ष मतदान करने की अपील की। दोनों नेताओं ने लोगों से आम आदमी पार्टी के मौजूदा विधायक की सदर बाजार के प्रति अनदेखी और बदहाली पर चर्चा की। स्थानीय लोगों का मिला समर्थन इस बात का प्रमाण है कि इस बार जनता बदलाव के मूड में है। पदयात्रा में पूर्व विधायक राजेश जैन, पूर्व पार्षद सतबीर शर्मा, ठाकुर दास, चुनाव प्रभारी अर्जुन कुमार, चांदनी चौक जिला कांग्रेस अध्यक्ष जावेद मिर्जा समेत बड़ी संख्या में कार्यकर्ता मौजूद थे।

आप के दो नेता कांग्रेस में शामिल

नई दिल्ली। आप नेता रघु रेन्द्र पठानिया और मोनिया सिंह कांग्रेस में शामिल हो गए हैं। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष देवेंद्र यादव ने दोनों नेताओं को कांग्रेस की सदस्यता दिलाई। इस अवसर पर देवेन्द्र यादव ने कहा रघु रेन्द्र पठानिया नार्थ आप पार्टी में वेस्ट लोकसभा अध्यक्ष, नेशनल काउंसिल के सदस्य, दिल्ली के एसटी, एससी विंग के अध्यक्ष, गोवा, गुजरात, मध्य प्रदेश के बूथ मैनेजमेंट व पब्लिसिटी मैनेजर की जिम्मेदारी सहित एमसीडी चुनाव 2017 में सलेक्शन कमेटी के सदस्य थे।

फूलों की बगिया से महकी 494 एकड़ में फैली यमुना वाटिका

● एलजी विनय सक्सेना और केंद्रीय राज्यमंत्री हर्ष मल्होत्रा ने किया उद्घाटन

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

यमुना वाटिका में गीता कॉलोनी ब्रिज के प्रवेश द्वार के पास स्थापित 47.5 टन की नंदी की प्रतिमा।

यमुना के डूब क्षेत्र की पारिस्थितिकी और सौंदर्य को बढ़ाने की दिशा में पहल करते हुए उपराज्यपाल विनय सक्सेना ने राजघाट पावर प्लांट के सामने स्थित 494 एकड़ में फैली यमुना वाटिका का उद्घाटन किया।

उद्घाटन समारोह में कॉरपोरेट मामलों के राज्य मंत्री और सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्रालय हर्ष मल्होत्रा, पूर्वोत्तर भाजपा सांसद मनोज तिवारी, दिल्ली के मुख्य सचिव धर्मेंद्र और दिल्ली विकास प्राधिकरण (डीडीए) के उपाध्यक्ष विजय कुमार सिंह सहित कई प्रमुख गणमान्य व्यक्ति मौजूद थे। 494 एकड़ (200 हेक्टेयर) में फैली यमुना वाटिका का उद्देश्य यमुना के बाढ़ के मैदानों को उनकी प्राकृतिक स्थिति में वापस लाना है। राष्ट्रीय हरित अधिकरण (एनजीटी) के निर्देशों के अनुरूप डिज़ाइन की गई है। यह जगह न केवल क्षेत्र की पारिस्थितिकी को फिर से जीवंत करती है, बल्कि दिल्ली के निवासियों के लिए प्रकृति के साथ सामंजस्य में निष्क्रिय मनोरंजन का आनंद लेने के लिए एक अभयारण्य के रूप में भी काम करती है।

यमुना वाटिका में देशी प्रजातियों के वृक्ष, नदी की घास और बहाल किए गए जल निकाय हैं, जो सभी एक समृद्ध बाढ़ के मैदान पारिस्थितिकी तंत्र में योगदान करते हैं। राष्ट्रीय हरित अधिकरण (एनजीटी) के निर्देशों और विशेषज्ञों की सिफारिशों के अनुसार, मौजूदा तटबंधों के साथ-साथ क्षेत्र को जीवंत 'ग्रीनवे' (हरित पट्टी) में बदल दिया गया है। इसमें मौजूदा अवसादों से जल निकायों की बहाली, विभिन्न मनोरंजक गतिविधियों के लिए डिज़ाइन किए गए खुले स्थान शामिल हैं, जो सभी कच्चे रास्तों से जुड़े हैं।

डीडीए के एक अधिकारी ने कहा, इसका उद्देश्य एक शांत वातावरण बनाना है, जहां निवासी और आगंतुक प्रकृति से साक्षात्कार कर सके। यह परिवारों और व्यक्तियों दोनों को ध्यान में रखते हुए डिज़ाइन की गई, यमुना वाटिका में बच्चों के खेलने के लिए समर्पित क्षेत्र हैं, जो पर्यावरण के अनुकूल संरचनाओं से सुसज्जित हैं। ढलानों के साथ रणनीतिक रूप से खुली हवा में बैठने की जगह बनाई गई है, जो आगंतुकों को आसपास के मनोरम दृश्य प्रदान करती है। बैठने की जगह और घुमावदार रास्तों से सुसज्जित छह एकड़ का पुष्प रोपण, आगंतुकों को जीवंत फूलों का पता लगाने और प्रकृति के बीच शांति का अनुभव करने के लिए आमंत्रित करता है। पार्क की सबसे खास विशेषताओं में से एक गीता कॉलोनी ब्रिज के प्रवेश द्वार के पास नव स्थापित 47.5 टन की नंदी की प्रतिमा है। राजस्थान के कुथारा में भैंसलाना काले संगमरमर से बनी इस मूर्ति का आकार 18' × 6' × 11' है। मात्र आठ महीनों में बनकर तैयार हुई यह मूर्ति पार्क के डिजाइन में एक अनूठा सांस्कृतिक और सौंदर्य आयाम जोड़ती है, जो आध्यात्मिकता को परिदृश्य के साथ मिलाती है। दिल्ली और यमुना के बीच के बंधन को मजबूत करने के लिए, नदी के किनारे 300 मीटर तक फैला एक समर्पित 'पारिस्थितिक क्षेत्र' स्थापित किया गया है। मिट्टी के रास्ते आगंतुकों को नदी के साथ निकटता से जुड़ने की अनुमति देते हैं, जो पर्यावरण चेतना को बढ़ावा देते हुए एक शांत और चिंतनशील स्थान प्रदान करते हैं।

सौभाग्यशाली हैं नागरिक सुरक्षा के स्वयंसेवक, जिन्हें महाकुंभ में मिल रहा तीर्थयात्रियों की सेवा का अवसरः धर्मवीर प्रजापति

नागरिक सुरक्षा एवं होमगार्डस मंत्री स्वतंत्र प्रभार धर्मवीर प्रजापति ने होमगार्डस शिविर कार्यालय में नागरिक सुरक्षा स्वयंसेवकों को किया संबोधित

प्रयागराज। नागरिक सुरक्षा एवं होमगार्डस मंत्री स्वतंत्र प्रभार धर्मवीर प्रजापति ने रविवार को मेला क्षेत्र में स्थापित होमगार्डस शिविर कार्यालय के सभागार में नागरिक सुरक्षा स्वयंसेवकों की बैठक ली। बैठक में पुलिस महानिदेशक नागरिक सुरक्षा उत्तर प्रदेश अभय कुमार प्रसाद ने भी स्वयंसेवकों का मार्गदर्शन किया। नागरिक सुरक्षा मंत्री धर्मवीर प्रजापति ने स्वयंसेवकों के कार्य की प्रशंसा करते हुए महाकुंभ के सफल आयोजन में स्वयंसेवकों की भूमिका पर चर्चा की। उन्होंने स्वयंसेवकों को निष्काम सेवा हेतु उन्हें विभाग का एंबेसडर बताया जो कि राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय पर्यटकों एवं तीर्थ यात्रियों का मार्गदर्शन करेंगे। उन्होंने कहा कि आप सभी स्वयंसेवक सौभाग्यशाली हैं जिनको महाकुंभ में अनवरत तीर्थ यात्रियों की सेवा का अवसर मिलेगा। स्वागत संबोधन चीफ वार्डेन अनिल कुमार ने किया। जिन्होंने विभागीय मंत्री एवं पुलिस महानिदेशक नागरिक सुरक्षा का आगमन उत्प्रेरक बताया। उप नियंत्रक नागरिक सुरक्षा नीरज मिश्रा ने आगामी महाकुंभ 2025 के संबंध में नागरिक सुरक्षा विभाग की तैयारी पर प्रकाश डाला। अवगत कराया कि उत्तर प्रदेश राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण के तत्वाधान में 19 एवं 20 दिसंबर को 525 स्वयंसेवकों को प्रशिक्षित किया जा चुका है। जिलाधिकारी एवं नियंत्रक नागरिक सुरक्षा के आदेशानुसार मेला क्षेत्र एवं होल्डिंग एरिया में कुल सात सौ स्वयंसेवक आवश्यक सहयोग प्रदान करेंगे। धन्यवाद ज्ञापन सादिक हुसैन सिद्दीकी ने किया। बैठक में मंत्री नागरिक सुरक्षा एवं होमगार्डस स्वतंत्र प्रभार धर्मवीर प्रजापति अभय कुमार प्रसाद पुलिस महानिदेशक नागरिक सुरक्षा उत्तर प्रदेश नीरज मिश्रा उपनियंत्रक नागरिक सुरक्षा अनिल कुमार चीफ वार्डेन अमित पांडेय मेलाधिकारी एवं कमांडेंट होमगार्डस रंजीत सिंह जिला कमांडेंट राकेश कुमार तिवारी वरिष्ठ सहायक उप नियंत्रक योगेश कुमार श्रीवास्तव सहायक उप नियंत्रक कुलदीप कुमार मुकेश

ओम नमः शिवाय के गुरुदेव का किन्नर अखाड़ा में होगा अभिनंदन

महाकुंभ नगर। महाकुंभ नगर के सेक्टर 16 संगम लोवर मार्ग पर किन्नर अखाड़ा का भव्य शिविर लगा हुआ है। शिविर में माघ मेला अर्द्ध कुंभ मेला कुंभ मेला और महाकुंभ मेला में सबसे बड़ा अन्नक्षेत्र चलाने वाली संस्था ओम नमः शिवाय के गुरुदेव का समाजसेवा क्षेत्र में उल्लेखनीय योगदान के लिए भव्य अभिनंदन और सम्मान समारोह 16 जनवरी को दोपहर 12 बजे से होगा। किन्नर अखाड़ा के आचार्य महामंडलेश्वर स्वामी डा लक्ष्मी नारायण त्रिपाठी महराज ने बताया कि ओम नमः शिवाय के गुरुदेव जिस तरह से मेला क्षेत्र और कोविड के दौरान प्रयागराज लखनऊ कानपुर अयोध्या सीतापुर लखीमपुर खीरी सहित अन्य जिलों में दिन रात कई माह तक लोगों को खाना खिलाया था। उससे लोगों को समाज सेवा की सीख लेनी चाहिए। उन्होंने कहा कि जब आदमी का पेट भरा रहता है तो उसकी सोच और काम बेहतर रहता है। ओम नमः शिवाय प्रयागराज के पूज्य गुरुदेव के अभिनंदन के दौरान अखिल भारतीय दण्डी संन्यासी परिषद के राष्ट्रीय अध्यक्ष पीठाधीश्वर स्वामी ब्रह्माश्रम महराज चरखी दादरी हरियाणा और जगदगुरू नारायणाचार्य स्वामी शांडिल्य जी महराज श्रृंगवेरपुर धाम मौजूद रहेंगे।

विद्यालय निदेशक ने किन्नर अखाड़ा प्रमुख से शिक्षा पर की गहन चर्चा

प्रयागराज। पं रामचन्द्र मिश्र मेमोरियल पब्लिक स्कूल झलवा के निदेशक सुभाष चन्द्र मिश्र ने सिविल लाइंस में किन्नर अखाड़ा के आचार्य महामंडलेश्वर स्वामी डा लक्ष्मी नारायण त्रिपाठी महराज से मिलकर आशीर्वाद लिया। निदेशक सुभाष चन्द्र मिश्र ने कहा कि वह विद्यालय में संगोष्ठी के माध्यम से बच्चों शिक्षक शिक्षिकाओं को थर्ड जेंडर के बारे में विस्तार से जानकारी चाहिए जिससे कि समाज में व्याप्त भ्रान्तियां दूर हो सके। इस पर किन्नर अखाड़ा के आचार्य महामंडलेश्वर स्वामी डा लक्ष्मी नारायण त्रिपाठी ने कहा कि वह आपके विद्यालय आकर बच्चों और शिक्षकों को जानकारी देगी। जिससे कि थर्ड जेंडर को लेकर समाज में जो भी भ्रान्तिया है वह दूर हो सके।

अरविंद फूलचंद महेंद्र सक्सेना श्रीकृष्ण तिवारी रौनक गुप्ता आशीष बाजपेयी सुधीर द्विवेदी आदि रहे।

आदिवासियों की भूमि हो रहा है कब्जा, जाँच की मांग

सोनभद्र। दुद्धी तहसील क्षेत्र के हरनाकच्छार गाँव में इकरारनामा के आधार पर अनुसूचित जनजाति की भूमि कब्जा करने का मामला प्रकाश में आया हैं। पीड़ित सोमारु पुत्र दशानंद ने तहसील समाधान दिवस पर शिकायती प्रार्थना पत्र देकर गुहार लगाया कि गाँव के ही एक व्यक्ति द्वारा सह खाते की भूमि इकरारनामा स्टॉम्प के आधार पर कब्जा किया जा रहा हैं। जिसकी शिकायत लगातार करता आ रहा हैं लेकिन अभी तक कोई कार्यवाही नही की गई हैं। तहसील दिवस की अध्यक्षता कर रहे एडीएम सहदेव मिश्रा ने पुरे मामले को गंभीरता से लेते हुए संबंधित के खिलाफमुकदमा दर्ज करने का आदेश दिया हैं। अधिवक्ता जितेंद्र कुमार ने बताया कि दुद्धी क्षेत्र के कई गावों में नोटरी इकरारनाम के आधार पर अनुसूचित जनजाति की भूमि कब्जा करने का प्रयास चल रहा हैं। कई जगहों पर भोले भाले आदिवासियों को बहला फुसलाकर कब्जा भी कर लिया गया हैं। दुद्धी क्षेत्र के बघाडू सहित विभिन्न गावों में आदिवासियों की भूमि पर कब्जा करने का काम चल रहा हैं। इसकी निष्पक्षता से जाँच की जाय तो कई अवैध कब्जा मिल जायेगा।

पद्म श्री नीरज के जन्मदिन पर काव्यांजलि का आयोजन

सोनभद्र। 4 जनवरी पद्मश्री गोपाल दास नीरज के जन्मदिन के अवसर पर वरिष्ठ साहित्यकार व स्वास्थ्य विभाग के पूर्व ज्वाइंट डायरेक्टर डा0 अनिल कुमार मिश्र के ओइनी मिश्र स्थित आवास पर काव्यांजलि का आयोजन वरिष्ठ साहित्यकार अजय शेखर की अध्यक्षता में किया गया, मुख्य अतिथि वरिष्ठ कथाकार रामनाथ शिवेंद्र रहे। सृजा द्वारा मां शारदे की वंदना,, कंठ में कोकिल स्वर देना,, मां विनती सुन लेना से आगाज हुआ, जगदीश पंथी रामनाथ शिवेंद्र अजय चतुर्वेदी अब्दुल हई डा0रचना तिवारी प्रदुम्न त्रिपाठी अशोक तिवारी राकेश शरण मिश्र दिवाकर मेघ अनुपमा वाणी दिलीप सिंह दीपक कमलनयन तिवारी नें काव्य पाठ कर पूरें माहौल को साहित्य मय कर दिया देर रात तक चले कार्यक्रम को वरिष्ठ साहित्यकार अजय शेखर ने अपनी कई गंभीर रचनाओं से सोपान तक पहुंचा दिया। सभी कवियों को अंग वस्त्र प्रदान कर अभिनंदन किया गया।

वार्षिकोत्सव में बच्चों की प्रस्तुति पर झूम उठे लोग

प्रयागराज। शिवचरण दास कन्हैया लाल इंटर कॉलेज प्रयागराज के पाठशाला ऑडिटोरियम में सांस्कृतिक संध्या आरोहण वार्षिकोत्सव का आगाज धूमधाम से हुआ। सांस्कृतिक संध्या कार्यक्रम के मुख्य अतिथि जेडी आर एन विश्वकर्मा और विशिष्ट अतिथि डीआईओएस पी एन सिंह थे। कार्यक्रम का शुभारंभ अतिथियों ने विद्यालय के संस्थापक की प्रतिमा पर माल्यार्पण और दीप प्रज्जवलन के साथ शुरू हुआ। इस अवसर पर सारस्वत खत्री पाठशाला सोसाइटी के सचिव सोहित खन्ना विद्यालय के प्रबंधक धीरज खन्ना अमित खन्ना प्रबंधक टैगोर पब्लिक स्कूल सोसाइटी के पदाधिकारी गन सहित अनेक गणमान्य व्यक्ति उपस्थित रहे। कार्यक्रम की मनमोहक प्रस्तुति ने सभी को मंत्रमुग्ध कर दिया। कार्यक्रम का संचालन विद्यालय के छात्र आयुष त्रिपाठी और अनय व्यास ने किया।कार्यक्रम की मुख्य झलकियों में स्वच्छता में ईश्वर का वास है लावणी युगल नृत्य साइबर क्राइम नाटक ने वर्तमान समस्याओं पर लोगों को जागरूक बनाने के साथ ही साथ मनोरंजन भी किया। अवध सजाएंगे की मनमोहक प्रस्तुति ने लोगों को थिरकने पर विवश कर दिया। कार्यक्रम में नन्हे मुन्ने बच्चों की अप्रतिम प्रस्तुति ने कार्यक्रम में चार चाँद लगा दिए। टूटते सपनो का बसेरा व रंग दे बसंती समूह नृत्य ने लोगो को कुछ सोचने के साथ ही देश के प्रति अपनी जिम्मेदारियों के प्रति सजग रहने के लिए प्रेरित भी किया।कार्यक्रम की समस्त रूपरेखा के सूत्रधार हिंदी प्रवक्ता धर्मवीर सिंह कला प्रवक्ता पवन कुमार शुक्ल व विश्वनाथ मिश्र रहे। इस अवसर पर प्रमोद कुमार पाल कमला कांत शुक्ल प्रेम कुमार सिंह ज्ञान प्रकाश सिंह मनोज सिंह सत्यम दुबे का सहयोग सराहनीय रहा। अतिथियों का परिचय विद्यालय के प्रबंधक धीरज खन्ना ने किया। इस अवसर पर विद्यालय की वार्षिक आख्या प्रधानाचार्य लाल चंद्र पाठक ने प्रस्तुत किया।विद्यालय में कक्षा दस और बारह में उच्चतम अंक प्राप्त करने वाले व विभिन्न प्रतियोगिताओं अपनी लोहा मनाने वाले छात्रों मो अफरीदी कार्तिकेय श्रीवास्तव को प्रशस्ति पत्र और मेडल देकर सम्मानित किया गया। अनन्य व्यास सूर्य प्रताप को भी सम्मानित किया गया गया। कार्यक्रम के अंत में अतिथियों सहित कार्यक्रम के सफल संचालन में लगे समस्त समस्त शिक्षक शिक्षिकाओं के प्रति धन्यवाद ज्ञापन विद्यालय के कंप्यूटर विभाग प्रमुख विश्वनाथ मिश्र ने किया।

आज भारत में सांस्कृतिक अध्यात्मिक राष्ट्रवाद का हो रहा उदयः डॉ अनिरुद्ध जी महाराज

प्रयागराज। मिशन एवं दिव्य श्री राधा सखी मंडल प्रयागराज द्वारा आयोजित मुंशी राम प्रसाद की बगिया मुट्ठीगंज में श्री मद्भागवत कथा के तीसरे दिन प्रखर राष्ट्र चिंतक डॉ अनिरुद्ध जी महाराज वृंदावन ने कथा का व्याख्यान करते हुए कहा कि समाज में राजा के आचरण का महत्व बहुत पड़ता है। जब राजा नास्तिक होता है तब जनता भी उसी प्रकार होने लगती है लेकिन जब राजा आध्यात्मिक एवं धार्मिक ऊर्जा से परिपूर्ण होता है तो समाज में उसका प्रभाव दिखाई पड़ता है और जब उत्तर प्रदेश का राजा एक साधु है तो उसका असर प्रयागराज की धरती पर ही नहीं पूरे उत्तर प्रदेश में दिखाई पड़ रहा है। प्रयागराज में आजादी के बाद पहला ऐसा महाकुंभ होगा जिसमें सनातन संस्कृति का वैभव पूरी दुनिया में दिखाई पड़ेगा। कहा कि आज भारत में सांस्कृतिक आध्यात्मिक राष्ट्रवाद का उदय हो रहा है। देश के अंदर आज अध्यात्मवाद की आवश्यकता है और जब देश आध्यात्मिक शक्ति की ऊर्जा से आगे बढ़ेगा। देश का सर्वोगुणी विकास होगा और कहा कि श्री मद्भागवत गीता नित्य नूतन है जो जीवन के लिए उपयोगी है और मनुष्य को प्रतिदिन दिन जीवन जीने का मार्गदर्शन देती है। इसलिए मनुष्य को प्रतिदिन श्री मद्भागवत गीता का अध्ययन करना चाहिए। इस अवसर भक्त ध्रुव की शानदार झांकी की प्रस्तुति की गई। कथा का संचालन राजेश केसरवानी ने किया। कथा के मुख्य आरती में कुमार नारायण राजेश केसरवानी प्यारे लाल जायसवाल अभिलाष केसरवानी सीता जायसवाल उषा केसरवानी संतोष चौरसिया कुसुम केसरवानी प्रीति गुप्ता आशा केसरवानी सुशील जैन संतोष अग्रहरि गिरधारी लाल सचिन गुप्ता आदि सैकड़ो भक्त उपस्थित रहे।

फूलों और पौधों से सजेगी कुंभ नगरी

प्रयागराज। कुम्भ नगरी प्रयागराज की दिव्यता एवं भव्यता को बढ़ाने के लिए उद्यान विभाग द्वारा मेला क्षेत्र को 25525 मौसमी फूलों वाले पौधों के गमलों एवं 1000 शोभाकार पौधों के बडे फाइबर गमलों से सजाया जायेगा। उद्यान एवं खाद्य प्रसंस्करण विभाग उप्र के निदेशक डा वी बी द्विवेदी विभागीय कार्यों का निरीक्षण करने रविवार को अचानक प्रयागराज पहुंचे। प्रयागराज मेला प्राधिकरण द्वारा दी गयी धनराशि 755 लाख से उच्च न्यायालय चन्द्रशेखर आजाद पार्क सर्किट हाउस राजस्व परिषद खुशरूबाग एवं बेली अस्पताल के उद्यानों को सजाया जाएगा। विभाग के निदेशक डा वी बी द्विवेदी ने सर्किट हाउस में तैयार किए गए लान प्लावर बेड तथा रोजरी की प्रशंसा की गयी। इसके बाद चन्द्रशेखर आजाद पार्क में उद्यान विभाग में तैयार किए गए शोभाकार पौधों सहित फाइबर के गमलों एवं मौसमी फूलों के गमलों का निरीक्षण करते हुए विभागीय अधिकारियों को निर्देश दिए गए कि गेंदा डहेलिया डायन्थस पैन्जी सालविया गुलदाउदी पिटुनिया आदि के फूले हुए पौधों वाले गमलों में नम्बरिंग करके मेला क्षेत्र के प्रमुख स्थानों पर तत्काल रखे जाए साथ ही डा वी बी द्विवेदी द्वारा विभागीय अधिकारियों एवं कर्मचारियों के साथ साथ कार्यदायी संस्था के प्रतिनिधियों को निर्देश देते हुए कहा कि पार्कों में लगाई गई। लान फूल वाले पौधे टापियरी तथा गुलाब आदि के क्यारियों में नियमित सिंचाई निराई गुड़ाई तथा आवश्यक उर्वरकों का प्रयोग अनिवार्य रूप से किया जाए। जिससे कि महाकुम्भ मेला अवधि में फूलों और पौधों की खूबसूरती प्रभावित न हो।

क्रिकेट मैच में ओबरा बना विजेता

सोनभद्र। विधायक खेल महाकुंभ के 11वें दिन चोपन और ओबरा के बीच हुए क्रिकेट मैच का भाजपा के पूर्व राष्ट्रीय मंत्री, पूर्व सांसद व असम के प्रभारी हरीश द्विवेदी व सदर विधायक भूपेश चौबे द्वारा टास् कराकर शुभारंभ किया गया, चोपन की टीम पहले टॉस जीतकर बल्लेबाजी करते हुए अपने निर्धारित 20 ओवर में आठ विकेट खोकर 155 रनों का विशाल स्कोर खड़ा किया, चोपन की तरफ से पहले बल्लेबाजी करते हुए अनिल ने 9 चौके और एक छक्के की मदद से 42 गेंद पर 56 रन और फैजल ने 3 चौके और एक छक्के की मदद से 18 बाल पर 26 रन बनाकर अपने टीम का स्कोर 150 रनों से पार पहुंचाया, ओबरा की तरफ से आदर्श 34 रन देकर 3 विकेट और रोशन 17 रन देकर 2 विकेट चटकाए, जवाब में ओबरा की टीम बल्लेबाजी करते हुए 19.4 ओवर में मात्र 4 विकेट खो कर मैच को 6 विकेट से जीतकर टूर्नामेंट के अगले मैच में अपनी जगह पक्की कर ली, ओबरा की तरफ से शानदार बल्लेबाजी करते हुए चार चौके और दो छक्के की मदद से भानु ने 43 गेद पर 47 रन और रोशन ने ऑलराउंड प्रदर्शन करते हुए तीन चौके और एक छक्के की मदद से 18 बाल पर 32 रन बनाकर अपने टीम को 6 विकेट से जीत दिलाई, ऑलराउंड प्रदर्शन करने वाले रोशन को भाजपा जिला मंत्री संतोष शुक्ला के द्वारा मैन ऑफ द मैच का पुरस्कार दिया गया। इस अवसर पर गौरव शुक्ला पंकज मिश्रा विकास मिश्रा अरविंद पांडे विनीत त्रिपाठी आशुतोष शुक्ला सहित बडी संख्या मे दर्शक उपस्थित रहे।

डबल इंजन की सरकार करा रही है विकास-अनिल राजभर

बेठिगांव निस्फमें लर्निंग सेंटर का मंत्री ने किया लोकार्पण

सोनभद्र। प्रदेश के श्रम एवं सेवायोजन समन्वय विभाग के मंत्री अनिल राजभर ने रविवार को राबर्ट्सगंज ब्लॉक के बेठिगांव निस्फ ग्राम पंचायत को लर्निंग सेंटर की सौगात दी। उन्होंने फीता काटकर लर्निंग सेंटर का लोकार्पण किया। उन्होने कहा कि देश एवं प्रदेश में डबल इंजन की सरकार विकास करा रही है। जनता के हितो को ध्यान में रखते हुए विकास कार्य कराया जा रहा है। जिले में अभी दो लर्निंग सेंटर बने हैं। पहला लर्निंग सेंटर चोपन ब्लॉक के चोपन ग्राम पंचायत में बना है। जिले का दूसरा लर्निंग सेंटर बेठिगांव निस्फ ग्राम पंचायत में बना है। इसके पीछे सदर विधायक भूपेश चौबे, ग्राम प्रधान नीलम तिवारी और प्रधान प्रतिनिधि अनूप तिवारी का विशेष योगदान रहा है। गांव में लर्निंग सेंटर खुलने से ग्राम पंचायत का क्षमता संवर्धन व प्रशिक्षण गतिविधियों का संचालन किया जा सकेगा। डीपीआरओ नमिता शरण ने लर्निंग सेंटर के खुबियों के बारें में विस्तार से जानकारी दी। कहा कि लर्निंग सेंटर में पंचायत कर्मियों को प्रशिक्षण दिया जाएगा। इस दौरान गरीबों में कंबल वितरित किया और श्रम योजनाओं के बारें जानकारी देते हुए पंजीकरण कराते हुए योजनाओं का लाभ लेने की अपील की। संचालन सुरेश शुक्ला ने किया। इस मौके पर पूर्व जिला पंचायत अध्यक्ष अमरेश पटेल भाजपा जिला महामंत्री कृष्णमुरारी गुप्ता ब्लॉक प्रमुख अजीत रावत बीडीओ उत्कर्ष सक्सेना मनोज सोनकर रामचंद्र तिवारी बीडीसी योगेश मौर्य आदि उपस्थित रहे। इससे पूर्व कैबिनेट मंत्री अनिल राजभर के आगमन पर लोगों ने खडंजा पुल पर भव्य स्वागत किया। स्वागत करने वालों में मुख्य रूप से ग्राम पंचायत अधिकारी दिनेश गिरी बबलू केसरी विजय मिश्रा नंदकुमार नागेश्वर सीताराम मौर्य माया देवी कुसुम मौर्य कौशल्या अमरनाथ संजय चतुर्वेदी अनिल तिवारी कुंजन अभिषेक चंद्रिका मौर्य उपेंद्र कुशवाहा बिजेंद्र मौर्य राजबली राम जियावन हरिप्रसाद समेत बडी संख्या मे लोग उपस्थित रहे।

51 कुण्डीय शक्ति संवर्धन गायत्री महायज्ञ को लेकर निकाली भव्य कलश यात्रा

गाजीपुर। अखिल विश्व गायत्री परिवारए शांतिकुंज हरिद्वार के तत्वावधान में शहर के दरदी घाट में श्री चित्रगुप्त मंदिर के प्रांगण में 51 कुण्डीय शक्ति संवर्धन गायत्री महायज्ञ व व्यसन मुक्ति दीप महायज्ञ का आयोजन हो रहा है। इस क्रम में प्रथम दिवस सैकड़ो महिलाओं ने सिर पर कलश रखकर नगर में कलश यात्रा निकाली। गायत्री महायज्ञ के यज्ञ स्थल श्री चित्रगुप्त मंदिर प्रांगण दरदी घाट पर प्रातः 8 बजे से ही श्रद्धालुओं की भीड़ जुटने लगी। कलश यात्रा में शामिल होने के लिए दूर.दराज से महिलाएंए पुरुष व छात्र.छात्राओं ने पूरे उत्साह के साथ भाग लिया। शांतिकुंज हरिद्वार से पधारे यज्ञाचार्य ने विधि विधान से वैदिक मंत्रोंचार के बीच कलश देवता का पूजन व आवाहन किया। तत्पश्चात षट्कर्म की क्रिया पूरा करने के बाद यज्ञ स्थल से श्रद्धालुओं को जल भरन व नगर भ्रमण के लिए रवाना किया गया। कलश यात्रा में शामिल पीतवस्त्र धारी माताओं, बहनों ने सिर पर कलश रखकर गायत्री माता का जय जयकार करते हुए गगन भेदी नारों से पूरे नगर को भक्तिमय बना दिया। गायत्री परिवार के इस अनुपम शोभायात्रा और कलश यात्रा के दौरान श्रद्धालुओं ने आम जनमानस में धार्मिक भावना को जागृत करने व व्यसन मुक्ति के लिए गायत्री परिवार द्वारा निर्मित नारों का उद्घोष कर रहे थे। जिसमें श्हम सुधरेंगे.युग सुधरेगाए श्हम बदलेंगे.युग बदलेगाए श्जाग गई भाई जाग गई.नारी शक्ति जाग गईश् ए श्बीड़ी पीकर खास रहा है. मौत के आगे नाच रहा हैश् ए श्पीटती पत्नी बिकते जेवर. बदल शराबी अपने तेवरश् से शहर की गलियां गूंजायमान रही। इस दौरान महिलाओं ने मंगल गीत गाते हुए सिर पर कलश रखकर यज्ञ स्थल श्री चित्रगुप्त मंदिर से आम घाट पर मिश्र बाजारए लाल दरवाजा होते हुए झुन्नु लाल चौराहे के रास्ते कलेक्टर घाट पहुंची। जहां पर जल भरन का कार्य संपन्न किया गया। तत्पश्चात वहां से कलश यात्रा यज्ञ स्थल पहुंची। कलश यात्रा व शोभा यात्रा का नगर वासियों ने जगह.जगह पर पुष्प वर्षा कर स्वागत कर रहे थे। शोभा यात्रा के यज्ञ स्थल पहुंचने पर गायत्री परिवार के वरिष्ठ परिजनों व शांतिकुंज प्रतिनिधियों ने पुष्प वर्षा कर कलश यात्रा का स्वागत किया। इस मौके पर गायत्री परिवार के मुख्य प्रबंध ट्रस्टी सुरेंद्र सिंह ने कहा कि वह मनुष्य बड़ा सौभाग्यशाली होता है जिसको सिर पर कलश रखने का सौभाग्य प्राप्त होता है।

रोड सेफ्टी एक्शन प्लान पर हुई चर्चा

अंबेडकर नगर। जिलाधिकारी अविनाश सिंह की अध्यक्षता में कलेक्ट्रेट सभागार में सड़क सुरक्षा की दृष्टिगत जिला सड़क सुरक्षा समिति की बैठक आयोजित किया गया। बैठक के दौरान 1 जनवरी से 31 जनवरी 2025 तक राष्ट्रीय सड़क सुरक्षा माह मनाया जाने हेतु रूपरेखा एवं कैलेंडर वर्ष 2025 के लिए सड़क दुर्घटना में मृतकों की संख्या में 50: की कमी ले जाने हेतु समस्त स्टेट होल्डर विभाग के जनपद स्तरीय रोड सेफ्टी एक्शन प्लान की कार्य योजना सहित सड़क सुरक्षा संबंधित बिंदुओं पर विस्तृत चर्चा हुई।बैठक में अधिशासी अधिकारी लोक निर्माण विभाग ,प्रांतीय खंडद्वएसचिव जिला सड़क सुरक्षा समिति ने विगत बैठक में लिए गए निर्णय के अनुपालन आख्या प्रस्तुत की गई। इस अवसर पर जिलाधिकारी ने सभी संबंधित विभागों को 10 जनवरी 2025 से पूर्व राष्ट्रीय सड़क सुरक्षा माह की कार्य योजना तैयार कर लेने तथा 31 जनवरी 2025 तक उसका प्रभावी क्रियान्वयन सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि कार्य योजना में दुर्घटना के मुख्य कार्य को अवश्य सम्मिलित किया जाए। बैठक में नगरीय क्षेत्रों में अतिक्रमण को हटाये जाने तथा नगरीय क्षेत्र में रोड साइड लगी दुकानों को हटाकर वेंडिंग जोन बनाए जाने के संबंध में संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया। सड़क सुरक्षा एवं यातायात नियमों का उल्लंघन करने वालों के विरुद्ध प्रभावी परिवर्तन की कार्यवाई करने तथा नियमानुसार ही ई रिक्शा का संचालन सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए। इस अवसर पर जिलाधिकारी ने कहा कि ओवरलोडिंग एवं अवैध संचालन पर रोक उद्गम स्थल से ही सुनिश्चित की जाए तथा रॉन्ग साइड ड्राइविंग मॉडिफाइड लाइसेंसए ओवर स्पीडिंगए इंकन ड्राइविंग हेलमेट व सीट बेल्ट न लगाना एवं वाहन चलाते समय मोबाइल फोन के प्रयोग के विरुद्ध प्रभावी परावर्तन की कार्रवाई की जाए। उन्होंने कैलेंडर वर्ष 2025 के लिए सड़क दुर्घटना में मृत्यु को की संख्या को गत वर्ष की तुलना में 50: की कमी किए जाने के निर्धारित लक्ष्य की दृष्टिगत जनपद स्तरीय रोड सेफ्टी एक्शन प्लान को प्रभावी रूप से क्रियान्वित करते हुए 50: के कमी के लक्ष्य को प्राप्त करने के निर्देश दिए। उन्होंने अवशेष ब्लैक स्पॉटों को तत्काल चिन्हित कर उसमें प्रभावी सुधार लाने के निर्देश दिए। सड़क दुर्घटना में घायल व्यक्ति को गोल्डन आवर में ही चिकित्सीय सुविधा उपलब्ध कराए जाने के लिए एंबुलेंस रिस्पांस टाइम काम किया जाए।

कार्यक्रम के आयोजन को लेकर किया विचार विमर्श

प्रयागराज। कार्यक्रम के आयोजन को लेकर चर्चा की गई। जी टीवी का शो वसुधा हर दिन अपने दिलचस्प ड्रामा उलझे हुए रिश्तों और चौंकाने वाले टविस्ट से दर्शकों को बांधे हुए है। अब शो की कहानी में नया तड़का लगाने के लिए पॉपुलर एक्टर कुंवर विक्रम सोनी ने एंट्री ली है। वो शो में माधव का किरदार निभा रहे हैं। देखना ना भूलें वसुधा सोमवार से शुक्रवार रात दस बजे सिर्फ जी टीवी पर आएगा। माधव एक अनाथ है लेकिन उसका दिल क्रिएटिविटी से भरा हुआ है। वो चंद्रिका नौशीन अली सरदार की कंपनी में ग्राफिक डिज़ाइनर और फोटोग्राफर है। चंद्रिका और माधव के बीच एक ख़ास रिश्ता है। चंद्रिका का मानना है कि माधव वसुधा प्रिया ठाकुर के लिए एक परफेक्ट पार्टनर है और वो चाहती हैं कि दोनों की शादी हो जाए लेकिन इस चाहत ने वसुधा और चंद्रिका के रिश्ते में कड़वाहट ला दी है। माधव की एंट्री ने शो को और दिलचस्प बना दिया है और जज़्बातों को और गहरा कर दिया है। कुंवर विक्रम सोनी कहते हैं शो में काम करना मेरे लिए अपनी जड़ों की तरफ लौटने जैसा है। शो की कहानी राजस्थान पर आधारित है जो मेरा अपना घर है। सेट पर मुझे जो प्यार और अपनापन मिला है। उसने मेरी खुशी को दोगुना कर दिया है। टेलीविजन पर मेरी वापसी को खास बनाने में यहां के कास्ट और क्रू के प्यार और सपोर्ट का बहुत बड़ा हाथ है।

पुलिस ने साप्ताहिक बाजार के दुकानदारों का किया सत्यापन

बीजपुर/सोनभद्र। उत्तर प्रदेश पुलिस का महाकुंभ मेला के मद्देनजर हर एक बसों, ट्रेनों व अन्य सामग्री ढोने वाले वाहनों की सघन चेकिंग की जा रही है, साथ ही संदिग्ध व्यक्तियों पर पैनी निगाह रखी जा रही है। बीजपुर थाना प्रभारी अखिलेश कुमार मिश्र के नेतृत्व में रविवार को बीजपुर बाजार में लगने वाले साप्ताहिक बाजार में पहुंच कर बाहर से आए हुए दुकानदारों का आधार कार्ड चेक करके उनके वास्तविक दर पता का सत्यापन किया। महिला पुलिस नें भी महिलाओं से पूछताछ कर उनके बारे में जानकारियां हासिल की। प्रभारी निरीक्षक श्री मिश्र ने फेरी लगाकर बेचने वाले दुकानदारों को निर्देश देते हुए कहाकि रात्रि में यदि भ्रमण करते हुए पाए गए तो उनके खिलाफ आवश्यक कार्यवाही की जायेगी। पुलिस की टुकड़ियों द्वारा बाहर से आकर सब्जी बेचने वालों, कपड़ा बेचने वालों व जूता आदि सामग्रियों को बेचने वाले दुकानदारों की सघनता पूर्वक जाँच पड़ताल की जा रही थी। साथ ही मीट, मछली व अंडा बेचने वाले दुकानदारों के भी हाल-पता का सत्यापन किया जा रहा था।

अमेरिका में हिंसा

चिन्ताजनक स्थिति

अमेरिका में अक्सर होने वाली हिंसा की घटनायें चिन्ताजनक स्थिति प्रकट करती हैं। अमेरिका में नव वर्ष की शुरुआत अच्छी नहीं हुई। अमेरिका में हुई हमलों की अनेक घटनाओं ने सबको झकझोर दिया। न्यू ओरलिंस में एक ट्रक भीड़ पर चढ़ गया तथा लासवेगास में गोलीबारी हुई। जल्दी-जल्दी होने वाली इन घटनाओं ने हिंसा की चिन्ताजनक प्रवृत्ति प्रकट की है जिसके कारणों और संभावित प्रभावों के गहरे विश्लेषण की आवश्यकता है। न्यू ओरलिस में शमसूद दीन जब्बार ने एक ट्रक भीड़ पर दौड़ा दिया जिसमें 15 लोग मारे गए तथा 30 घायल हुए। इस ट्रक में आईएसआईएस का झंडा, हथियार तथा संभावित इम्प्रोवाइज्ड डिवाइसेज़-आईईडी बरामद हुईं। जब्बार पुलिस के साथ हुई मुठभेड़ में मारा गया तथा एफबीआई इस घटना को आतंकी हमला मान रही है। इसके साथ ही बुधवार को देर रात न्यूयार्क के क्रींस में अमाजूरा नाइट क्लब में भीड़ पर गोलीबारी की एक घटना में कई लोग घायल हुए। इस बीच निर्वाचित अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के लासवेगास स्थित होटल के बाहर एक टेस्ला साइबरट्रक में विस्फोट से एक व्यक्ति मारा गया तथा सात अन्य घायल हो गए। इन हमलों के पीछे इरादे स्पष्ट नहीं हैं, पर शुरुआती जांच से वैचारिक प्रभाव स्पष्ट होते हैं। इन हमलों में कुछ समानतायें हैं। सभी घटनायें भारी भीड़ वाले हाई-प्रोफाइल स्थानों पर हुईं ताकि हताहतों की संख्या अधिकाधिक हो और इनको खूब मीडिया कवरेज मिले।

न्यू ओरलिंस तथा संभवत: लासवेगास में वैचारिक उद्देश्य केन्द्रीय भूमिका में लगते हैं क्योंकि जब्बार के आईएसआईएस से संबंध अंतरराष्ट्रीय आतंकवाद के निरंतर खतरे की ओर इशारा करते हैं। वाहन, विस्फोटकों और बंदूकों के प्रयोग से हमलावरों की कार्यपद्धति का पता चलता है। ऐसी घटनाओं को रोकना लगातार जटिल होता जा रहा है। इन घटनाओं के पीछे प्रेरणा के कारण अनेक दिलचस्प आयाम पेश करते हैं। जब्बार के मामले से स्पष्ट होता है कि कैसे अमेरिकी नागरिकों समेत अनेक लोग अतिवादी प्रचार से चरमपंथी बनाए जा सकते हैं जिसमें आनलाइन नेटवर्क बहुत सहायता करते हैं। न्यूयार्क की घटना 'मुक्त बंदूक संस्कृति' और बंदूकों पर नियंत्रण लगाने के किसी कानून का विरोध करने का खतरा प्रकट करती है। लासवेगास की शुरुआती रिपोर्टों से मानसिक स्वास्थ्य चुनौतियों का वैचारिक झुकाव से संबंध स्पष्ट होता है जो हमलों को जन्म दे सकती हैं। यह प्रवृत्ति लगातार 'लोन वुल्फहमलावरों' के मामलों में दिखाई देती है। अतिवाद के बढ़ते खतरे के साथ बेलगाम भावनायें तथा आग्नेयास्त्रों तक आसान पहुंच निरपराध लोगों का जीवन छीन रही है। ऐसे हमले निगरानी बढ़ाने तथा खासकर आनलाइन प्लेटफार्मों और अतिवादी नेटवर्कों की निगरानी लगातार तेज करने की आवश्यकता उजागर करते हैं। बंदूकों पर नियंत्रण समय की आवश्यकता है। हालांकि, अमेरिका बंदूकों पर नियंत्रण के मामले में विभाजित है, पर इसे इस दिशा में कम से कम कुछ कदम जरूर उठाने चाहिए। हालिया हमलों से अमेरिका में एक विस्फोटक और विकसित होता खतरा स्पष्ट होता है। हालांकि, कानून-व्यवस्था एजेंसियों की त्वरित कार्रवाई से त्रासदी को काफी सीमा तक नियंत्रित किया जा सका, पर ऐसी हिंसा के मूलभूत कारणों पर विचार के लिए बहुआयामी दृष्टिकोण अपनाना जरूरी है। इसके लिए उग्रवादीकरण पर लगाम लगाने के साथ ही समुदाय में वैचारिक विमर्श से समुचित दृष्टिकोण विकसित करना शामिल है। इससे समुदाय में अतिवादी विचारों के प्रति दृढ़ प्रतिरोध विकसित होगा। जब अतिवादी शक्तियां जनता में भय और विभाजन पैदा करने का प्रयास करें तो पूरे देश को सतर्क और एकजुट बने रहना जरूरी होता है। यह बात संयुक्त राज्य अमेरिका के लिए भी सही है।

वैश्विक प्रभुत्व में जलमार्गों का महत्व

विचारधाराओं और संसाधनों पर विमर्श के बावजूद इतिहास एक कटु यथार्थ उजागर करता है। विश्व व्यापार वाले जलमार्गों पर नियंत्रण रखने वाले का ही वैश्विक प्रभुत्व होता है।

नीलांत इलांगमुवा
(लेखक, वरिष्ठ पत्रकार हैं।)

आपको आश्चर्य होगा कि दुनिया में हुए बड़े-बड़े युद्ध अक्सर भूमि या संपदा के बजाय पानी और खासकर उन संकरे रणनीतिक जलमार्गों को लेकर होते रहे हैं जो विश्व वाणिज्य के प्रवाह पर नियंत्रण करते हैं। हमें यह विश्वास दिलाया गया है कि युद्धों का कारण विचारधारायें, धर्म या संसाधन होते हैं, पर यथार्थ में सबसे बड़े शक्ति संघर्ष हमेशा जलमार्गों पर नियंत्रण के लिए होते रहे हैं। 431-404 ईसापूर्व तक चले पेलोपोनेसियन युद्ध में एथेंस ने ऐगान समुद्र पर प्रभुत्व जमाया, जबकि 246-146 ईसापूर्व के प्यूनिक युद्धों में रोम और कार्थेज के बीच मिडटेरेनियन व्यापार मार्गों के लिए लड़ाई हुई। 8वीं से 11वी शताब्दी के वाइकिंग हमलों में यूरोप में फैली नदियों और समुदतटीय मार्गों को लेकर लड़ाई हुई। 1337-1453 तक चले हंड्रेड इयर वार्स इंग्लिश चैनल पर नियंत्रण के लिए हुए जो सैनिक व व्यापार पहुंच के लिए महत्वपूर्ण था। 1588 में स्पैनिश अर्माडा ने इंग्लैंड पर चैनल के द्वारा हमला करने का प्रयास किया, पर वह विफल रहा। इससे इंग्लिश चैनल वाली नौशक्ति का विकास हुआ। 1652-1674 तक चले एंग्लो-डच युद्धों में वैश्विक व्यापार मार्गों पर नियंत्रण के लिए अंग्रेजों और डच में युद्ध हुए। 1839-1860 तक हुए अफीम युद्धों में ब्रिटेन ने चीनी व्यापार मार्गों पर नियंत्रण का प्रयास किया, जबकि 1853-1856 तक हुए क्रीमियन युद्ध में काला सागर और उसके प्रमुख क्षेत्रों पर कब्जे की लड़ाई थी। इस प्रकार इतिहास हमें एक ऐसे सत्य से साक्षात्कार कराता है जिसे इनकार नहीं किया जा सकता है कि जो भी जलमार्गों पर नियंत्रण करता है, दुनिया उसी की होती है। ऐसे में सवाल उठता है कि क्या जलमार्गों पर पैदा आज के तनाव साम्राज्यवादी इतिहास का नवीनतम अध्याय हैं जहां पश्चिम अपना प्रभुत्व बनाए रखने का प्रयास कर रहा है, भले ही इसके लिए चाहे जो कीमत अदा करनी पड़े? मिडटरेनियन व लाल सागर के बीच कृत्रिम रूप से बनाई गई स्वेज नहर इसका एक उदाहरण है। सतही तौर से देखने पर यह विश्व व्यापार की जीवनरेखा लगती है, पर गहराई से विश्लेषण करने पर स्पष्ट होता है कि यह पश्चिमी शोषण का केन्द्र है। अंग्रेजों द्वारा 1882 में 'अपने निवेशों की सुरक्षा' के बहाने इस पर नियंत्रण के बाद न केवल उनके समुद्री मार्ग छोटे हो गए, बल्कि उन्होंने दुनिया के जहाज मार्गों पर अपनी पकड़ मजबूत करते हुए यह सुनिश्चित किया कि वे विश्व वाणिज्य में प्रभुत्वशाली शक्ति बने रहेंगे। जब मिस्र के नेता नासिर ने यह पकड़ तोड़नी चाही तो उनकी कार्रवाइयों से स्वेज संकट पैदा हो गया। ब्रिटेन, फ्रांस और इज़राइल ने अपना नियंत्रण बनाए रखने के लिए सैनिक हस्तक्षेप किया। अमेरिकी विदेश सचिव जान फास्टर डलेस ने कहा था, 'अमेरिका कभी वाणिज्य के मुक्त प्रवाह में बल के प्रयोग से हस्तक्षेप को सहन नहीं करेगा।' इससे स्पष्ट है कि उपका तात्पर्य केवल वाणिज्य से नहीं था, बल्कि यह पश्चित द्वारा किसी भी कीमत पर अपना एकाधिकार स्थापित करने का प्रयास था। इसी प्रकार पनामा नहर पर दृष्टिकोण साम्राज्यवादी रणनीति का उदाहरण है। अमेरिका ने न केवल नहर 'बनाई', बल्कि उस पर 'कब्जा' भी कर लिया।

पनामा नहर का अस्तित्व इसलिए सामने आया क्योंकि अमेरिका ने 1903 में कोलम्बिया की संप्रभुता को तोड़ दिया। यह केवल इंजीनियरिंग का चमत्कार न होकर साम्राज्यवादी रणनीति थी। इस नहर के माध्यम से अमेरिका ने एटलांटिंक व प्रशांत पर बेलगाम नियंत्रण स्थापित कर आने वाली शताब्दियों में अपने सैनिक और आर्थिक प्रभुत्व की गारंटी सुनिश्चित कर दी। जब पनामा में असंतोष पैदा हुआ और सीआईए के एक समय मित्र मैनुअल नोरिगा ने स्थापित व्यवस्था को खतरा पैदा किया जो अमेरिका ने 'नशे के व्यापारियों से संघर्ष' के बहाने सैनिक शक्ति का प्रयोग किया। बहुत से लोगों के लिए यह आदर्श कृत्य था, पर आलोचक इसे दुनिया के एक सर्वाधिक महत्वपूर्ण जलमार्ग पर नियंत्रण का क्रूर कदम मानते थे। तकनीकी रूप से इस नहर को 1999 में फिर से पनामा को सौंप दिया गया, पर यह मूल रूप से पश्चिमी नियंत्रण का महत्वपूर्ण औजार बनी रही। हमें यह नहीं भूलना चाहिए कि हर्मुज़ की खाड़ी से दुनिया का एक चौथाई तेल व्यापार होता है। अंग्रेजों ने इसका महत्व पहले ही समझ लिया था और 19वीं शताब्दी के संरक्षणवादी समझौतों से अपना प्रभुत्व सुनिश्चित किया। 1980 के दशक में ईरान-ईराक युद्ध के समय तक हर्मुज विश्व तेल व्यापार का केन्द्र बनी रही और इसे बाधित करने के प्रयास की तीखी प्रतिक्रिया हुई। दोनों पक्षों ने इसे बंद करने का प्रयास किया क्योंकि हर्मुज पर नियंत्रण का अर्थ वैश्विक ऊर्जा पर नियंत्रण था। हालांकि, आज भी ईरान अपनी सैनिक ताकत दिखाने का प्रयास करता है, पर पश्चिमी शक्तियां इस जलमार्ग पर लगातार निगरानी करती हैं जैसे यह उनका जन्मसिद्ध अधिकार हो। इस प्रकार तेल का सहज प्रवाह सुनिश्चित किया जाता है। अब दुनिया एक नये युग में प्रवेश कर रही है और नार्दन सी रूट-एनएसआर शक्ति के नवीनतम केन्द्र के रूप में उभर रहा है। रूस के आर्कटिक तट तक फैला यह मार्ग स्वेज व पनामा नहर जैसे परंपरागत बिंदुओं को किनारे छोड़ने की क्षमता रखता है। इससे यह विश्व जहाजरानी के लिए नया मार्ग खोलता है। बर्फ पिघलने के कारण जलवायु परिवर्तन ने प्रभुत्व का नया मैदान खोल दिया है। जलवायु परिवर्तन समाधान की सभी अच्छी-अच्छी बातों के बावजूद पश्चिम एनएसआर के बारे में बहुत असहज है। शताब्दियों से पश्चिमी समुद्री शक्तियां विश्व व्यापार अपनी इच्छा से निर्देशित करती रही हैं, पर नए मार्ग के कारण उनका लंबे समय से स्थापित नियंत्रण खतरे में फंस सकता है। इसके साथ ही तुर्की की खाड़ी है, जहां नियंत्रण हमेशा धोखाधड़ी के रूप में आता रहा है। 1936 के मांट्रेक्स सम्मेलन से तुर्की का खाड़ी पर कब्जा रहा है, पर इस शर्त के साथ कि वह पश्चिम के हितों की पूर्ति करेगा। यह क्षेत्र तनाव का कारण बना हुआ है क्योंकि रूस-नाटो टकराव से इस संकरे जलमार्ग का महत्व स्पष्ट हो गया है।

इन सभी टकरावों से एक चीज स्पष्ट है कि पश्चिमी शक्तियां कभी नियंत्रण की अपनी इच्छा नहीं छोड़ेंगी। आज खाड़ी में चीन के बढ़ते प्रभाव से अमेरिका असहज है। वह हिंद-प्रशांत क्षेत्र में चीन के बढ़ते प्रभाव पर लगाम लगाना चाहता है। राजनीतिक शक्ति के रूप में डोनाल्ड ट्रंप के उभार ने स्पष्ट किया है कि जलमार्गों पर नियंत्रण की लड़ाई तेज हो सकती है। ग्रीनलैंड पर उनकी टिप्पणी तथा आवश्यकता होने पर पनामा नहर पर कब्जे की बात केवल मजाक नहीं हैं। आर्कटिक पर अमेरिकी प्रभुत्व की इच्छा हमेशा उसकी विदेश नीति का अंग रही है और यह स्थिति एक शताब्दी से अधिक समय से बनी हुई है। पनामा नहर के बारे में उनके बयान से भी यही बात स्पष्ट होती है। हम भले ही उनकी टिप्पणियों को दुनिया के यथार्थ से कटे एक व्यक्ति की बेलगाम लफ्फाजी कह कर खारिज कर दें, पर इतिहास को बेहतर ढंग से समझने वाले लोग जानते हैं कि साम्राज्य कैसे राजनीतिक बयानबाजी के माध्यम से सुनियोजित ढंग से काम करते रहे हैं। मुख्य बात यह है कि जलमार्गों पर नियंत्रण अब कोई छिपी बात नहीं है। इन पर नियंत्रण पहले की तुलना में और संघर्षपूर्ण हो गया है, चाहे यह पश्चिमी शक्तियों द्वारा हो अथवा साम्राज्यवादी व विस्तारवादी इच्छा रखने वाली दूसरी शक्तियों द्वारा।

मंत्रों की रूपांतरणकारी शक्ति

> व्यक्ति गुरु से मंत्रों की विद्या प्राप्त करे। किताबों, इंटरनेट से पढ़ना या टेलीविजन, सोशल मीडिया पर सुनना और स्वयं अभ्यास शुरू करना हानिकारक प्रभाव डाल सकता है यदि जाप उचित नहीं है।

अश्विनी गुरुजी
(लेखक, आध्यात्मिक गुरु हैं)

आपने गुरु शुक्राचार्य द्वारा दी गई संजीवनी विद्या के बारे में सुना होगा, जो मृतकों को वापस जीवन में ला सकती थी, या संजीवनी बूटी नामक एक निश्चित जड़ी बूटी के बारे में सुना होगा, जिसने लक्ष्मण को वापस जीवन में लाया था। आपने ऋषि दधीचि के पास मौजूद मधु विद्या या ब्रह्मविद्या के बारे में भी सुना होगा जो अमरता प्राप्त करने में सक्षम थी, या ऋषि च्यवन को युवा बनाने के लिए अश्विनी कुमारों द्वारा तैयार किए गए च्यवनप्राश के बारे में भी सुना होगा। ये कहानियाँ या काल्पनिक रचनाएँ नहीं हैं, वैदिक ऋषि सृष्टि के स्वामी थे, मानव शरीर उसका एक सूक्ष्म हिस्सा है। इसका प्रमाण कि ये काल्पनिक नहीं थे, इस तथ्य में निहित है कि अधिकांश आधुनिक वैज्ञानिक खोजें वैदिक शास्त्रों से हुई हैं। आप यह जानने के लिए जा सकते हैं कि कौन सी वैज्ञानिक खोज किस शास्त्र से हुई है। जबकि अधिकांश प्राचीन वैदिक चिकित्सा विज्ञान कलियुग की धूल में खो गए हैं सनातन क्रिया में वर्णित दिव्य चिकित्सा मंत्र वैदिक ज्ञान के खजाने से एक ऐसा ही रत्न है। दिव्य चिकित्सा मंत्र आपके शरीर में वांछित प्रभाव और परिवर्तन लाने के लिए ध्वनि और कंपन का उपयोग करते हैं।

जब सही तरीके से किया जाता है तो उनके उपचार और परिवर्तनकारी प्रभाव सभी के लिए स्पष्ट होते हैं। 7 मंत्रों का एक संयोजन कुछ नाड़ियों (ऊर्जा चैनलों) को खोलने और विशिष्ट केंद्रों को जागृत करने का काम करता है, ताकि एक साधक के लिए दिव्य ऊर्जा की शक्ति को निर्देशित किया जा सके। ऐसा कहा जाता है कि एक देवता का शरीर मंत्र में निवास करता है। यह व्यावहारिक रूप से प्रत्येक व्यक्ति द्वारा अनुभव किया गया है जिसने ध्यान आश्रम में एक यज्ञ में भाग लिया है जहां यज्ञ अग्नि में प्रकट विशिष्ट मंत्रों के माध्यम से देवताओं के पूर्ण रूपों का आह्वान किया गया था। मंत्र को फल देने के लिए, इसे प्राचीन गुरु शिष्य परम्परा के अनुरूप एक गुरु से प्राप्त करना होगा जो मंत्र में सिद्ध हो। वैदिक मंत्र की प्रभावशीलता उसके जाप की शुद्धता पर निर्भर करती है; एक भी अक्षर का गलत उच्चारण पूरे अर्थ को बदल देता है। तैत्तिरीय संहिता में इस संबंध में त्वष्टा की कथा वर्णित है। त्वष्टा ने इंद्र को नष्ट करने के लिए यज्ञ किया। उसने अपने विचार प्रकट करने के लिए इंद्रशत्रु मंत्र का प्रयोग किया।

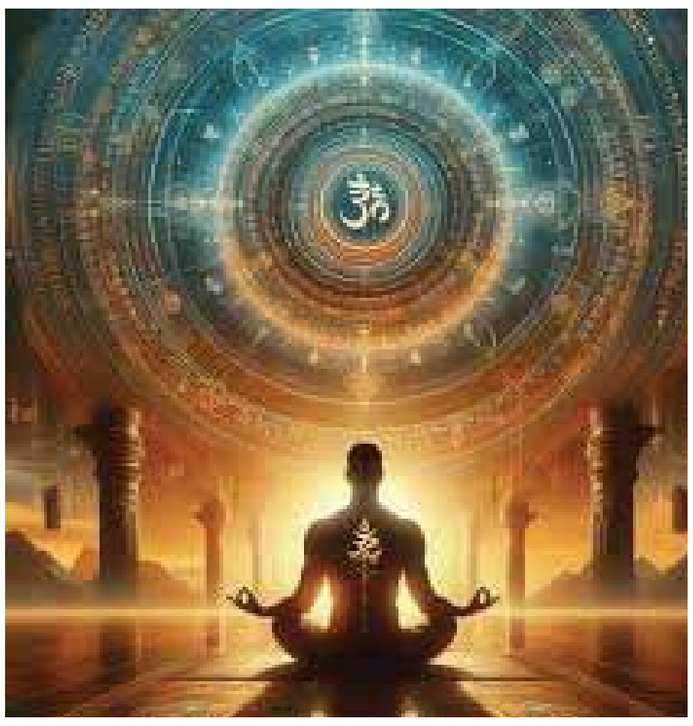

हालाँकि, उसने शत्रु के बजाय इंद्र शब्द पर एक बड़ा नोट रखा, जिसके कारण शब्द का अर्थ इंद्र का वध करने वाला से बदलकर इंद्र द्वारा मारा जाने वाला हो गया और इस तरह उससे पैदा हुआ पुत्र वृत्र, सिर्फ उच्चारण दोष के कारण इंद्र से हार गया। पाणिनि शिक्षा के हवाले से, सही स्वर (स्वर) और व्यंजन (वर्ण) से रहित मंत्र दोषपूर्ण है और इसका इच्छित अर्थ नहीं बताता है। यह एक मौखिक वज्र की तरह है जो जप करने वाले को नुकसान पहुंचाता है, जैसा कि शब्द के गलत उच्चारण के मामले में हुआ था, इंद्रशत्रु)। वैदिक ऋषियों ने मंत्रों के रूप में ध्वनि के इस अविश्वसनीय विज्ञान में महारत हासिल की थी, वे ध्वनि की शक्ति का दोहन करने के लिए आवश्यक उच्च स्तर की विशिष्टता और सटीकता से अच्छी तरह वाकिफ थे। शिक्षा, छह वेदांगों में से एक, शब्दों के उचित उच्चारण और व्यंजना के नियमों के विज्ञान से संबंधित है। पाणिनि, याज्ञवल्क्य और वशिष्ठ द्वारा शिक्षा पर कई खंड लिखे गए हैं। शतपथ ब्राह्मण में कहा गया है कि एक शब्द के प्रत्येक अक्षर में किसी प्रकार की शक्ति होती है और हर अक्षर का रहस्य समझाया गया है। इसलिए यह महत्वपूर्ण है कि व्यक्ति गुरु से मंत्रों की विद्या प्राप्त करे। किताबों/इंटरनेट से पढ़ना या टेलीविजन/सोशल मीडिया पर सुनना और स्वयं अभ्यास शुरू करना हानिकारक प्रभाव डाल सकता है यदि जाप उचित नहीं है।

आप की बात

गुरु गोविंद सिंह जी का संदेश

श्री गुरु गोविंद सिंह जी सर्वस्वदानी, संत सिपाही, अमृत के दाता थे। उनका जीवन संघर्ष, कुर्बानी, तपस्या और मानवता की सेवा की जीती जागती मिसाल है। इसी कारण उन्हें संत और सिपाही दोनों ही उपमाएं एक साथ दी जाती हैं। उन्होंने समाज में ऊंच नीच को समाप्त करने और समुचित मानवता की सेवा का संदेश दिया। पटना बिहार में 1666 में श्री गुरु गोविंद सिंह जी का जन्म हुआ। उनका बचपन पटना में गंगा के किनारे बीता। एक बार जब गंगा के किनारे गए तो हाथ का सोने का कड़ा उतार नदी में फेंक दिया और माता जी से भी कह दिया कि कड़ा गंगा में फेंक दिया। माता ने जब पूछा कि चल बता कहां फेंका तो माताजी के साथ जाकर दूसरा सोने का कड़ा भी उसी जगह फेंक दिया और कहा कि वहां फेंका था। इस घटना से गुरु गोविंद सिंह जी ने दुनिया को बाल अवस्था में ही बता दिया कि मैं दुनिया को देने आया हूं, दुनिया से कुछ लेने नहीं। श्री गुरु गोविंद सिंह जी ने दुनिया को संदेश दिया कि धर्म कुछ इस तरह हो कि कोई भी आए लेकिन आपकी जपने वाली माला ना छीन सके। हर धर्म,हर मजहब को आजादी होनी चाहिए अपने धर्म को मानने की। अपनी इबादत की, पूजा की। हर धर्म, हर मजहब अपने रीति रिवाज के साथ आजादी से जी सके इसके लिए जुल्म के खिलाफ चाहे हथियार उठाने भी पड़े तो तैयार रहना चाहिए।

-सरदार मंजीत सिंह

प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना

प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना का विस्तार सरकार की किसानों के प्रति संवेदनशीलता और उनकी सुरक्षा सुनिश्चित करने की दृढ़ता को दर्शाता है। प्राकृतिक आपदाओं से फसल नुकसान की भरपाई के लिए 3850 करोड़ रुपये की स्वीकृति किसानों को आर्थिक स्थिरता और आत्मनिर्भरता प्रदान करेगी। डीएपी पर सब्सिडी जैसे कदम उत्पादन लागत कम कर, किसानों के लाभ को बढ़ाएंगे। यह पहल न केवल कृषि क्षेत्र को मजबूती देगी, बल्कि किसानों के आत्मविश्वास और जीवन स्तर को भी नई ऊंचाई पर ले जाएगी। यह निर्णय भारतीय कृषि के उज्ज्वल भविष्य की ओर एक सकारात्मक कदम है। उल्लेखनीय है कि भारत एक कृषि प्रधान देश है और देश के विकास में किसानों का महत्वपूर्ण योगदान है। देश की बहुत बड़ी जनसंख्या कृषि कार्यों में लिप्त है। इसलिए केंद्र और राज्यों की सरकारों को अन्नदाताओं के हित में सभी आवश्यक कदम उठाने चाहिए। यदि किसान की हालत ठीक नहीं रहेगी तो देश के बड़ी जनसंख्या आर्थिक और सामाजिक रूप से सशक्त नहीं हो सकेगी। वैसे भी खेती-किसानी भगवान भरोसे अधिक रहती है क्योंकि मौसम का किसानों पर बहुत अधिक प्रभाव पड़ता है। किसान कभी बाढ़, कभी सूखा से जूझता ही रहता है लेकिन वह कभी रुकता नहीं है।

-प्रो. आरके जैन 'अरिजीत', बड़वानी (म.प्र.)

पुनः परीक्षा की मांग

बिहार लोक सेवा आयोग द्वारा 13 दिसंबर 2024 को विभिन्न पदों के लिए परीक्षा करवाई गई जिसके उपरांत यह पाया गया कि पटना के कुमरार स्थित बापू परीक्षा परिसर मे धांधली के बाद बीएससी के आयोग द्वारा कुमरार स्थित बापू परीक्षा परिसर का परीक्षा रद्द कर दिया गया जबकि पूरे बिहार का परीक्षा यथासंभव रहने दिया गया। इसी को लेकर पिछले कई दिनों से छात्र पटना के गर्दनीबाग में धरना स्थल पर बैठे हुए हैं। उनका कहना है कि परीक्षा पुन: करवाई जाए परीक्षा में धांधली हुई है, प्रश्न पत्र वायरल हुआ है, बिहार लोक सेवा आयोग पैटर्न के अनुसार जो पिछले कई सालों से परीक्षा करवाई जा रही थी, उसके अनुसार इस बार परीक्षा नहीं हुआ। इसी को लेकर छात्रों में आक्रोश, आयोग के प्रति नाराजगी, तनाव एवं उग्र रूप है। इसी आंदोलन के बीच बिहार लोक सेवा आयोग द्वारा सिर्फ बापू परीक्षा परिसर का एग्जाम रद्द कर विभिन्न 22 केंद्रो पर कराया गया। जबकि छात्रों की मांग है कि परीक्षा पूरे बिहार में पुन: आयोजित हो क्योंकि उनका विश्वास है कि ऐसे होने से हमारे साथ समानता नहीं होगी और हमें उचित हक ना मिलेगा। इसी को लेकर पूरे बिहार में विभिन्न जगह एवं पटना के गर्दनीबाग छात्रों का एक बड़ा हुजूम धरना दे रहे हैं। कुछ छात्र अनशन पर हैं। इसको लेकर पुलिस द्वारा छात्र - छात्राएं पर लाठी चार्ज भी किया गया। जिसमें कई छात्र - छात्राएं जख्मी हैं।

-तारामुनि देवी, लालगंज

इलेक्ट्रिक वाहनों की सुरक्षा

रतलाम के लक्ष्मणपुर पीएनटी कॉलोनी में हुई आग लगने की घटना ने इलेक्ट्रिक वाहनों की सुरक्षा को लेकर कई सवाल उठाए हैं। घटना में एक 11 साल की बच्ची की मौत हो गई और दो अन्य लोग घायल हो गए। घटना के अनुसार, चार्जिंग के लिए रखी गई ई स्कूटर में आग लग गई, जिससे पास में खड़ी एक्टिवा भी चपेट में आ गई। घटना के कारणों की जांच में पता चला है कि ई स्कूटर में ऑटो कट ऑफ सिस्टम फेल हुआ था, जिससे आग लगने की घटना हुई। यह घटना इलेक्ट्रिक वाहनों की सुरक्षा को लेकर कई सवाल उठाती है। इलेक्ट्रिक वाहनों की सुरक्षा के लिए कई मानकों का पालन करना आवश्यक है, लेकिन यह घटना दर्शाती है कि इन मानकों का पालन नहीं किया जा रहा है। स्कूटर में ऑटो कट ऑफ सिस्टम फेल होने की घटना यह दर्शाती है कि ई स्कूटर में कई सुरक्षा खामियां हैं। इस घटना से यह सीखने को मिलता है कि इलेक्ट्रिक वाहनों की सुरक्षा के लिए कई मानकों का पालन करना आवश्यक है। इलेक्ट्रिक वाहनों की सुरक्षा के लिए इलेक्ट्रिक वाहनों में ऑटो कट ऑफ सिस्टम का प्रयोग करना आवश्यक है।

-मधु सुभाष बुड़ावन वाला, रतलाम

पाठक अपनी प्रतिक्रिया ई-मेल से
responsemail.hindipioneer@gmail.com
पर भी भेज सकते हैं।

पायनियर
लखनऊ, सोमवार, 6 जनवरी 2025

श्री रामलला के अभिषेक से प्रारंभ होगा प्रथम प्राण प्रतिष्ठा महोत्सव

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ करेंगे प्रभु श्री रामलला का अभिषेक,कुमार विश्वास, मालिनी अवस्थी, अनुराधा पौडवाल जैसे नामी गिरामी कलाकार भगवान के समक्ष अपनी कला की प्रस्तुति देंगे प्राण प्रतिष्ठा में सभी जातियों के मंदिरों के संत महंत होंगे सम्मिलित

फाइल फोटो

अयोध्या। मर्यादा पुरुषोत्तम प्रभु श्रीरामचन्द्र जी के जन्मस्थान अयोध्या धाम में श्री राम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट प्रभु श्री राम लला का तीन दिवसीय प्राण प्रतिष्ठा महोत्सवए प्रभु श्री राम लाल की प्राण प्रतिष्ठा के 1 वर्ष पूरे होने पर पौष शुक्ल पक्षए द्वादशीए विक्रम सम्मातए 2001 तद्?नुसार 11 जनवरीए 2025 को मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के द्वारा सुबह 10 बजे अभिषेक से प्रारंभ होगा और 13 जनवरी तक चलेगा। जिसमें अयोध्या में सभी जातियों के मंदिरों के महंत और देश के विभिन्न कोने से 70 से अधिक संतो महंतों को आमंत्रित किया जाएगा। अंगद टीला पर प्रेस से मुखातिब होते हुए श्री राम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र के महासचिव चंपत राय ने बताया कि उन्होंने बताया कि 11 जनवरी को मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ श्री रामलला का अभिषेक करेंगे और इसी के साथ कार्यक्रम का शुभारंभ होगा दोपहर में 2 बजे उनका संबोधन भी अंगद टीला पर होगा। जगतगुरु शंकराचार्य माधवाचार्य भी उपस्थित रहेंगे।

श्री राय ने बताया कि 13 जनवरी को अंगद टीला पर सायं काल 5 से रात्रि 8रू30 तक मालिनी अवस्थी और कुमार विश्वास का कार्यक्रम होगा। 13 जनवरी को दोपहर 3रू30 बजे से 5 तक जगतगुरु शंकराचार्य स्वामी ज्ञानानंद तीर्थ जी महाराज गीता पर अपना वक्तव्य देंगे और 12 जनवरी को दोपहर 2 बजे रमेश भाई ओझा श्री राम कथा करेंगे और उसी दिन शाम 5रू30 बजे से 8रू30 तक अनुराधा पौडवाल और कविता पौडवाल अपना गायन प्रस्तुत करेंगी। जगतगुरु रामानुजाचार्य स्वामी वासुदेवाचार्य महाराज कार्यक्रम में तीनों दिन अपना समय देंगे।11 जनवरी को सांस्कृतिक संध्या कार्यक्रम में स्वती मिश्रा का गायन और रामलीला मंचन होगा। उपरोक्त कार्यक्रम अंगद टीला पर संपन्न होंगे जिसमें सभी व्यक्तियों को आमंत्रित किया गया है। उन्होंने बताया कि शुक्ल यजुर्वेद मध्यन्दिन शाखा के 40 अध्याय के 1975 मित्रों से अग्नि देवता को आहुति दी जाएगी। श्री राम बीज मंत्र का 6 जप किया जाएगा। किसी के साथ हनुमान चालीसाए पुरुष सूक्तए श्री सक्तए आदित्य हृदय स्तोत्रए अथर्वशीर्ष ए श्री राम रक्षास्तोत्र का भी पारायण किया जाएगा। तीनों दिन संगीत में रामचरितमानस का पाठ होगा। उन्होंने बताया कि भगवान के सामने इस मांगलिक अवसर के परिप्रेक्ष्य में श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट द्वारा तीन दिवसीय श्रीराम राग.सेवा का कार्यक्रम मन्दिर परिसर में गर्भगृह के निकट मण्डप में सम्पन्न होगाए जिसमें हम प्रभु श्रीराम की भक्ति के प्रति विनीत भाव से संगीतए नृत्य और वादन के द्वारा उन्हें सेवा प्रदान करने का उपक्रम करेंगे। यह संगीत.सेवाएराग.सेवाएनृत्य.सेवा इस आशय के तहत सम्पन्न हो रही है कि भारतीय उपासना पद्धति की श्नवधा भक्ति परम्परा में संगीत द्वारा श्रीराम.राग.सेवा देवता को अर्पित की जाती है। पहले दिन 11 जनवरी को प्रख्यात गायिका श्रीमती उषा मंगेशकर और मयूरेश पई भगवान के सम्मुख भजन से राग.सेवा का आरम्भ करेंगेए जिसके उपरान्त साहित्य नाहर सितार तथा सन्तोष नाहर जी वॉयलिन की जुगलबन्दी से भक्ति का अपना कार्यक्रम प्रस्तुत करेंगे। पहले दिन का समापन डॉण् श्रीमती आनन्दा शंकर जयन्त द्वारा भरतनाट्यम नृत्य द्वारा भावयामि रघुरामम की प्रस्तुति देगी।

दूसरे दिन का 12 जनवरी की राग सेवा प्रसिद्ध लोकगायिका शैलेश श्रीवास्तव के बधावाए सोहर गायन से होगी। इसके बाद प्रख्यात शास्त्रीय गायिका सुश्री कलापिनी कोमकली श्रीराम भजन एवं निर्गुण गायन से राग.सेवा प्रस्तुत करेंगी। इस दिन के कार्यक्रम का समापन विश्वविख्यात बाँसुरी वादक श्री राकेश चौरसिया के बाँसुरी वादन से होगी और अन्तिम दिन 13 जनवरी की राग.सेवा का आरम्भ श्रीमती आरती अंकलिकर के शास्त्रीय गायन से होगीए जिसके बाद प्रख्यात कथक नृत्यांगना शोभना नारायण की कथक प्रस्तुति और अन्त में दक्षिण के स्वनामधन्य गायक श्रीकृष्ण मोहन एवं श्रीराम मोहन श्त्रिचूर बदर्स के कर्नाटक पद्धति के शास्त्रीय गायन व श्रीराम भजन से सम्पन्न होगी। इस अवसर पर ट्रस्टी डॉ अनिल मिश्राए यतींद्र मिश्राए गोपाल जीए विहिप मिडिया प्रभारी शरद शर्मा उपस्थित रहे।

शासन की गाइड लाइन को दरकिनार कर अब भुगतान की तैयारी

महराजगंज रायबरेली।। सहायक अभियंता और ठेकेदार की मनमानी के कारण तहसील क्षेत्र से होकर शारदा सहायक से निकली साढ़े नौ किलोमीटर लंबी कुंदनगंज रजबहा और उससे निकली आधा दर्जन माइनरों की सिल्ट सफाई के नाम पर सिर्फखानापूर्ति की गई हैए जिम्मेदार अधिकारियों ने कमीशन खोरी के चक्कर में किसानों की समास्या हल करने के बजाय और समास्या उत्पन्न कर दी गई हैए जिससे किसानों में रोष व्याप्त हैए इलाकाई किसान पीर अली दिलीप कुमार रमेश यादव जगजीवन प्रसाद सहित अन्य ने सिल्ट सफाई के नाम की गई खानापूर्ति की जांच कराए जाने की मांग कर रहे हैं। बता दें कि तहसील क्षेत्र से होकर निकली कुंदन गंज रजबहा और उससे निकली ढाई किलो मीटर लंबी खैरहनीए माइनरए ढाई किलो मीटर लंबी अटरा माइनरए करीब तीन किलोमीटर लंबी बहादुरपुर माइनरए ढाई किलोमीटर के करीब लंबी भैरमपुर माइनरए के आलावा गनेशपुरए दूलमपुरए माइनरों की सिल्ट सफाई के नाम सिर्फखानापूर्ति की गई हैए ग्रामीणों ने बताया कि इसमें सहायक अभियंता नमन मिश्रा की उदासीनता के चलते ठेकेदारों द्वारा सिर्फ मनमानी की गई हैए वहीं सूत्रों की मानें तो रजबहा और उससे निकली माइनरों में सिल्ट सफाई के नाम पर जो धांधली हुई है अब जिम्मेदार उससे बड़ा भ्रष्टाचार करने की मूड में हैए जानकारों के मुताबिक शासन से निर्धारित गाइड लाइन को दरकिनार कर अब भुगतान करने की तैयारी की जा रही है।मुख्य अभियंता प्रभाकर प्रसाद ने बताया कि जांच कराई जाएगी धांधली मिलने पर कार्रवाई की जाएगी।

सपा का जन संवाद जुड़ेंगे और जीतेंगे कार्यक्रम आयोजित

मुसाफिरखानाएअमेठी। रविवार को क्षेत्र के दादरा व रामरायपुर गांव में आयोजित जन संवाद जुड़ेंगे और जीतेंगे कार्यक्रम के तहत सपा के पूर्व जिलाध्यक्ष प्रियंक हरि विजय त्रिपाठी धीरू व सपा के प्रदेश सचिव छोटेलाल यादव ने सीधे जनता से संवाद किया।कार्यक्रम के दौरान सपा नेताओं ने भाजपा सरकार की नाकामियों को जनता के बीच रखते हुए कहा कि वर्तमान सरकार भेदभाव की राजनीति करती है जबकि समाजवादी पार्टी सबको साथ लेकर चलने में विश्वास करती है।दादरा व रामरायपुर गांव आयोजित जन संवाद कार्यक्रम के दौरान लोगों से बातचीत करते हुए सपा के वरिष्ठ नेता पूर्व जिलाध्यक्ष प्रियंक हरि विजय त्रिपाठी धीरू ने कहा कि समाजवादी पार्टी गांव गरीब किसान मजदूर के साथ समाज के अंतिम पायदान पर खड़े लोगों के चेहरे पर मुस्कान लाने के लिए कृत संकल्पित है।जब भी समाजवादी पार्टी की प्रदेश की सत्ता में आई है तब तब अपने कार्यकाल में सीधे जनता को लाभ देने की कोशिश की प् सपा नेता प्रियंक हरि विजय त्रिपाठी धीरू ने कार्यकर्ताओं से मिलजुल कर समाजवादी पार्टी को बूथ स्तर तक मजबूत बनाने के लिए काम करने का आवाह्न किया।सपा के पूर्व जिलाध्यक्ष व प्रदेश सचिव छोटेलाल यादव ने कहा भाजपा सरकार युवाओं को रोजगार देने में पूरी तरह से विफल साबित हुई है।वही वर्तमान सरकार ने दवाई पढ़ाई महंगी होने के साथ ही महिलाओं का उत्पीड़न बढ़ गया है।अन्याय अत्याचार के खिलाफ एकजुट होकर संघर्ष करें।जन संवाद जुड़ेंगे और जीतेंगे कार्यक्रम में लोकतंत्र रक्षक सेनानी लल्लन यादव रघुनंदन यादव सपा के विधान सभा क्षेत्र अध्यक्ष गिरीश यादव एडवोकेट सपा के पूर्व प्रवक्ता विजय कुमार यादव देव राज यादव अक्षय प्रताप यादव हर्ष यादव सर्वेश कुमार यादव विजय प्रकाश यादव अभय प्रताप यादव सर्वेश कुमार यादव बीडीसी सिया लाल पाण्डेय पारस नाथ मौर्य हरिश्चंद्र यादव लल्लू पासी शत्रोहन यादव राज कुमार यादव राम अवध स्वामी नाथ यादव अशोक कुमार कन्नौजिया अरविंद यादव संतराम यादव देवराज प्रधान सहित सैकड़ों लोग मौजूद रहें।

जनता की समस्याओं का निस्तारण मेरी पहली प्राथमिकता: किशोरी लाल

अमेठी प् सांसद किशोरी लाल शर्मा अपने क्षेत्र के तीन दिवसीय दौरे के दौरान तीसरे दिन जनसुनवाईए शोक संवेदनाए भेंट मुलाकातए किसान मेलाए खेलकूद प्रतियोगिता एवं समाज के वरिष्ठ वरिष्ठजनों के साथ क्षेत्र की क्षेत्रीय व आमजन समस्याओं के शीघ्र निराकरण पर चर्चा किया प् सांसद किशोरी लाल शर्मा ने आज अपने पूर्व निर्धारित कार्यक्रम के तहत गौरीगंज में जनता से मुलाकात की और कई सामाजिक व राजनीतिक कार्यक्रमों में भाग लिया सुबह से दोपहर तक केंद्रीय कांग्रेस कार्यालय गौरीगंज में आयोजित जनसुनवाई में क्षेत्रीय जन समस्याओं को सुना और समाधान करने का भरोसा दिलाया।सांसद ने कहा कि आप सभी ने पांच साल के लिए सांसद बनाया है और इन पांच सालों में आप के प्रति समर्पित रहूंगा।आपकी समस्याओं का निस्तारण मेरी पहली प्राथमिकता होगी। कई विभाग के अधिकारियों से दूरभाष पर वार्ता हुई।सांसद शर्मा किसान मेला एवं विराट दंगल कार्यक्रम मां काली धाम रानीपुर जामों बतौर मुख्य अतिथि पहुंचे प् मेला और दंगल की आयोजक लल्लन मिश्रा ने सांसद एकांग्रेस जिला अध्यक्ष प्रदीप सिंघल का स्वागत किया। सांसद शर्मा ने खिलाड़ियों से परिचय प्राप्त कर उनका उत्साह वर्धन किया। प्रतियोगिता में आमंत्रित करने के लिए एवं शानदार आयोजन के लिए आयोजक के प्रति आभार जताया। सुनिश्चित भेंट मुलाकात कार्यक्रम के लिए बाबा की कुटीए मेहमानपुरए सिंहपुर सातन का पुरवाए अहोरवन भवानी में वरिष्ठ नेता एवं कार्यकर्ताओं लोगों के साथ मुलाकात अमेठी सांसद किशोरी लाल शर्मा ने अहोरवा भवानी स्थित शिव रिसोर्ट में जनता से संवाद कर उनकी समस्याएं सुनी और उनके निस्तारण का आश्वासन दिया। इसके पश्चात विधानसभा सलोन रायबरेली के रेवरी सैदपुर डीह क्षेत्र भ्रमण करते हुए भूएमऊ रायबरेली को रात्रि विश्राम के लिए रवाना हुए।

मण्डल स्तरीय खादी ग्रामोद्योग विभाग की प्रदर्शनी का समापन

कवियों को डीएम नेहा शर्मा ने किया सम्मानित

गोंडा। उ.प्र. खादी तथा ग्रामोद्योग बोर्ड गोंडा द्वारा मण्डल स्तरीय खादी तथा ग्रामोद्योग प्रदर्शनी का आयोजन शहीदे आजम सरदार भगत सिंह (टामसन) इण्टर कालेज के परिसर में 21 दिसम्बर, 2024 से 04 जनवरी, 2025 तक किया गया था। जिसमें उत्तर प्रदेश, उत्तराखण्ड, पश्चिम बंगाल, झारखण्ड, बिहार, मध्य प्रदेश जैसे अन्य प्रान्तों के उद्यमियों ने अपने स्टाल लगाये तथा जनपद गोण्डा के अरगा ब्राण्ड से जुड़े स्वयं सहायता समूहों ने अपने उत्पाद के प्रदर्शन कर प्रचार-प्रसार करते हुए उत्पादों की बिक्री किया।

कार्यकम का उदघाटन सासंद कैसरगंज करण भूषण सिंह के द्वारा फीता काटकर किया गया। खादी एवं ग्रामोद्योग प्रदर्शनी का समापन 04 जनवरी, 2025 को जिलाधिकारी नेहा शर्मा द्वारा किया गया है। कार्यकम में खादी एवं ग्रामोद्योग प्रदर्शनी में प्रतिभाग कर रहें उद्यमियों को प्रशस्ति पत्र एवं स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया गया।

प्रदर्शनी के समापन में मण्डल के परिक्षेत्रीय ग्रामोद्योग अधिकारी देवीपाटन मण्डल राकेश कुमार ने जानकारी दी कि 21 दिसम्बर, 2024 से 04 जनवरी, 2025 तक कुल 15 दिनों की प्रदर्शनी अवधि में रिकार्ड 1.31 करोड की बिक्री प्रदर्शनी में पधारें उद्यमियों द्वारा की गयी है। उद्यमियों द्वारा मण्डल स्तरीय प्रदर्शनी में कुल 110 दुकाने लगायी गयी थी, जिसमें अरगा ब्राण्ड से जुड़े स्वयं सहायता समूहों ने अपने उत्पाद के प्रदर्शन कर प्रचार-प्रसार करते हुए उत्पादों की बिक्री किया। उ.प्र. खादी तथा ग्रामोद्योग बोर्ड द्वारा संचालित मण्डल स्तरीय पुरस्कार वितरण कार्यक

म के अर्न्तगत न्यूनतम पूंजी निवेश पर अधिकतम रोजगार प्रदान करने वाली इकाईयों को पुरस्कृत किया गया। जिसमे रोहित विश्वकर्मा पुत्र राज बहादुर ग्राम अड़ाई पोस्ट तुलसीपुर वि.ख. जमुनहा जिला श्रावस्ती को प्रथम पुरस्कार धनराशि 15000, जग प्रसाद पुत्र राम औतार पता ग्राम अकबरपुर पोस्ट दुर्जनपुर घाट गोण्डा को द्वितीय पुरस्कार धनराशि 12000 एवं गोण्डा के ही श्याम कुमारी पत्नी राज कुमार पता ग्राम व पोस्ट रामपुर टेंगरहा को तृतीय पुरस्कार धनराधि 10000 प्रदान किया गया।

प्रदर्शनी में उ.प्र. माटीकला बोर्ड द्वारा मण्डल स्तरीय माटीकला पुरस्कार वितरण कार्यकम में प्रजापति समाज व माटीकला से जुड़े परम्परागत कारीगरों द्वारा अपने द्वारा बनाये गये उत्कृष्ट उत्पादों के प्रदर्शन हेतु जनपद बहराइच के राहुल प्रजापति पुत्र सहज राम पता ग्राम व पोस्ट हमजापुरा, बहराईच को धनराशि 15000, गोण्डा की सुनीता पत्नी पूजा राम पता ग्राम गाड़ी बाजार पजावा पोस्ट करनैलगंज गोण्डा को द्वितीय पुरस्कार धनराशि 12000 व बहराइच के विश्वनाथ पुत्र राम मिलन पता ग्राम रतनावा पोस्ट चौधरीडीह, बलरामपुर को तृतीय पुरस्कार धनराशि 10000 व सभी विजेताओं को स्मृति चिन्ह, अंगवस्त्र एवं प्रमाण पत्र देकर सम्मानित किया गया।

ग्रामीणों,राहगीरों को ठंड से बचाने को युवाओं ने जलवाया अलाव

शिवगढ़एरायबरेली। पड़ रही हांड़ कपाती ठण्ड में भी जब तहसील प्रशासन ने ग्रामीण अंचल में अलाव जलवाना मुनासिब नहीं समझा तो ग्रामीणों एवं राहगीरों को ठण्ड से बचाने के लिए आगे आए ग्राम पंचायत गूढ़ा के 2 युवाओं ने गांव में अपने पास से एक नहीं आधा दर्जन से अधिक जगहों अलाव जलवाकर जो मिसाल पेश की है ग्रामीण उसकी जमकर सराहना कर रहे हैं। गौरतलब हो कि सर्द हवाओं एवं शीतलहर के चलते पिछले कई दिनों से सूर्य देवता के दर्शन नहीं हुए हैं जिससे गलन बढ़ गई है। कपकपाती ठण्ड के चलते कामकाजी लोगों को छोड़कर बूढ़े बच्चे दिन भर घरों के अन्दर दुबके रहते हैं। वहीं जरूरी काम से घरों से बाहर निकलने वाले लोगों के साथ ही राहगीर एवं व्यापारी ठण्ड से कपकपाते रहते हैं ठण्ड से बचने के लिए जिनकी निगाहें अलाव ढूढ़ती रहती हैं। ग्रामीण एवं जनप्रतिनिधियों की मांग के बावजूद जब तहसील प्रशासन द्वारा ग्राम पंचायत गूढ़ा में अलाव नहीं जलवाया गया तो आगे आए आरवी ट्रेडर्स के मालिक मनोज कुमार रावत व अयांश इण्टरप्राइजेज के मालिक पंकज वर्मा ने गूढ़ा में हनुमान मन्दिर चौराहाए डाकघर के सामनेए पुरानी बैंक के पासए अयांश इंटरप्राइजेज के सामनेए बरसाती मिल मोड़ के पासए राजकुमार वर्मा के घर के सामनेए लग्गू वीर बाबा मोड़ के पासए आरवी ट्रेडर्स के सामनेए गांधी चौराहाए इम्तियाज अहमद के घर के सामनेए जीतू की दुकान के सामने सहित आधा दर्जन से अधिक जगहों पर अलाव जलवाकर जो मिसाल पेश की है उसकी सभी सरासना रहे हैं। मनोज रावतए पंकज रावत ने बताया कि ठण्ड के चलते अलाव के पास ग्रामीणए राहगीर तथा व्यापारी दिनभर हाथ सेकते रहते हैं आलव से राहगीरों को काफी राहत मिल रही हैए जिनका कहना है कि जब तक शीतलहर चलेगी तब तक यूं ही अलाव जलता रहेगा। वहीं ग्रामीण अलाव जलवाने वाले मनोज रावतए पंकज वर्मा को खूब दुवाएं दे रहे हैं। अलाव जलवाने में निहाल खेड़ा मजरे भौसी के रहने वाले युवा समाजसेवी रोहित गौतमए खजुरों के रहने वाले मोहित विक्रमएगूढ़ा की रहने वाले सोनू वेल्डिंगए जंग बहादुर वर्मा का भी महत्वपूर्ण योगदान है।

बाइक सवार युवक ट्रेन से टकराकर घायल

ऊंचाहार.रेलवे ट्रैक पार करते समय बाइक सवार युवक ट्रेन से टकरा गयाए जिसके बाद बाइक ट्रेन में फंसकर घिसटती रहीए घटना में बाइक सवार युवक घायल हुआ हैए जिसके बाद लोकोपायलट ने ट्रेन रोककर बाइक को बाहर निकाला उसके बाद ट्रेन गंतव्य को रवाना हुईए फ्लिहाल आरपीएफमामले की जांच कर रही है।पूरे रक्षपाल मजरे अरखा गाँव के पास रविवार की दोपहर एक बाइक सवार युवक रेलवे ट्रैक पार कर रहा थाए बताते है कि इसी दौरान लखनऊ से प्रयागराज जा रही इंटरसिटी एक्सप्रेस ट्रेन से बाइक टकरा गईए घटना में बाइक सवार ट्रैक से कुछ दूरी पर जा गिरा और बाइक ट्रेन में फंसकर लगभग एक किलोमीटर तक घिसटती रहीए जिसके बाद लोकोपायलट ने ट्रेन रोककर बाइक को बाहर निकाला एइस दौरान लगभग 20 मिनट ट्रेन खड़ी रहीए जिसके बाद वो गंतव्य को रवाना हुई।बताया जा रहा है कि आरपीएफमामले की जांच पड़ताल कर रही है।

लहर नहीं ललकार है, बुंदेलखंड राज्य हमारा अधिकार:राजा बुंदेला

न्यामतपुर, हिम्मतपुर, निपनिया, सतरहजू, निबहना, सिकरी रहमानपुर, खल्ला खांखरी में मिला व्यापक जनसमर्थन

उरई (जालौन)। पृथक बुंदेलखंड राज्य की मांग लेकर बुंदेलखंड संयुक्त मोर्चा के नेतृत्व में विभिन्न संगठनों द्वारा बुंदेलखंड विकास बोर्ड के उपाध्यक्ष राजा बुंदेला के नेतृत्व में निकाली जा रही पदयात्रा रविवार को जनपद जालौन के सिम्हारा कासिमपुर से यात्रा की शुरुआत हुई न्यामतपुर, हिम्मतपुर, निपनिया, सतरहजू, निवहना, सिकरी रहमानपुर, खाल्ला खाखरी होते हुए नूरपुर में रात्रि विश्राम किया। पदयात्रा का नूरपुर में प्रवेश पर भव्य स्वागत किया गया।

राजा बुंदेला ने ग्रामीणों को बुंदेलखंड राज्य की मांग का महत्व समझाते हुए कहा कि यह बुंदेलखंड के लोगों के भविष्य की लड़ाई है। हम सभी ग्रामीणों को एक साथ मिलकर बुंदेलखंड की लड़ाई लड़नी है। उन्होंने जिले के बीहड़ क्षेत्र से हो रहे पलायन के बारे में चिंता करते हुए कहा कि रोजगार के कम अवसर होने की वजह से लोग पलायन कर रहे है। अब डकैत नहीं बचे पर पेट की वजह से लोगों को घर छोड़कर जाना पड़ रहा है। अलग बुन्देलखण्ड बनेगा तभी ग्रामीण क्षेत्रों में रोजगार के अवसर विकसित होंगे। सात नदियों का पानी बुन्देलखण्ड में होने के बाद भी बुन्देलखण्ड प्यासा है। मार्ग में तमाम जगह पर किसानों, युवाओं व विभिन्न संगठनों ने पदयात्रा का स्वागत किया। आयोजित सभा में वक्ताओं ने कहा कि बुंदेलखंड राज्य अवश्य बनेगा। बुंदेलखंड राज्य बना तो तरक्की के नए मापदंड तय करेगा। शिक्षक नेता अशोक राठौर, डा. आश्रय सिंह यात्रा संयोजक, शिवम चौहान सोनू अध्यक्ष बुन्देली सेना जालौन, सुरेन्द्र पाल सिंह बुंदेला किसान नेता, कौशल सिंह पूर्व प्रधान मुसमरिया आदि ने भी सभा को संबोधित किया। यह गौरव और अस्तित्व बचा रहे इसके लिए बुंदेलखंड संयुक्त मोर्चा पृथक बुंदेलखंड के लिए गाँव-गाँव काम कर रही है। बुंदेलखंड हर बुंदेलखंडी की मांग है। इस पदयात्रा के माध्यम से सरकार तक अपनी बात पहुंचाई जाएगी। अलग राज्य बनने पर बुँदेलखण्ड भारत का मुकुट बनेगा। इस अवसर पर राजा बुंदेला ने कहा कि बुंदेलखंड की लड़ाई को जनमानस तक ले जाने के लिए यह पदयात्रा आयोजित की गई है। भाजपा छोटे राज्यों की समर्थक है। हमें आशा है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में नया बुंदेलखंड 2027 तक आकार लेगा और जल्द बुंदेलखंड की घोषणा होगी। लेकिन हमें सरकार तक बुंदेलखंड की बात पहुँचाना है। उन्होंने विभिन्न संगठनों का एक मंच पर आने का स्वागत किया। उन्होंने अन्य संगठनों से भी पदयात्रा से जुड़ने का आह्वान किया। यात्रा में नगर एवं ग्रामीणों ने भारी संख्या में समर्थन दिया और साथ ही साथ ग्राम प्रधानों ने प्रथक बुन्देलखण्ड राज्य निर्माण हेतु राजा बुंदेला को समर्थन पत्र सौंपा। साथ ही मिलने वाला जन समर्थन के प्रति आभार व्यक्त किया। इस अवसर पर राजा बुंदेला के साथ अशोक राठौर शिक्षक नेता, डा.आश्रय सिंह यात्रा संयोजक, शिवम चौहान सोनू अध्यक्ष बुन्देली सेना जालौन, प्रताप बुंदेला किसान नेता, बीरपाल सिंह ठेकेदार मगरोल, रवि महेवा, धर्मेंद्र सिंह पूर्व प्रधान औता, रामकुमार जादौन, सोनू सिंह प्रधान पिपरौधा, रनवीर सिंह टिकवली, रविन्द्र सिंह प्रधान सिकरी रहमानपुर, महेन्द्र पाल सिंह एडवोकेट नूरपुर, मोनू निवहना, गौरव महेवा, विनय महेवा, गपोचे सिंह, राजकुमार सिंह, पुष्पेंद्र सिंह, सोनू चौहान बुंदेला, विकास लखेरा सत्यम राठौर आदि मौजूद रहे।

जरूरतमंद लोगों को किया कंबल वितरित

अमेठी। आई फाउंडेशन इंडिया ट्रस्ट द्वारा गरीब और जरूरतमंद परिवारों को कंबल और सर्दी के आवश्यक सामग्री वितरित करने का आयोजन किया गया है। इस अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में आई फाउंडेशन इंडिया ट्रस्ट की मैत्रेयी दासए मीरा यादवए ऋचा दीक्षितए नीलिमा निषादए दीपिका बरुलिया और रंजना कुमारी उपस्थित रहीं। कार्यक्रम के दौरानए ट्रस्ट की ओर से अमेठी और सुल्तानपुर के ग्रामीण क्षेत्रों में रहने वाले जरूरतमंद परिवारों को कंबल और सर्दी के आवश्यक सामग्री वितरित किए गए। ग्राम प्रधान परमोद सिंह और उनके परिवार ने पूरे कार्यक्रम को अपने घर में आयोजित करने के लिए मेजबानी कीए जिसके लिए सभी अतिथियों ने उनका आभार व्यक्त किया। इस अवसर पर मैत्रेयी दास ने कहाए ष्हमारा उद्देश्य जरूरतमंद परिवारों की मदद करना और उन्हें सर्दी के मौसम में गर्म और सुरक्षित रखना है।

नववर्ष मिलन समारोह आयोजित

फतेहपुर। कलेक्ट्रेट स्थित मीडिया जनसंपर्क केंद्र में नववर्ष मिलन समारोह का आयोजन किया गया। इस दौरान प्रेस क्लब के अध्यक्ष नागेंद्र प्रताप सिंह ने पत्रकार पुरोधा गणेश शंकर विद्यार्थी के चित्र पर माल्यार्पण कर दीप प्रज्वलन कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया। जिला पत्रकार संघ के अध्यक्ष शैलेंद्र शरन सिंपल, आचार्य कुलम के संस्थापक अध्यक्ष विनोद शुक्ला, सदर कोतवाली प्रभारी तारकेश्वर राय, चौकी इंचार्ज राजेश सिंह, विवेक श्रीवास्तव, प्रेस वेलफेयर एसोसिएशन के अध्यक्ष विवेक मिश्रा, प्रेस क्लब ऑफ यूपी के अध्यक्ष मो. शमशाद, बब्लू मौर्य, रामबाबू चतुर्वेदी, जतिन द्विवेदी, मो शाहिद, धीरेन्द्र श्रीवास्तव, दीपू मौर्य, रमेश यादव, पंकज मौर्य, जगन्नाथ, अरुण कुमार, सुनील मौर्य, शिवकरन सहित अन्य पत्रकारों ने संयुक्त रूप से केक काटकर कार्यक्रम को गति दिया। आचार्यकुलम के संस्थापक अध्यक्ष विनोद शुक्ला, जिलाध्यक्ष पुजारी संघ प्रदीप तिवारी, राजेंद्र त्रिपाठी, भोला मिश्रा, पंकज त्रिवेदी, बच्चा तिवारी, प्रदीप बाजपेई, अमित शुक्ला सहित उनकी टीम के द्वारा मंत्रोच्चारण के साथ रोली चंदन से टीका लगाकर फूलों की वर्षा की और यह संदेश दिया कि आपसी एकता में बहुत ताकत है। इस दौरान गोष्ठी का आयोजन किया गया जिसमें फतेहपुर प्रेस क्लब के अध्यक्ष नागेंद्र प्रताप सिंह ने अपने संबोधन में कहा कि हम सब इसी प्रकार एकता के साथ मिलकर रहे। नववर्ष पर यही हम सबको संकल्प लेना चाहिए। कार्यक्रम का संचालन विवेक श्रीवास्तव ने किया। कार्यक्रम में प्रमोद श्रीवास्तव, महेश सिंह, हरीश शुक्ला, शरद शुक्ला, जयकेश पांडेय, नितेश श्रीवास्तव, रईसउद्दीन, राजेश भदौरिया, मनीष पाल, डॉ. इलियास, इसरार अहमद, देवेंद्र पटेल, आशीष दीक्षित, मेराजुद्दीन, नफीस जाफरी, अनिल बाजपेई, रविंद्र सिंह, जगपाल, रवि कश्यप, कुलदीप जैन, पवन पटेल, विनय मिश्रा, मलय पांडेय, पं. निर्मल यादव शुभम मिश्रा, धीरेन्द्र राणा, अखिलेश यादव, सुनील गुप्ता, धर्मेंद्र सिंह, मनभावन अवस्थी, परमानंद पांडेय, प्रवीण सिंह, चमन शीबू, नीरज पटेल, गुफरान नकवी, विक्टर रॉबर्ट, सचिन अवस्थी, सोनू सहित तमाम पत्रकार मौजूद रहे।

संस्थापक की पुण्यतिथि पर जरूरतमंदों को बांटे कंबल

फतेहपुर। श्रीकृष्ण आदर्श विद्या मंदिर खंभापुर के संस्थापक सदस्य स्मृति शेष रामगोपाल यादव की 10 वीं पुण्यतिथि मनाई गई। संस्था के प्रबंधक सीताराम यादव एवं उपाध्यक्ष डॉ वकील अहमद ने प्रतिमा पर माल्यार्पण कर श्रद्धांजलि अर्पित की। इसके बाद चिन्हित खंभापुर वार्ड की दिव्यांग, वृद्धा, विधवा महिलाओं को लगभग 20 जरूरतमंद लोगों को कंबल वितरित किए। सभी महिलाएं इस कपकपाती ठंड में कंबल पाकर खुशी से मुस्कुराने लगी। कार्यक्रम का संचालन चैतन्य कुमार ने किया। इस अवसर पर विद्यालय के प्रधानाचार्य मनीष कुमार सिंह, समाजसेविका कृष्णा वृजरानी, हस्मतुन निशा, ज्ञानेश्वरी, मंगलेश, सारिका देवी आदि उपस्थित रहे।

राज्यमंत्री ने गरीबों को बांटे कम्बल

खिचड़ी भोज का किया आयोजन, विशाल समारोह में पूर्व सांसद भी रहे मौजूद

कानपुर देहात। रविवार को रनिया कस्बा स्थित भगवान परशुराम मंदिर प्रांगण में उत्तर प्रदेश सरकार की राज्यमंत्री व सदर विधायक प्रतिभा शुक्ला एवं पूर्व सांसद अनिल शुक्ला वारसी ने विशाल कंबल वितरण समारोह का आयोजन कर करीब 10 हजार जरूरतमन्दों को कंबल वितरित किया। साथ ही खिचड़ी भोज का आयोजन कर अपने हाथों से खिचड़ी वितरण की। कंबल लेने के लिए अकबरपुर रनिया विधानसभा के कई गांवों के काफी संख्या में बुजुर्ग पहुंचे थे। ठंड में कंबल मिलते ही जरूरतमंदों के चेहरे खिल गए। मंत्री प्रतिभा शुक्ला व पूर्व सांसद वारसी ने नया साल बुजुर्गों को कंबल वितरण कर मनाया। राज्यमंत्री प्रतिभा शुक्ला ने कहा कि सर्दी के मौसम में कोई भी गरीब या असहाय शीतलहर से परेशान न हो। यही कारण है कि कंबल वितरण कार्यक्रम आयोजित किया गया है ताकि लोगों को राहत मिल सके। गरीब एविधवा ए विकलांगों एवं असहाय लोगों को कंबल देकर जो सुख की अनुभूति हो रही है एउसके हम शब्दों में नहीं बता सकते है। पूर्व सांसद वारसी ने कहा कि उनका उद्देश्य सभी जरूरतमंदों को कड़ाके की ठंड से बचाने के लिए हरसंभव सहायता प्रदान करना है। ठंड से बचाने के लिए 10 हजार जरूरतमंदों को कंबल वितरण किए गए। कंबल वितरण के साथ ही बुजुर्गों को खिचड़ी खिला कर उनको ससम्मान विदा किया गया है। इस मौके पर ऋषभ शुक्ला एवाउवा पाण्डेय एमहेश तिवारी एअंशु त्रिपाठी एसंजय पांडे एधर्मेंद्र कुशवाहाए बीनू मिश्राए अरुण त्रिपाठीए नितिन कुशवाहा एशिवा पाण्डेयए भारत यादवए रामजी दुबे एगुड्डू बाजपेई एसंजय द्विवेदी एउमा द्विवेदी एसोनू मिश्राए बउवन द्विवेदी एसर्वेश गौतम एधर्मेंद्र मिश्राए अनूप कश्यपए आकाश मिश्राएनीलू शुक्लाए सत्यम सक्सेनाए राजकिशोरए शिवकेश एरामसिंह यादव एशिवम एअमित तिवारी एरजत ए राजकिशोरए हरिप्रकाशए संजय सिंह एअंकित परमारए करन भदौरिया तुषार मिश्रा एकामिनी द्विवेदी एसिमा द्विवेदी आदि मौजूद रहे।

ज़िला पत्रकार संघ ने तांबेश्वर मन्दिर में आयोजित किया भंडारा

फतेहपुर। नूतन वर्ष 2024 के अवसर पर ज़िला पत्रकार संघ/एसो. द्वारा सिद्धपीठ तांबेश्वर मन्दिर के बाहर विस्तारित भंडारे का आयोजन किया गया। इस अवसर पर संघ अध्यक्ष अजय सिंह भदौरिया ने सर्वप्रथम भोले बाबा को पूड़ी-सब्जी एवं बूंदी का भोग लगाया और फिर प्रसाद वितरण शुरू हुआ। इस अवसर पर आए हुए लोगों ने भोले बाबा के दर्शन भी किए। श्री भदौरिया ने बताया कि नए वर्ष पर संगठन द्वारा प्रत्येक वर्ष कार्यक्रम आयोजित किया जाता है, इसी कड़ी में कार्यकारिणी द्वारा लिए गए निर्णय के तहत इस वर्ष भोले बाबा के दरबार में भंडारे का आयोजन किया गया है। प्रातः ग्यारह बजे के करीब शुरू हुआ प्रसाद वितरण शाम तक चलता रहा। प्रमुख रुप से फतेहपुर प्रेस क्लब के अध्यक्ष नागेंद्र प्रताप सिंह, प्रमोद श्रीवास्तव, महेश सिंह, आशीष दीक्षित, जयकेश पाण्डेय, अमन तिवारी, अवनीश सिंह चौहान, राजेश सिंह भदौरिया, हरीश शुक्ला, नितेश श्रीवास्तव, मनीष पाल, अखिलेश यादव, धीरेन्द्र बाजपेई, आशीष सिंह चंदेल, ओम प्रकाश सिंह, रोहित गुप्ता, संदीप शुक्ला, जावेद अहमद, रवी सिंह, यश द्विवेदी, रमेश सिंह यादव, शिव कुमार, महेंद्र गुप्ता, सुजान सिंह, नरेंद्र श्रीवास्तव आदि पत्रकार मौजूद रहे।

15 जनवरी को पूर्व सैनिक मनायेंगे 77वाँ सेना दिवस

फतेहपुर। भूतपूर्व सैनिक उत्थान की मासिक बैठक में बतौर मुख्य अतिथि पूर्व ब्लाक प्रमुख राजेन्द्र शुक्ला मौजूद रहे। उन्होंने कहा कि सैनिक संगठन सैनिकों के अतिरिक्त समाज के दबे कुचले लोगों के लिए भी कार्य करेगा। अध्यक्षता कर रहे संगठन के ज़िला अध्यक्ष विद्या भूषण तिवारी ने बताया कि पूर्व की भांति इस वर्ष भी 77वाँ सेना दिवस धूम धाम से मनाया जाएगा। बताया कि 15 जनवरी 1949 को भारतीय सेना के प्रथम सेना अध्यक्ष के. एम. करिअप्पा ने अंतिम ब्रिटिश कमांडर इन चीफ जनरल फ्रांसिस इन बूचर से पदभार ग्रहण किया था तभी से 15 जनवरी को सभी शहीदों को सम्मान देने के लिए सेना दिवस मनाया जाता है। सर्व प्रथम तीनों सेना के सेना अध्यक्ष तथा प्रधानमंत्री ने इंडिया गेट पर अमर जवान ज्योति पर पुष्प चक्र चढ़ा कर सम्मान देते हैं। इसी क्रम में फतेहपुर जनपद में भी उनकी याद में अमर जवान ज्योति प्रज्वलित करके पुष्प चक्र चढ़ाया जायेगा।

नई किरण में 26 मामले आये

कानपुर देहात। स्थानीय पुलिस लाइन स्थित सभागार कक्ष में प्रोजेक्ट नई किरण की शुरुआत पुलिस अधीक्षक बीबीजीटीएस मूर्ति की अध्यक्षता में की गई। नई किरण में 26 मामले आयेए जिनमें नई किरण के सभी सदस्यों द्वारा समझाने के बाद 02 परिवारों में आपसी सुलह समझौते के आधार पर समझौता कराया गया। पति.पत्नी खुशी.खुशी साथ रहने को तैयार हो गयेए शेष प्रार्थना पत्रों में आगे की तिथि दी गयी। प्रोजेक्ट नई किरण के तहत बिखरे परिवारों को एक सूत्र में बांधने का प्रयास है। इस कार्यक्रम में म0नि0 श्रीमती सीमा सिंह ;प्रभारी महिला प्रकोष्ठद्धए महिला थानाध्यक्ष श्रीमती सुषमाए म0का0 190 प्रियंका गुप्ताए म0का0 785 स्मृतिए म0का0 1282 आरती व म0का0 111 ज्योती शिखा ;महिला सहायता प्रकोष्ठद्ध तथा नई किरण प्रोजेक्ट के सदस्यगण श्रीमति कंचन मिश्राए डॉ0 पूनम गुप्ता आदि मौजूद रहे तथा सबका विशेष सहयोग रहा।

वांछित अभियुक्त को किया गिरफ्तार

कानपुर देहात पुलिस अधीक्षक बीबीजीटीएस मूर्ति के कुशल निर्देशन में जनपद कानपुर देहात में महिला सम्बन्धी अपराधों की रोकथाम हेतु चलाये जा रहे विशेष अभियान के क्रम मेंए दिनांक 22ण्12ण्2024 को वादी द्वारा दी गई लिखित तहरीर के आधार पर थाना भोगनीपुर पर मु0अ0सं0 376ध्2024 धारा 137;2द्धध्87ध्61;2द्धध्65;1द्ध बीएनएस व 3ध्4;2द्ध पोक्सो एक्ट बनाम 06 नफर नामजद अभियुक्तगण पंजीकृत किया गया था। मुकदमा उपरोक्त में थाना भोगनीपुर पुलिस द्वारा कार्यवाही करते हुये आज दिनांक 05ण्01ण्2025 को मुखबिर खास की सूचना पर वांछित अभियुक्त अनिरुद्ध उर्फ गोलू पुत्र रामदीन निवासी सिमरा शेखपुर थाना सिरसा कलार जनपद जालौन उम्र लगभग 21 वर्ष को समय करीब 11ण्05 बजे किसान सेवा आश्रम पुखरायाँ के पास थाना भोगनीपुर जनपद कानपुर देहात से गिरफ्तार किया गया। गिरफ्तारशुदा अभियुक्त को माननीय न्यायालय के समक्ष नियमानुसार प्रस्तुत किया गया।

कल्याण सिंह की जयंती पर श्रद्धांजलि अर्पित की

कानपुर देहात। पद्म.विभूषणए प्रखर राष्ट्रवादी चिंतकए हिन्दू हृदय सम्राटए श्रीराम जन्मभूमि आंदोलन के अग्रणी नायकए भारतीय जनता पार्टी के वरिष्ठ नेता एवं उत्तर प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री श्रद्धेय कल्याण सिंह स्वाबूः जी की जयंती के अवसर पर श्रद्धांजलि सभा में उनके छायाचित्र पर पुष्प अर्पित कर उन्हें नमन किया। श्याम बिहारी शुक्ला ; पूर्व जिला उपाध्यक्ष द्धए डॉक्टर शैलेंद्र पांडेए श्री बालकिशन पांडेए मानसिंह यादवए आशुतोष मिश्राए राम जी शुक्लाए नारायण गुप्ताए नवनीत गुप्ताए मुन्नन द्विवेदीए अरुण पांडेए वीरू गुप्ताए अंशुल बाजपेई सभासदए सौरभ यादव मंडल अध्यक्ष युवा मोर्चाए अभिषेक शुक्ला आदि कार्यकर्ता जन मौजूद रहे। दस मौके पर पूर्व जिला उपाध्यक्ष ने कहा कि श्रद्धेय बाबूजी जी के अद्भुत विचारए जनसेवा और संगठन के प्रति उनका समर्पण हम सभी के लिए सदैव प्रेरणादायी रहेगा।

महान सिद्ध संत थे स्वामी रोटीराम और सिसोलर वाले महाराजः स्वामी प्रेमानंद महाराज

सुमेरपुर। वृंदावन के चर्चित संत स्वामी प्रेमानंद जी द्वारा अपने प्रवचन में उत्तर भारत के दो महान संतों गायत्री तपोभूमि सुमेरपुर में साधनारत रहे स्वामी रोटीराम जी और सिसोलर वाले महाराज की दिव्यता और सिद्धता की चर्चा कर उनके करोड़ों भक्तों को गौरवान्वित किया है वीडियो के माध्यम से दोनों संतो की सिद्धता और महानता का वर्णन सुनकर सुमेरपुर क्षेत्र के भक्त विशेष हर्ष का अनुभव कर रहे है।स्वामी प्रेमानंद जी ने प्रवचन में कहा कि स्वामी रोटीराम सिद्ध संत थे सीधे दृष्टि डालते ही वहीं बोलते थे जो सामने वाले के आचरण में होता था लोग उनके सामने जाने से डरते थे वे रात 9 बजे झोपड़ी के अंदर बनी गुफा में समाधिस्थ हो जाते थे और सुबह 9 बजे बाहर आते थे। ब्रह्मलीन होने के पहले उन्होंने वहां मौजूद भक्तों से कहा था हम जा रहे हैं उनके जीवन और सिद्धताओं ने जनपद के अनेक भक्तों को आध्यात्मिक मार्ग पर चलने की प्रेरणा दी। उन्होंने कहा कि सिसोलर वाले महाराज स्वामी रोटीराम जी के गुरु भाई और जीवन मुक्त संत थे जब उन्हें स्वामी रोटीराम जी के ब्रह्मलीन होने का समाचार मिला तो वे इतने व्यथित हुए कि 20 वर्षों तक एक ही स्थिति में साधनारत रहे। उनकी दिव्यता का यह आलम था कि सुबह उनकी पादुकाएं गंगा जल से गीली और उनके शरीर पर रेणुका लगी मिलती थी। उन्होंने बताया कि उन्हें भी यह सुनकर आश्चर्य हुआ था तो सिसोलर पैदल चल कर गए थे और दर्शन लाभ प्राप्त किया था यह दृश्य भक्तों के लिए उनके ईश्वर से जुड़े होने का स्पष्ट प्रमाण था।

पुण्यतिथि पर नगर पालिका सभागार में याद किए गए पं. सियाराम मिश्र

गोला गोकर्णनाथ खीरी नगर के प्रसिद्ध साहित्यकार रहे श्रद्धेय पं0 सियाराम मिश्र को उनकी पुण्यतिथि पर नगर पालिका परिषद में उनकी प्रतिमा पर माल्यार्पण कर श्रद्धांजलि अर्पित की गई तथा सभागार में श्रद्धेय पं0 सियाराम मिश्र के जीवनवृत्त पर अपने विचार व्यक्त करते हुए मुख्य अतिथि भाजपा नेता धर्मेन्द्र गिरि मोंटी ने कहाएपं0 सियाराम मिश्र दूरदर्शी एसादगी पसंद साहित्यकार थे। नगर पालिका अध्यक्ष विजय शुक्ला रिंकू ने पं0 सियाराम मिश्र का जीवन संघर्ष पूर्ण रहा है। उनके साहित्य को देश विदेश में सम्मान मिला। के के शुक्ला एरामकुमार गुप्ताए अवधेश मिश्राए प्रमोद दीक्षित ने शब्दांजलि अर्पित की। कार्यक्रम का संचालन मधुकर सैदाई ने किया इस अवसर पर शशिकांत मिश्रए बृजेश कुमार तिवारीए राजन मिश्राए अनिल कुमार टण्डन पूर्व सभासदए सुरेश चन्द्र शुक्लाएसभासद रियाजुद्दीन एधर्मेन्द्र बाल्मीकिए धर्मेन्द्र तिवारीए रज्जन खान ए साहिद अंसारी एआशीष अवस्थीए वरिष्ठ लिपिक अमित श्रीवास्तवए पूर्व सभासद पियूष मिश्राए सुनील मिश्रा शिवम गुप्ताए रेखा मिश्राए गीता विश्वकर्माए प्रदीप खतौलियाए विमलेश वर्माए धीरज बाजपेयीए विजय मिश्राए रविन्द्र कटियारए शत्रोहन मिश्रा सहित अनेक लोग उपस्थित रहे।

आदित्य कुमार उत्तर प्रदेश की टीम में चयनित

गोला गोकर्णनाथ खीरी।आदित्य कुमार पुत्र राजेन्द्र कुमार निवासी मो0 मुन्नुगंज गोला का चयन सीनियर नेशनल सेपक टाकरा टूर्नामेंट उत्तर प्रदेश की टीम में हुआ है। जो कि तेलंगाना राज्य में दस जनवरी से चौदह जनवरी तक आयोजित होगा। उत्तर प्रदेश की टीम से सेपक टाकरा में आदित्य कुमार के चयन होने की खुशी में गोला विधायक अमन गिरि ने आदित्य कुमार को फूल माला पहनाकर सम्मानित किया और टूर्नामेंट में जीतने की अग्रिम बधाई दी। इस अवसर पर सेपक टाकरा एसोसिएशन के जिलाध्यक्ष राजेन्द्र कुमार ने बताया कि इससे पहले गोला निवासी आदित्य कुमार ने 2021 में सीनियर नेशनल सेपक टाकरा पंजाब में तथा 2023 में नागपुर सीनियर नेशनल सेपक टाकरा चैंपियनशिप में एवं 2023 में ही गोवा में आयोजित नेशनल सेपक टाकरा खेल में प्रतिभाग किया था। जिसके लिये आदित्य कुमार को उत्तर प्रदेश सरकार तथा उत्तर प्रदेश खेल विभाग के द्वारा नागपुर में ब्रांज मेडल जीतने पर 50 हजार रुपये की नकद धनराशि पुरस्कार के रूप में दिया गया था। सम्मान समारोह के इस अवसर पर रिटायर्ड सूबेदार मेजर राजेश्वर सिंहए धर्मेन्द्र गिरी मोंटी सेपक टाकरा एसोसिएशन जनपद लखीमपुर खीरी की जिलाध्यक्ष राजेन्द्र कुमारए टोनी साहनीए राजन साहनीए धर्मेन्द्र सिंह रिंकूए भोली गिरीए आशीष बाजपेई आदि ने भी आदित्य कुमार को सम्मानित कर उनके उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएं दी।

ज्वैलरी की दुकान से चोरों ने लाखों के जेवरात पर किया हाथ साफ

शटर और चैनल काट प्रतिष्ठान में हुए दाखिल

शातिर चोर कहां से आ गएए पुलिस सूत्रों के अनुसार चोरी के खुलासे के लिए कई पुलिस टीमों का गठन किया गया है।

संडीला;हरदोईद्ध। एक सर्राफ की दुकान का चैनल और शटर तोड़कर शातिर चोरों ने दुकान में प्रवेश कर सोने और चांदी के जेवर जिनकी कीमत लाखों रुपए है, पर हाथ साफ कर दिया। प्राप्त जानकारी के अनुसार कछौना कस्बा के मोहल्ला पूर्वी बाज़ार निवासी रामशंकर गुप्ता की स्टेशन रोड पर विशाल ज्वैलर्स और विशाल वस्त्रालय नामक दो दुकाने हैं। रामशंकर गुप्ता के अनुसार वो और उनके पुत्र विशाल दोनों शनिवार की शाम अपनी दुकानें बंद करके घर चले गए। रविवार की सुबह जब दोनों लोग अपनी दुकानें खोलने के लिए आए तो दुकान के बाहर के चैनल और शटर को टूटा हुआ देखकर सन्न रह गए। यह खबर फैलते ही कछौना बाजार में हड़कंप मच गया। सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंची और दुकान के अंदर प्रवेश करके जब देखा गया तो वहां दुकान के सीसीटीवी और डीवीआर तक चोर उखाड़कर अपने साथ ले गए थे। रामशंकर गुप्ता के अनुसार दुकान में 100 ग्राम सोने और 15 कि0ग्रा0 चांदी के जेवरात तथा नकदी रखी थीए जिसपर चोरों ने हाथ साफ कर दिया। इसके बाद पुलिस ने छानबीन शुरू की। पुलिस को दुकान के पीछे स्थित ईंट भट्ठे के पास सरसों के एक खेत से चोरी किए गए आभूषणों के खाली डिब्बे पड़े हुए मिले जिन्हें पुलिस ने अपने कब्जे में ले लिया। इस सनसनीखेज चोरी की सूचना मिलने पर अपर पुलिस अधीक्षक नृपेन्द्र सिंहए सीओ सत्येन्द्र सिंह भी मौके पर पहुंचे। पुलिस द्वारा फॉरेंसिक टीम को भी बुलाया गया। फॉरेंसिक टीम ने घटना स्थल का बारीकी से निरीक्षण और जांच की तथा घटना स्थल से फिंगरप्रिंट भी लिए। इस बड़ी चोरी से एक बार पुनः लोगों में भय की लहर दौड़ गयी है। बताते चलें कि अभी 3 दिन पूर्व ही कुदौरी के पूर्व प्रधान उज़ैर अहमद के घर 4 माह पहले हुई चोरी का खुलासा करने तथा और 4 शातिर चोरों को गिरफ़्तार करने की घोषणा की थी। लोग यह सवाल भी पूछ रहे हैं कि आखिर जब शातिर चोर पकड़े जा चुके थेए तो यह नए

ट्राईसाइकिल पर जा रहे दिव्यांग की बाइक की टक्कर से मौत

संडीला;हरदोईद्ध। ट्राईसाइकिल से सब्ज़ी लेकर घर लौट रहे वृद्ध दिव्यांग की बाइक की टक्कर से दुखद मौत हो गयी। प्राप्त जानकारी के अनुसार कोतवाली बेनीगंज के अंतर्गत ग्राम चिंताखेड़ा निवासी 65 वर्षीय गंगाराम शुक्रवार की शाम अपनी ट्राईसाइकिल से बेनीगंज बाज़ार सब्ज़ी खरीदने के लिए गए थे। सब्ज़ी लेकर वापस लौटते समय जब वह प्रतापनगर बेनीगंज मार्ग पर ट्रांसफ़ॉर्मर के पास पहुंचे तो सामने से आ रहे एक बाइक सवार ने ट्राईसाइकिल को टक्कर मार दी जिससे गंगाराम गंभीर रूप से घायल हो गए। उन्हें पहले सीएचसी कोथावां ले जाया गयाए जहां से उन्हें मेडिकल कॉलेज रेफ़र कर दिया गया। इलाज के दौरान गंगाराम की मौत हो गयी। पुलिस के अनुसार पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट आने के बाद इस मामले की रिपोर्ट दर्ज कर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

आर्य समाज के कार्यक्रम में वेद मंत्र और भजनों से गूंजा सत्संग भवन

सुमेरपुर(हमीरपुर)। आर्य समाज भरुआ सुमेरपुर के सत्संग भवन में आयोजित साप्ताहिक यज्ञ कार्यक्रम आज भक्तिमय वातावरण में संपन्न हुआ। यज्ञ के ब्रह्मा श्री राम आर्य ने मुख्य यजमान रुबी आर्या के साथ मिलकर यज्ञ कार्यक्रम को पूर्ण किया। यज्ञ के उपरांत रुबी आर्या ने भजन प्रस्तुत कर उपस्थित जनसमूह को भावविभोर कर दिया। गुरुकुल चोटीपुरा की ब्रह्मचारिणी ओंशिका आर्या ने यजुर्वेद के अठारहवें मंत्र की विस्तृत व्याख्या की। इसके बाद रामनारायण आचार्य ने महर्षि दयानंद सरस्वती के जीवन चरित्र की प्रेरक कथा सुनाई। श्री राम आर्य ने सत्यार्थ प्रकाश के 126वें मंत्र का वर्णन करते हुए आर्य समाज की शिक्षाओं पर प्रकाश डाला। कार्यक्रम का समापन आदर्श आर्य द्वारा आर्य समाज के दस नियमों और शांति पाठ के साथ किया गया। इस अवसर पर उपस्थित विशिष्ट जनों में श्रीराम आर्यए गंगा सागरए रामनारायण आचार्यए आदर्श आर्यए लोटन प्रसाद आर्यए बलिराम कुशवाहाए सुमेधा आर्याए रुबी आर्याए राधा आर्याए अवंतिका आर्या आदि शामिल रहे।

बीमार पत्रकार का हालचाल लेने पहुंचे सांसद

फतेहपुर। एक हिंदी दैनिक समाचार पत्र के जिला संवाददाता नफीस अहमद उर्फ मुन्ना राईन एक माह से बीमार चल रहे हैं। इसकी जानकारी मिलते ही जिले के सांसद नरेश उत्तम पटेल व सपा जिलाध्यक्ष सुरेन्द्र सिंह यादव ने खागा स्थित उसके आवास पहुंचकर मुलाकात कर कुशल क्षेम पूछा तत्पश्चात प्रतीक चिन्ह के रूप में साइकिल भेंटकर उनके शीघ्र स्वास्थ्य लाभ की ईश्वर से कामना की। इस मौके पर राजू कुर्मी, साबिर अली सिद्दीकी मौजूद रहे।

याद किए गए विद्यालय के संस्थापक

गुरसहायगंज, कन्नौज। तेराजाकेट स्थित बाबू जागेश्वर प्रसाद मेमोरियल इण्टर कालेज में संस्थापक स्व. जागेश्वर प्रसाद यादव (जे.पी.बाबू) की 17वीं पुण्यतिथि के अवसर पर एक श्रद्धांजलि सभा का आयोजन किया गया। इस अवसर पर विद्यालय के शिक्षकों ने उनके चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित कर उन्हें श्रद्धांजलि दी। रविवार को आयोजित श्रद्धांजलि सभा में उनके चित्र पर पुष्प अर्पित करने के उपरान्त प्रधानाचार्य अमित यादव ने दादाजी के योगदान को याद करते हुए कहा कि उन्होंने शिक्षा के माध्यम से समाज में बदलाव लाने का सपना देखा और उसे साकार किया। इस विद्यालय की स्थापना कर उन्होंने क्षेत्र के बच्चों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा का अवसर प्रदान किया। उनकी दूरदृष्टि और समर्पण का यह परिणाम है कि आज यह संस्थान हजारों छात्रों के जीवन को बेहतर बना रहा है। डा. अशोक कुमार ने दादाजी का योगदान याद करते हुये कहा कि उन्होंने उस समय शिक्षा की अलख जगाई, जब क्षेत्र में संसाधनों की कमी थी। उन्होंने गांव-गांव जाकर लोगों को शिक्षा के महत्व के प्रति जागरूक किया और बालिकाओं की शिक्षा पर विशेष जोर दिया। उनका मानना था कि शिक्षित समाज ही उन्नति का मार्ग प्रशस्त कर सकता है।

खड़े ट्रक में ट्रक घुसने से चालक की मौत

फतेहपुर। थरियांव थाना क्षेत्र के सुधवां मोड़ के समीप एनएच-2 पर रविवार की भोर रोड किनारे खड़े ट्रक से पीछे से आ रहे ट्रक ने टक्कर मार दिया। जिससे 65 वर्षीय चालक गंभीर रूप से घायल हो गया। इलाज के लिए जिला चिकित्सालय लाया गया। जहां कुछ देर बाद उसकी मौत हो गयी। जानकारी के अनुसार प्रतापगढ़ जनपद के थाना लीलापुर गांव पूरे नहर का पुरवा निवासी स्व0 इस्लाम का पुत्र इमामुद्दीन ट्रक चालक था। बताते हैं कि ट्रक लेकर जा रहा था। रविवार की भोर सुधवा मोड़ के समीप एनएच-2 में हाइवे किनारे खड़े ट्रक से जा टकराया। जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गया।

लंबित विवेचनाओं को समय पर पूर्ण करें

सीओ सदर ने अधीनस्थों की समीक्षा बैठक में दिए निर्देश

गुरसहायगंज, कन्नौज। पुलिस अधीक्षक अमित कुमार के निर्देश पर पुलिस कार्यप्रणाली को बेहतर बनाने के उद्देश्य से सदर क्षेत्राधिकारी कमलेश कुमार ने स्थानीय कोतवाली में निरीक्षकों व उपनिरीक्षकों के साथ एक समीक्षा बैठक की। इस दौरान उन्होंने लंबित विवेचनाओं को समय रहते निस्तारित करने के निर्देश दिये। बीती देरशाम स्थानीय कोतवाली में सदर क्षेत्राधिकारी कमलेश कुमार ने निरीक्षकों व उपनिरीक्षकों के साथ बैठक लेते हुये विवेचना निस्तारण, जनसुनवाई के प्रार्थना पत्रों, आइजीआरएस निस्तारण, अपराधियों के सत्यापन की समीक्षा की गई तथा रात्रि गस्त, अवैध तरीके से किसी को थाने चौकी पर नहीं बिठाने के संबंध में उच्चाधिकारियों के आदेश निर्देशों से अवगत कराने के उपरान्त कहा कि विवेचनाओं को अनावश्यक लंबित रखने से न केवल मामलों का समाधान देरी से होता है बल्कि इससे पीड़ित पक्षों में असंतोष भी बढ़ता है। बैठक में अपराधों को रोकने के लिए पेट्रोलिंग को बढ़ाने और संवेदनशील इलाकों पर विशेष ध्यान देने के निर्देश दिए गए। उन्होंने उपनिरीक्षकों से उनकी जिम्मेदारियां स्पष्ट कीं और कहा कि किसी भी प्रकार की लापरवाही को बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। इस दौरान प्रभारी कोतवाल विष्णुकांत तिवारी, निरीक्षक शैलेन्द्र कुमार सिंह, उपनिरीक्षक राजेश प्रताप सिंह, ज्ञानेन्द्र सिंह, रावेन्द्र सिंह, प्रदीप कुमार, मोहनलाल, सुनील चौधरी आदि मौजूद रहे।

भाजपा किसी परिवार की नहीं बल्कि कार्यकर्ताओं की पार्टी है: फडणवीस

भाषा। नागपुर

महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेन्द्र फडणवीस ने रविवार को कहा कि भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) एकमात्र राष्ट्रीय पार्टी है, जो किसी परिवार की नहीं, बल्कि कार्यकर्ताओं की पार्टी है। पार्टी के एक कार्यक्रम में संबोधित करते हुए फडणवीस ने भाजपा को एक लोकतांत्रिक संगठन बताया। उन्होंने कहा कि देश में 2,300 से ज़्यादा पंजीकृत पार्टियां हैं, लेकिन राष्ट्रीय पार्टियों की गिनती उंगलियों पर की जा सकती है। उन्होंने कहा कि केवल दो पार्टियां हैं – भाजपा और भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी – जो किसी परिवार की नहीं है।

फडणवीस ने कहा कि 2,300 पार्टियों में से लगभग सभी निजी स्वामित्व वाली हैं। उन्होंने कहा, भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी अब राष्ट्रीय पार्टी नहीं रही। लेकिन भाजपा एकमात्र राष्ट्रीय पार्टी है, जो लोगों और पार्टी कार्यकर्ताओं की पार्टी है। पार्टी का स्वामित्व किसी नेता के पास नहीं है और इसका अपना संविधान है। मार्क्सवादी कम्युनिस्ट पार्टी (माकपा) एक राष्ट्रीय पार्टी है।

प्रधानमंत्री की साधारण पृष्ठभूमि का जिक्र करते हुए फडणवीस ने कहा कि भाजपा एकमात्र ऐसी पार्टी है, जहां एक लड़का जो कभी चाय बेचता था, वह पहले (गुजरात का) मुख्यमंत्री और फिर प्रधानमंत्री बना। उन्होंने कहा कि मोदी का राजनीति में कोई रिश्तेदार या गॉडफादर नहीं है, फिर भी वह शीर्ष पद पर पहुंच सके। अपनी राजनीतिक यात्रा के बारे में बताते हुए फडणवीस ने कहा कि उन्होंने बूथ स्तर से शुरुआत की, वार्ड अध्यक्ष बने और तीन बार मुख्यमंत्री बने। उन्होंने कहा, यह केवल भाजपा में ही संभव है। यह लोगों और पार्टी कार्यकर्ताओं की पार्टी है। भाजपा ने महाराष्ट्र से 1.5 करोड़ सदस्य बनाने का लक्ष्य रखा है। फडणवीस ने बाद में पत्रकारों से बात करते हुए कहा कि राज्य भर में एक लाख बूथों पर रविवार को विशेष सदस्यता अभियान चलाया जा रहा है, जिसका लक्ष्य 25 लाख सदस्य बनाना है।

महाराष्ट्र सरकार सरपंच हत्या मामले की दृढ़ता से जांच कर रही: सीएम

नागपुर। महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने रविवार को कहा कि राज्य सरकार बीड जिले के मसजोग गांव के सरपंच संतोष देशमुख की हत्या मामले की पूरी दृढ़ता के साथ जांच कर रही है और अपराध में शामिल लोगों को बख्शा नहीं जाएगा। फडणवीस ने पत्रकारों से कहा कि संतोष देशमुख की हत्या मामले का राजनीतिकरण नहीं किया जाना चाहिए। देशमुख की नौ दिसंबर को उस समय हत्या कर दी गई थी, जब उन्होंने बीड में पवनचक्की परियोजना संचालित करने वाली एक ऊर्जा कंपनी से जबरन वसूली की कोशिश को रोकने का प्रयास किया था। महाराष्ट्र के मंत्री एवं राकांपा के नेता धनंजय मुंडे के सहयोगी वाल्मीक कराड को जबरन वसूली के मामले में गिरफ्तार किया गया था। हत्या के मामले में अब तक सात लोगों को गिरफ्तार किया जा चुका है।

मुख्यमंत्री ने कहा, बीड मामले में सरकार और पुलिस पूरी ताकत और दृढ़ संकल्प के साथ काम कर रही है। दोषियों को बख्शा नहीं जाएगा। उन्होंने कहा कि देशमुख एक लोकप्रिय सरपंच थे लेकिन उनकी मौत मामले का राजनीतिकरण नहीं किया जाना चाहिए। फडणवीस ने कहा, आरोपी भले ही फरार हों, लेकिन कार्वाई की जा रही है। हम उन लोगों को नहीं बख्श रहे हैं जिन्होंने आरोपियों की मदद की। जांच एजेंसियों को मामले की सही तरीके से जांच करने की अनुमति दी जानी चाहिए। पुलिस ने शनिवार को बताया कि उन्होंने फरार आरोपियों सुदर्शन चंद्रभान घुले (26) और सुधीर सांगले (23) को पुणे से पकड़ लिया है और सिद्धार्थ सोनवणे को गिरफ्तार कर लिया है, जिसकी साजिश में कथित भूमिका जांच के दौरान सामने आई थी। पुलिस ने पहले हत्या के मामले में जयराम माणिक चांगे (21), महेश सखाराम केदार (21), प्रतीक घुले (24) और विष्णु चाटे (45) को गिरफ्तार किया था जबकि एक अन्य आरोपी कृष्णा आंधले अब भी फरार है।

असम में 2026 के चुनाव के लिए प्रदेश कांग्रेस की बड़े पैमाने पर राज्यव्यापी फेरबदल करने की योजना

गुवाहाटी। कांग्रेस की असम इकाई के अध्यक्ष भूपेन कुमार बोरा ने रविवार को कहा कि वह अगले साल होने वाले विधानसभा चुनाव को ध्यान में रखते हुए फरवरी में पूरे राज्य में पार्टी पदाधिकारियों की फेरबदल करेंगे। उन्होंने साक्षात्कार में कहा कि पिछले साढ़े तीन वर्षों में पार्टी पदाधिकारियों की क्षमता, प्रतिबद्धता और प्रदर्शन का आकलन करने के बाद लगभग 90 प्रतिशत पदाधिकारियों को बदल दिया जाएगा। बोरा ने कहा, मैं अगले साल होने वाले विधानसभा चुनाव को ध्यान में रखते हुए पार्टी को मजबूत करने के लिए फरवरी में राज्यव्यापी फेरबदल करूंगा।

उन्होंने कहा कि पार्टी संगठन में बड़ा फेरबदल बूथ (मतदान केंद्र) से लेकर राज्य स्तर तक होगा और कांग्रेस के केंद्रीय नेतृत्व ने भी प्रस्तावित फेरबदल पर अपनी सहमति दे दी है। बोरा ने कहा, जब मैंने 2021 में प्रदेश कांग्रेस के अध्यक्ष के रूप में कार्यभार संभाला, तो पार्टी लगातार दूसरी बार राज्य चुनाव हारने के बाद हतोत्साहित थी। उस समय, कई विधायक और पार्टी नेता हमें छोड़कर भाजपा में शामिल हो गए थे। उन्होंने कहा कि लेकिन अब स्थिति बदल गई है और आम लोग राज्य में सत्ता परिवर्तन चाहते हैं।

बोरा ने कहा, अब लोग वापस आ रहे हैं और कांग्रेस में शामिल हो रहे हैं। इसलिए, हमारे पास पार्टी में अधिक योग्य और पात्र लोग हैं। जिनमें जो क्षमता है, उन्हें उसी के अनुसार मौका मिलेगा। उन्होंने राज्य में आगामी पंचायत चुनाव और उसके लिए पार्टी की तैयारियों के बारे में भी बात की। बोरा ने कहा, राज्य स्तर पर कोई गठबंधन नहीं होगा, लेकिन जिला इकाइयों को समान विचारधारा वाले विपक्षी दलों के साथ गठबंधन के बारे में निर्णय लेने के लिए अधिकृत किया गया है।

कांग्रेस की प्रदेश इकाई के प्रमुख ने 2026 में असम में विधानसभा चुनाव के लिए पार्टी की तैयारी का भी उल्लेख किया और वर्ष के लिए निर्धारित कई यात्राओं सहित विभिन्न कार्यक्रमों के बारे में विस्तार से बताया। बोरा ने यह भी कहा कि कांग्रेस सत्तारूढ़ भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के नेतृत्व वाले राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) को हराने के लिए राज्य में 2026 के विधानसभा चुनाव से पहले सभी विपक्षी दलों को एकजुट करने का प्रयास करेगी। उन्होंने कहा, इसके लिए निश्चित रूप से हमें कुछ सीट का त्याग करना होगा और हम ऐसा करने के लिए तैयार हैं। 2021 में भी हमने 126 में से 97 सीट पर चुनाव लड़ा था। इस बार भी हम स्थिति के अनुसार निश्चित रूप से त्याग करेंगे।

2047 तक विकसित राष्ट्र बनाना निश्चित लक्ष्य बन गया है: धनखड़

नई दिल्ली। उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने रविवार को कहा कि 2047 तक भारत को विकसित राष्ट्र बनाने का दृष्टिकोण अब एक सपना नहीं, बल्कि एक निश्चित लक्ष्य है। राष्ट्रीय कैडेट कोर (एनसीसी) के गणतंत्र दिवस शिविर के औपचारिक उद्घाटन के अवसर पर दिल्ली छावनी में एक समारोह को संबोधित करते हुए धनखड़ ने यह टिप्पणी की। उन्होंने एनसीसी सदस्यों की प्रशंसा की और कहा कि वे राष्ट्र की सेवा की भावना के साथ एकता व अनुशासन को बढ़ावा देने के लिए जाने जाते हैं।

उपराष्ट्रपति ने कहा, आप (एनसीसी कैडेट) हमारी युवा आबादी का प्रतिनिधित्व करते हैं। 2047 में हमारा विकसित राष्ट्र का दृष्टिकोण अब एक सपना नहीं है। यह हमारा निश्चित लक्ष्य है। उन्होंने कहा, आप सभी 2047 में भारत के विकास के लिए महत्वपूर्ण हैं। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व वाली सरकार ने औपनिवेशिक शासन से देश की आजादी के 100 साल पूरे होने पर 2047 तक विकसित भारत बनाने का संकल्प लिया है।

धनखड़ ने एनसीसी कैडेट से कहा, आप भाग्यशाली हैं कि आप ऐसे समय में रह रहे हैं जब भारत संभावनाओं वाला देश नहीं रह गया है। यह बेजोड़ बुनियादी ढांचे के विकास के साथ उभरता हुआ देश है। उन्होंने नए हवाई अड्डों और महानगरों समेत विभिन्न बुनियादी ढांचा परियोजनाओं का हवाला दिया। देश भर से कुल 2,361 एनसीसी कैडेट एक महीने तक चलने वाले गणतंत्र दिवस शिविर में हिस्सा ले रहे हैं, जो 30 दिसंबर को शुरू हुआ और 27 जनवरी को प्रधानमंत्री की रैली के साथ समाप्त होगा। वार्षिक कार्यक्रम में 917 बालिका कैडेट भाग ले रही हैं, जो अब तक की सबसे बड़ी संख्या है। 2,361 कैडेट में से 114 जम्मू-कश्मीर और लद्दाख से, जबकि 178 पूर्वोत्तर क्षेत्र से हैं।

झारखंड की झाकी में उद्योगपति रतन टाटा को राज्य की ओर से श्रद्धांजलि दी जाएगी

रांची। इस साल गणतंत्र दिवस पर नई दिल्ली में आयोजित परेड में झारखंड अपनी झांकी में उद्योगपति और देश के पहले इस्पात शहर जमशेदपुर के सूत्रधारों में से एक दिवंगत उद्योगपति रतन टाटा को राज्य की ओर से श्रद्धांजलि देगा। झारखंड उन 15 राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों में शामिल होगा जो 26 जनवरी को राष्ट्रीय राजधानी में गणतंत्र दिवस समारोह में अपनी झांकियां प्रदर्शित करेंगे। झारखंड सरकार की ओर से जारी एक विज्ञप्ति के मुताबिक राज्य ने अपनी समृद्ध विरासत, सांस्कृतिक विविधता और विकासात्मक प्रगति को राष्ट्रीय मंच पर प्रस्तुत करने के लिए सावधानीपूर्वक तैयारियां की हैं।

बयान में कहा गया है, इस वर्ष झारखंड की झांकी में राज्य के औद्योगिक विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने वाले दिवंगत उद्योगपति रतन टाटा को राज्य की श्रद्धांजलि प्रदर्शित की जाएगी, साथ ही राज्य की जीवंत संस्कृति, पारंपरिक नृत्य और शिक्षा के माध्यम से महिलाओं के बढ़ते सशक्तिकरण पर भी प्रकाश डाला जाएगा। चयन प्रक्रिया के दौरान झांकी के डिजाइन की रचनात्मकता और प्रासंगिकता की सराहना की गई है।

गत वर्षों में झारखंड की झांकी राज्य की पहचान के अन्य पहलुओं पर केंद्रित रही थी। पिछले साल झांकी में राज्य के प्रसिद्ध टसर सिल्क का प्रदर्शन किया गया था, जबकि 2023 की झांकी में देवघर के प्रसिद्ध बाबा बैद्यनाथ मंदिर को दर्शाया गया था। बयान में कहा गया है कि केंद्र सरकार ने सभी राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों से प्रस्ताव आमंत्रित किए थे, जिसमें बहु-चरणीय चयन प्रक्रिया के तहत गणतंत्र दिवस परेड के लिए अंतिम 15 प्रतिभागियों का चयन किया गया। इस प्रक्रिया के दौरान झारखंड की झांकी के डिजाइन को व्यापक सराहना मिली।

बयान के मुताबिक चयनित राज्यों को 19 जनवरी 2025 तक अपनी झांकियां पूरी करनी हैं, तथा 23 जनवरी को पूर्ण पूर्वाभ्यास निर्धारित है। दिवंगत रतन टाटा का योगदान झारखंड के विकास में महत्वपूर्ण माना जाता है, जो एक पिछड़ा क्षेत्र था और 2000 में एक राज्य बना। टाटा समूह के संस्थापक जमशेदजी नुसरवानजी टाटा के नाम पर झारखंड के इस शहर का नाम जमशेदपुर रखा गया। यह दिवंगत रतन टाटा की दूरदृष्टि थी जिसने जमशेदपुर के विकास को गति दी और इसे वैश्विक मानचित्र पर ला खड़ा किया। उन्होंने पहली बार 1963 में जमशेदपुर का दौरा किया था, ताकि यह देख सकें कि टाटा स्टील, कैसे काम करती है। इसके बाद उन्होंने 1965 में अपने प्रशिक्षण कौशल को निखारने के लिए शहर का दौरा किया। रतन टाटा 1993 में टाटा स्टील के चेयरमैन बने। उनका पिछले साल नौ अक्टूबर को निधन हो गया।

संभल हिसा के दौरान पुलिस अधिकारी पर गोली चलाने का आरोपी गिरफ्तार

संभल (उप्र)। संभल शहर के कोट गर्वी मोहल्ले में पिछले साल 24 नवंबर को शाही जामा मस्जिद के सर्वेक्षण के दौरान हुई हिंसा में पुलिस क्षेत्राधिकारी पर गोली चलाने के आरोपी को रविवार को गिरफ्तार कर लिया। संभल कोतवाली के प्रभारी अनुज कुमार तोमर ने बताया कि पुलिस क्षेत्राधिकारी अनुज चौधरी पर गोली चलाकर उन्हें घायल करने के आरोपी सलीम नामक व्यक्ति को संभल कोतवाली क्षेत्र में स्थित भूरे खां की जियारत इलाके में गिरफ्तार कर लिया गया है और वह इलाके का कुख्यात अपराधी है। दावा किया कि वारदात के बाद सलीम दिल्ली के सीलमपुर में छुप गया था, वह संभल की एक अदालत में आत्मसमर्पण करने की फिराक में था मगर उससे पहले ही उसे पकड़ लिया गया। तोमर ने बताया कि सलीम पर पुलिस से कारतूस लूटने का भी आरोप है और पुलिस ने उसके पास से 12 बोर का एक तमंचा, पांच कारतूस और एक खोखा कारतूस बरामद किया है।

क्विक न्यूज

नांदेड़ विस्फोट मामले में आरोपियों को बरी करना कांग्रेस को करारा तमाचा है: विहिप

नई दिल्ली। विश्व हिन्दू परिषद (विहिप) ने रविवार को 2006 के नांदेड़ विस्फोट मामले में आरोपियों को बरी किए जाने को कांग्रेस के मुंह पर करारा तमाचा बताया और पार्टी के शीर्ष नेतृत्व से हिंदू समाज से माफी मांगने को कहा। महाराष्ट्र के नांदेड़ में एक सत्र अदालत ने 2006 के विस्फोट मामले में सभी नौ जीवित आरोपियों को शनिवार को बरी कर दिया, जिसके बाद यह प्रतिक्रिया आई है। विहिप के राष्ट्रीय प्रवक्ता विनोद बंसल ने कहा, नांदेड़ में 2006 में हुए विस्फोट मामले में कांग्रेस के शासन में आरोपी बनाए गए सभी लोगों को अदालत द्वारा बरी किए जाने से हिंदुओं को आतंकवादी साबित करने के कांग्रेस के दिवास्वप्न की आज पोल खुल गई। उन्होंने दावा किया कि मालेगांव विस्फोट मामले में कांग्रेस और महाराष्ट्र आतंकवाद रोधी दस्ते (एटीएस) का पहले ही पर्दाफाश हो चुका है। बंसल ने कहा, 19 साल बाद, नांदेड़ की अदालत ने सभी आरोपियों को बरी कर दिया है और कांग्रेस के हिंदू विरोधी कृत्यों के लिए उसके मुंह पर करारा तमाचा मारा। उन्होंने कहा, कम से कम अब तो कांग्रेस के शीर्ष नेतृत्व को हिंदू समाज से माफी मांगनी चाहिए। चार-पांच अप्रैल 2006 की मध्य रात्रि को नांदेड़ शहर में लक्ष्मण राजकोंडवार के घर पर विस्फोट हुआ था, जो कथित तौर पर राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) के कार्यकर्ता थे। यह मामला इसी घटना से संबद्ध है। जांचकर्ताओं ने दावा किया कि राजकोंडवार के बेटे नरेश राजकोंडवार और विहिप कार्यकर्ता हिमांशु पानसे की कथित तौर पर बम बनाते समय मौत हो गई थी। मामले की जांच शुरुआत में महाराष्ट्र आतंकवाद निरोधक दस्ते (एटीएस) ने की और बाद में इसे केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) को सौंप दिया गया। बचाव पक्ष के वकील नितिन रनवाल के अनुसार, मुकदमे के दौरान अभियोजन पक्ष के 49 गवाहों के बयान दर्ज किए गए। उन्होंने शनिवार को पीटीआई-भाषा को बताया कि अभियोजन पक्ष यह साबित नही कर सका कि यह घटना एक बम विस्फोट थी। घटना के समय, कांग्रेस केंद्र और महाराष्ट्र में सत्ता में थी।

हेड कांस्टेबल पर रिश्वत के नोट बदलने का आरोप अदालत में किया दावा- चूहों ने कुतर दिए मूल नोट

बरेली (उप्र)। उत्तर प्रदेश के बरेली में रिश्वत में मिले नोटों की जगह दूसरे नोट अदालत में पेश करने के आरोप में एक हेड कांस्टेबल के खिलाफ मामला दर्ज किया गया है। अधिकारियों ने रविवार को यह जानकारी दी। अदालत में नोट पेश करते समय दावा किया गया कि पुलिस स्टेशन में रखे गए मूल नोट चूहों ने कुतर दिए। अधिकारियों ने बताया कि मामला बरेली जिले के नवाबगंज थाने के हेड कांस्टेबल उदयवीर सिंह के खिलाफ दर्ज किया गया है। अपर पुलिस अधीक्षक (एएसपी) मुकेश चंद्र मिश्रा के मुताबिक, 12 फरवरी 2021 को उत्तर प्रदेश पुलिस के भ्रष्टाचार निवारण संगठन (एसीओ) ने नवाबगंज तहसील में तैनात एक लेखपाल (राजस्व अधिकारी) को 10,000 रुपए की रिश्वत लेते हुए गिरफ्तार किया था। एसीओ टीम ने आरोपी के पास से रिश्वत में मिले 500 रुपए के 20 नोटों के अलावा 80,361 रुपए, एक मोबाइल फोन, एक आधार कार्ड और एक पैन कार्ड भी जब्त किया। रिश्वत की रकम समेत जब्त सामान सिंह को सौंप दिया गया। हालांकि नकदी और अन्य सामान बाद में अदालत के आदेश पर लौटा दिया गया जबकि रिश्वत वाले नोट नवाबगंज थाने में जमा कर दिए गए। हालांकि, मुकदमे के दौरान, हेड कांस्टेबल ने अदालत में रिश्वत वाले मूल नोट पेश नही किए और इसके बजाय चूहों पर असली नोट कुतरने का आरोप लगाते हुए 500 रुपए के 20 दूसरे नोट जमा किए। मिश्रा ने कहा कि जब पुलिस अधीक्षक (शहर) मानुष पारिख ने मामले की जांच की, तो उन्होंने पाया कि सिंह ने जानबूझकर आरोपियों को फायदा पहुंचाने के लिए यह आपराधिक कृत्य किया। पुलिस ने कहा कि सिंह के खिलाफ सौंपी गई रिपोर्ट के आधार पर शनिवार को हेड कांस्टेबल के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज की गई।

सेना के ट्रक के खाई में गिरने से दो जवानों की मौत

जयपुर। जम्मू-कश्मीर के बांदीपोरा जिले में शनिवार को सेना का ट्रक खाई में गिरने से राजस्थान के दो जवानों की मौत हो गई। जवानों की पहचान नागौर के निवासी हवलदार हरिराम और बहरोड़ के रहने वाले लांस नायक नीतीश कुमार के रूप में हुई है। बहरोड़ के पुलिस उपाधीक्षक कार्तिका यादव ने बताया कि नीतीश का शव उनके पैतृक गांव रिवाली भेजे जाने पर अंतिम संस्कार किया जाएगा बहरोड़ के रिवाली गांव के निवासी नीतीश कुमार (29) श्रीनगर के बांदीपोरा जिले में 13 आरआर बटालियन में तैनात थे।

नेहरू के कार्यकाल में भारतीय क्षेत्र पर चीन ने कब्जा किया था: भाजपा

नई दिल्ली। भाजपा ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के कार्यकाल में भारतीय क्षेत्रों पर चीन के कब्जे का आरोप लगाने के लिए रविवार को कांग्रेस की आलोचना की। भाजपा ने कहा कि कांग्रेस ऐसे झूठे बोलकर बच नहीं सकती क्योंकि यह सब जवाहरलाल नेहरू के कार्यकाल के दौरान हुआ था। इससे पहले शनिवार को कांग्रेस ने एक्स पर एक पोस्ट में कहा था, चीन भारत की जमीन पर कब्जा करता रहा। नरेन्द्र मोदी क्लीन चिट देते रहे। भाजपा आईटी विभाग के प्रमुख अमित मालवीय ने इसपर तीखी प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए कहा कि भारतीय क्षेत्र पर चीनी कब्जे की बात करना कांग्रेस की बेईमानी है जबकि तथ्य यह है कि यह सब प्रधानमंत्री के रूप में नेहरू के कार्यकाल के दौरान हुआ था। उन्होंने एक्स पर एक पोस्ट में कहा, सोचिए, नेहरू के विश्वासघात के लिए प्रधानमंत्री मोदी को दोषी ठहराया जा रहा है। उन्होंने कहा, कांग्रेस इस तरह के झूठ बोलकर बच नहीं सकती।

कर्नाटक सरकार अनुसूचित जातियों के बीच आंतरिक आरक्षण प्रदान करने के लिए प्रतिबद्ध: सिद्धरमैया

भाषा। दावणगेरे (कर्नाटक)

कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्धरमैया ने रविवार को कहा कि उनकी सरकार अनुसूचित जातियों (एससी) के बीच आंतरिक आरक्षण प्रदान करने के लिए प्रतिबद्ध है। कर्नाटक में सत्तारूढ़ कांग्रेस में नेतृत्व परिवर्तन की अटकलों के बीच उन्होंने कहा कि प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष या मुख्यमंत्री के बारे में कोई भी निर्णय पार्टी आलाकमान द्वारा लिया जाएगा और वह नेतृत्व के परामर्श से अपने मंत्रिमंडल में रिक्त पद को भरने का फैसला करेंगे।

सिद्धरमैया ने यहां संवाददाताओं के एक सवाल पर कहा, उच्चतम न्यायालय ने कहा है कि आंतरिक आरक्षण दिया जाना चाहिए, लेकिन जैसा कि कुछ लोगों ने कहा है कि इस संबंध में ठोस आंकड़ा नहीं है, इसलिए (न्यायमूर्ति) नागमोहन दास की अध्यक्षता में एक आयोग का गठन किया गया है। हम आंतरिक आरक्षण प्रदान करने के लिए प्रतिबद्ध हैं।

नवंबर में सरकार ने उच्च न्यायालय के सेवानिवृत्त न्यायाधीश न्यायमूर्ति एच एन नागमोहन दास को अनुसूचित जातियों (एससी) के बीच आंतरिक आरक्षण की सिफारिश करने के लिए एक आयोग का अध्यक्ष नियुक्त किया था। अनुसूचित जातियों का एक वर्ग, विशेष रूप से एससी लेफ्ट , आंतरिक आरक्षण की मांग कर रहा है। उनका आरोप है कि केवल कुछ प्रभावशाली उपजातियां ही अधिकांश लाभ ले रही हैं, जबकि कई समुदाय अब भी हाशिए पर हैं।

एक अगस्त, 2024 को दिए गए एक ऐतिहासिक फैसले में, न्यायालय ने कहा था कि राज्यों को सामाजिक रूप से विषम वर्ग बनाने वाली अनुसूचित जातियों के भीतर उप-वर्गीकरण करने का संवैधानिक अधिकार है, ताकि सामाजिक और शैक्षणिक रूप से अधिक पिछड़ी जातियों के उत्थान के लिए आरक्षण दिया जा सके।

कर्नाटक प्रदेश कांग्रेस कमेटी (केपीसीसी) के अध्यक्ष पद पर बदलाव के बारे में पूछे गए सवाल पर सिद्धरमैया ने कहा, यह आलाकमान द्वारा तय किया जाएगा। केपीसीसी अध्यक्ष, मुख्यमंत्री सब कुछ आलाकमान द्वारा तय किया जाता है। केपीसीसी के अध्यक्ष के रूप में चार साल पूरे कर चुके उपमुख्यमंत्री डी के शिवकुमार वर्तमान में पद पर विस्तार पर हैं। कर्नाटक महर्षि वाल्मीकि अनुसूचित जनजाति विकास निगम घोटाले में कथित रूप से शामिल होने के आरोप के बाद मंत्री बी नागेंद्र के इस्तीफे से मंत्रिमंडल में रिक्त हुए स्थान को भरने के बारे में पूछे जाने पर मुख्यमंत्री ने कहा, मैं आलाकमान से चर्चा करूंगा और उस रिक्त स्थान को भरूंगा।

प्रेमी युगल ने अलग-अलग फांसी लगाकर आत्महत्या की

बाराबंकी (उप्र)। बाराबंकी जिले के एक गांव में रविवार को एक प्रेमी युगल ने कथित तौर पर अलग-अलग फंदा लगाकर आत्महत्या कर ली। पुलिस ने यह जानकारी दी। असंद्रा थाने के प्रभारी निरीक्षक (एसएचओ) जीपी सिंह ने बताया कि मृतकों की पहचान अकोहरी गांव के निवासी निधि (22) और मनीष (25) के रूप में हुई है। दोनों ने शनिवार को आत्महत्या की। उन्होंने कहा कि दोनों एक-दूसरे से करीब चार साल से प्रेम करते थे और इस बात की जानकारी दोनों के परिवार वालों को थी। उन्होंने बताया कि निधि पहले से शादीशुदा मनीष से शादी करना चाहती थी।

मनीष की पांच साल पहले शादी हो चुकी थी, जिसके बाद निधि से उसकी प्रेम कहानी शुरू हुई और दोनों अलग-अलग जाति से थे। उन्होंने कहा कि मनीष अनुसूचित जाति (दलित) जबकि निधि सामान्य जाति से थी और दोनों एक ही गांव के रहने वाले थे। पुलिस के अनुसार गांव में मनीष का शव शनिवार को जिस नीम के पेड़ से लटकता मिला, वह निधि के घर से करीब है। पुलिस ने बताया कि सुबह टहलते हुए ग्रामीणों ने मनीष के शव को नीम के पेड़ से लटका देखा और इसकी सूचना परिवार वालों को दी, उधर निधि की मां उसे जगाने के लिए गईं तो उसका शव कमरे में पंखे से लटका दिखा।

मनीष डिस्क जॉकी (डीजे) तो निधि सिलाई बुनाई का काम करती थी। घटना की जानकारी मिलते ही राम सनेही घाट के क्षेत्राधिकारी और असंद्रा पुलिस मौके पर पहुंची। एएसपी अखिलेश कुमार सिंह भी घटनास्थल पर पहुंचे। एसएचओ ने बताया कि पुलिस ने दोनों के शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है, युवक और युवती की मौत के बाद गांव में तनाव को देखते हुए पुलिस बल तैनात कर दिया गया है। उन्होंने कहा कि मामले की जांच जा रही है और पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट आने के बाद विस्तृत कार्वाई की जाएगी।

पेज 1 का शेष

आरआरटीएस....

इस बारे में दिल्ली विधानसभा ने प्रस्ताव पास करके कई साल पहले केंद्र सरकार को भेजा था। एक बार नहीं बल्कि दो-दो बार भेजा था। पहले कांग्रेस की सरकार ने फिर आम आदमी पार्टी ने प्रस्ताव पास करके केंद्र को भेजा। प्रधानमंत्री ने 2020 में खुद वादा किया था कि धारा 81 और धारा 33 खत्म कर देंगे। इसमें अनगिनत केस कर रखे हैं। दिल्ली देहात में छोटे-छोटे किसानों पर केस कर रखे हैं। वह रोज कचहरी के चक्कर काटकर परेशान हो गए हैं। उनके सारे मुकदमे वापस लिए जाने चाहिए और धारा 81 और धारा 33 वापस ली जानी चाहिए। प्रधानमंत्री को जवाब देना चाहिए कि दिल्ली मास्टर प्लान 2041 को अधिसूचित क्यों नहीं किया गया और दिल्ली लैंड पूलिंग नीति को अधिसूचित क्यों नहीं किया गया। केजरीवाल ने कहा प्रधानमंत्री ने आप सरकार केंद्र से लड़ाई में एक दशक बर्बाद करने का आरोप लगाते हुए लोगों से भाजपा को दिल्ली को भविष्य का शहर बनाने का मौका देने का आग्रह किया। मोदी ने यह भी आश्वासन दिया कि अगर भाजपा सत्ता में आई तो कोई भी जन कल्याणकारी योजना बंद नहीं की जाएगी, लेकिन पार्टी की सरकार उनके क्रियान्वयन में भ्रष्टाचार को खत्म करेगी। उन्होंने जोर देकर कहा कि भाजपा बदलाव लाएगी। मोदी ने कहा, जब दिल्ली में इस आपदा से छुटकारा मिलेगा, तभी विकास का डबल इंजन आएगा। पिछले 10 वर्षों में, दिल्ली ने एक ऐसी राज्य सरकार देखी है जो आपदा से कम नहीं है। दिल्ली वालों को इसका एहसास हो गया है। दिल्ली में केवल एक ही आवाज गूंज रही है आपदा नहीं सहेंगे, बदल कर रहेंगे। प्रधानमंत्री ने कहा कि जब दिल्ली के लोग कोविड-19 से जूझ रहे थे, ऑक्सीजन और दवाओं के लिए संघर्ष कर रहे थे, तब आपदा वालों का पूरा ध्यान अपना शीश महल बनाने पर था। उन्होंने शीश महल के लिए बहुत बड़ा बजट बनाया। यह उनकी सच्चाई है। उन्हें दिल्ली के लोगों की कोई परवाह नहीं है। इसलिए आज हर दिल्लीवासी कह रहा है। हम आपदा बर्दाश्त नहीं करेंगे, हम बदलाव लाएंगे।

बिधूड़ी...

विजन नहीं है। आतिशी जनता से क्या कहेंगी कि वह अगले पांच साल में कालकाजी और गोविंदपुरी की खस्ताहाल सड़कों को सुधार देंगी। जबकि वे पहले ही एक दशक से सत्ता में हैं। हालांकि, बिधूड़ी के बयान से भाजपा नेता खुद को अलग रखने की कोशिश कर रहे हैं। दिल्ली भाजपा अध्यक्ष वीरेंद्र सचदेवा ने भाजपा नेताओं से अपनी भाषा पर नियंत्रण रखने की सलाह दी है। उन्होंने कहा, वह बिधूड़ी का पूरा बयान नहीं सुने है। भाजपा नेता ने कहा कि वह कांग्रेस से भी कहेंगे कि जब भाजपा सांसद हेमा मालिनी के खिलाफ इस तरह की टिप्पणी की जाती है, तो वे इसकी आलोचना नहीं करते। महिलाओं के प्रति सम्मान और अपनी भाषा पर नियंत्रण रखना हमारा कर्तव्य है। इस तरह के बयानों को वह सही नहीं मानते हैं। इस बीच, दिल्ली मुख्यमंत्री आतिशी ने बिधूड़ी की विवादित टिप्पणी की कड़ी आलोचना की और इसे भाजपा की महिला विरोधी मानसिकता का प्रतिबिंब बताया। उन्होंने भाजपा नेताओं के रवैये और व्यवहार को देखते हुए दिल्ली में महिलाओं की सुरक्षा सुनिश्चित करने की भाजपा की क्षमता पर भी सवाल उठाया। सीएम ने कहा कि उन्हें विश्वास है कि विसचुनाव में दिल्ली की जनता, खासकर महिलाएं, इस तरह की हरकतों का जवाब देंगी। कालकाजी से कांग्रेस उम्मीदवार और महिला कांग्रेस की अध्यक्ष अलका लांबा ने बिधूड़ी पर निशाना साधा और उन पर अपनी हमेशा की तरह अभद्र भाषा में एक बार फिर महिलाओं का अपमान करने का आरोप लगाया। उन्होंने एक्स पर कहा, क्या कालकाजी की जनता को ऐसा विधायक चाहिए जो न तो सदन (संसद) की गरिमा की परवाह करता है और न ही महिलाओं का सम्मान करता है। उन्होंने बिधूड़ी से अपने बयान के लिए सार्वजनिक रूप से माफी मांगने की मांग की और वरिष्ठ भाजपा नेताओं से इस मुद्दे पर अपना रुख स्पष्ट करने को कहा। लांबा के नेतृत्व में महिला कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने गांधी के खिलाफ उनके कथित बयान को लेकर बिधूड़ी का पुतला भी फूंका। उनके एक सहयोगी ने बताया कि बिधूड़ी ने यह बयान शनिवार को कालकाजी निर्वाचन क्षेत्र में प्रचार के दौरान दिया। दिल्ली कांग्रेस अध्यक्ष देवेंद्र यादव ने कहा कि गांधी महिला सशक्तिकरण के पक्षधर रहे हैं और बिधूड़ी का आपत्तिजनक बयान भाजपा के महिला विरोधी रवैये को दर्शाता है। अगर भाजपा देश की महिलाओं का सम्मान करती है, तो उसे बिधूड़ी से तुरंत सार्वजनिक रूप से माफी मांगने को कहना चाहिए।

एलजी ने...

के लिए 88 आवेदकों की बाधाएं दूर हो जाएंगी। सक्सेना ने अपनी स्वीकृति के अनुसार, 1984 के सिख दंगों के पीड़ितों की दुर्दशा का विशेष रूप से उल्लेख किया है, जिसे उन्होंने भारतीय लोकतांत्रिक परंपराओं पर एक धब्बा बताया है, जहां एक विशेष अल्पसंख्यक समुदाय पर भयानक अत्याचार किए गए थे, मानवाधिकारों के सभी मानकों का उल्लंघन किया गया था और जिसने कई परिवारों को प्रभावित किया था, उनके एकमात्र कमाने वाले सदस्य की जान ले ली थी।

स्पैम विरोधी...

अपनाएंगे। ट्राई की वर्ष 2025 की कार्य सूची में नेटवर्क प्राधिकरण, प्रसारण के लिए नए प्राधिकरण ढांचे और फिक्स्ड लाइन के लिए राष्ट्रीय नंबरिंग योजना में सुधार के लिए सिफारिशें तैयार करना भी शामिल है, जबकि स्पैम कॉल और परेशान करने वाले संदेशों से निपटने और उन पर अंकुश लगाने पर काम जारी रहेगा।

एक्यूआई...

बड़ी संख्या में हितधारकों और जनता को प्रभावित कर रही है और साथ ही दिल्ली के औसत एक्यूआई में सुधार की प्रवृत्ति पर विचार करते हुए, ग्रैप उप-समिति ने सर्वसम्मति से पूरे एनसीआर में संशोधित जीआरएपी के चरण-3 को तत्काल प्रभाव से रद्द करने का फैसला किया है। आदेश में कहा गया है, निर्माण और विध्वंस परियोजना स्थल और औद्योगिक इकाइयां आदि, जिन्हें विभिन्न वैधानिक निर्देशों, नियमों, दिशानिर्देशों आदि के उल्लंघन/अनुपालन न करने के कारण बंद करने के विशिष्ट आदेश जारी किए गए हैं, किसी भी परिस्थिति में आयोग से इस संबंध में कोई विशिष्ट आदेश प्राप्त किए बिना अपना परिचालन फिर से शुरू नहीं करेंगे। हालांकि चरण-3 के उपाय अब प्रभावी नहीं हैं, सीएक्यूएम ने जनता से चरण-2 दिशानिर्देशों के तहत नागरिक चार्टर का पालन करना जारी रखने का आग्रह किया है।

अंतरराष्ट्रीय...

संस्थानों के माध्यम से उच्च शिक्षा प्राप्त करने के इच्छुक अंतरराष्ट्रीय छात्रों की मेजबानी करती है, जो इंजीनियरिंग और प्रौद्योगिकी, प्रबंधन, कृषि, विज्ञान, कला और मानविकी, भाषा अध्ययन, वाणिज्य, कानून, पैरामेडिकल विज्ञान जैसे फार्मेसी, नर्सिंग और बौद्ध अध्ययन, योग आदि जैसे चुनिंदा पाठ्यक्रमों में 8000 से अधिक विविध पाठ्यक्रम प्रदान करते हैं। इसके अलावा, वे स्नातक, स्नातकोत्तर, डॉक्टरेट स्तर (पीएचडी) और प्रमाणन-आधारित पाठ्यक्रमों से लेकर विभिन्न स्तरों में उपलब्ध हैं। विकल्पों (पाठ्यक्रमों में) की एक सारणी की उपलब्धता के कारण, छात्रों के पास अपनी रुचि के पाठ्यक्रम को चुनने और प्रमुख भारतीय संस्थानों में अध्ययन करने की लचीलापन है। इसके अलावा, एसआईआई के साथ जुड़ने की प्रक्रिया अपेक्षाकृत आसान है छात्रों को नाम, देश, जन्म तिथि, मोबाइल नंबर और ईमेल आईडी जैसे सरल विवरण भरने होंगे। भारत में अपनी उच्च शिक्षा पूरी करने और भारत में अध्ययन करने के लिए आवेदन करने वाले प्रत्येक छात्र के पास अपनी विशिष्ट छात्र एसआईआई आईडी होनी चाहिए क्योंकि यह आईडी उन्हें अपने डैशबोर्ड तक पहुंचने, कॉलेज और पाठ्यक्रम आवेदनों की प्रगति, वीज़ा/ई-वीज़ा और भारत में उच्च शिक्षा से संबंधित अन्य प्रक्रियाओं को ट्रैक करने में मदद करेगी। अधिकारियों ने कहा कि कोई छात्र एसआईआई आईडी नहीं होने का मतलब है कि भारत में अध्ययन करने या जाने का कोई मौका नहीं है।

पायनियर

लखनऊ , सोमवार, 6 जनवरी, 2025

राजद से गलती से किया था गठबंधन : नीतीश

लालू के प्रस्ताव पर बिहार के सीएम ने दिया उत्तर

भाषा। पटना

भाजपा के दिवंगत नेता सुशील मोदी को पुष्प अर्पित करते बिहार के सीएम नीतीश कुमार

बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने रविवार को अपने कट्टर प्रतिद्वंद्वी लालू प्रसाद की पार्टी राष्ट्रीय जनता दल (राजद) पर निशाना साधते हुए कहा कि उन्होंने विपक्षी पार्टी के साथ गलती से गठबंधन कर लिया था, जिसने सत्ता में रहते हुए कुछ नहीं किया।जनता दल यूनाइटेड (जदयू) सुप्रीमो ने यह टिप्पणी पूर्व मुख्यमंत्री लालू प्रसाद द्वारा कुछ दिनों पहले की गई पेशकश के बाद की है। लालू प्रसाद ने कहा था कि राजद ने पूर्व सहयोगी के लिए अपने दरवाजे खुले रखे हैं, जो अब भारतीय जनता पार्टी (भाजपा)नीत राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन में लौट गए हैं।कुमार ने राज्यव्यापी प्रगति यात्रा के तहत उत्तर बिहार के मुजफ्फरपुर जिले में संवाददाताओं से कहा, हमसे पहले जो लोग सत्ता में थे...क्या उन्होंने कुछ किया? लोग सूर्यास्त के बाद अपने घरों से बाहर निकलने से डरते थे। मैं गलती से दो बार उनके साथ जुड़ गया था। बिहार के मुख्यमंत्री का पद सबसे लंबे समय से संभाल रहे नीतीश ने सवाल किया, उस समय महिलाओं की क्या स्थिति थी? आज आप इन स्वयं सहायता समूहों को देख सकते हैं, जिन्हें हमने जीविका नाम दिया है। केंद्र ने हमारे मॉडल को दोहराया और इसे आजीविका नाम दिया। क्या आपने पहले ऐसी आत्मविश्वासी ग्रामीण महिलाओं को देखा था? कुमार ने हालांकि, लालू प्रसाद की ओर से दिए गए सांकेतिक प्रस्ताव से जुड़े सवाल का जवाब नहीं दिया।लालू प्रसाद की यह टिप्पणी केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह के उस बयान की पृष्ठभूमि में आई थी जिसमें उन्होंने एक साल से भी कम समय में होने वाले विधानसभा चुनावों में नीतीश कुमार को मुख्यमंत्री पद का उम्मीदवार बनाने पर अनिश्चित रुख पेश किया था। वहीं, राज्य भाजपा के नेता लगातार कहते रहे हैं कि जदयू सुप्रीमो 2025 के विधानसभा चुनावों में राजग का चेहरा होंगे। लोस चुनाव में बहुमत से चूकने वाली भाजपा केंद्र में सत्ता में बने रहने के लिए जदयू और आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री चंद्रबाबू नायडू की तेलुगु देशम पार्टी (तेदेपा)जैसे सहयोगियों पर निर्भर है।इस बीच, मुख्यमंत्री ने रविवार को मुजफ्फरपुर जिले के अपने दौरे के दौरान 451.40 करोड़ रुपए की 76 विकास परियोजनाओंयोजनाओं का उद्घाटन और शिलान्यास किया।

मुख्यमंत्री कार्यालय की ओर से जारी बयान के अनुसार, मुख्यमंत्री ने जिला समाहरणालय में राज्य सरकार की विकास योजनाओं की समीक्षा के लिए एक बैठक की अध्यक्षता की। मुजफ्फरपुर के जिलाधिकारी सुब्रत सेन ने मुख्यमंत्री के समक्ष जिले में चल रही परियोजनाओं और योजनाओं के बारे में विस्तृत प्रस्तुति दी। कुमार को जिले में जारी योजनाओं बिहार स्टूडेंट क्रेडिट कार्ड योजना, मुख्यमंत्री निश्चय स्वयं सहायता भत्ता योजना, हर घर नल का जल एवं उसका रख-रखाव, मुख्यमंत्री ग्रामीण सोलर स्ट्रीट लाइट योजना, हर खेत तक सिंचाई का पानी,कृषि विद्युत कनेक्शन योजना आदि के बारे में जानकारी दी गई।

भाजपा विधायक के अजित पवार पर निशाना साधने को लेकर राकांपा ने जताई आपत्ति

सरपंच हत्या मामला

भाषा। मुंबई

राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (राकांपा) के प्रवक्ता सूरज चव्हाण और पार्टी के विधान पार्षद अमोल मिटकरी ने रविवार को भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के विधायक सुरेश धस द्वारा बीड जिले में एक सरपंच की हत्या की जांच को लेकर महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री अजित पवार पर निशाना साधने पर आपत्ति जताई। सोशल मीडिया मंच एक्स पर एक पोस्ट में चव्हाण ने पूछा कि क्या धस को हत्या की निष्पक्ष जांच को लेकर राज्य के गृह विभाग पर भरोसा नहीं है। मिटकरी ने पूछा कि क्या मुख्यमंत्री और भाजपा नेता देवेंद्र फडणवीस अपनी पार्टी के विधायक पर लगाम लगाएंगे। चव्हाण ने कहा कि अगर राकांपा का कोई भी व्यक्ति हत्या मामले में संलिप्त पाया जाता है तो पवार उसके खिलाफ कार्वाई करने में संकोच नहीं करेंगे। बीड जिले के मसाजोग के सरपंच देशमुख का नौ दिसंबर को कथित तौर पर कुछ लोगों द्वारा पवनचक्की कंपनी से जबरन वसूली के प्रयास का विरोध करने पर अपहरण कर लिया गया था और बेरहमी से हत्या कर दी गई थी। महाराष्ट्र के मंत्री और राकांपा नेता धनंजय मुंडे के सहयोगी वाल्मीक कराड को जबरन वसूली मामले में गिरफ्तार किया गया था। पुलिस ने अब तक इस हत्या के मामले में सात लोगों को गिरफ्तार किया है। बीड से ताल्लुक रखने वाले भाजपा नेता धस और राकांपा विधायक प्रकाश सोलंकी के साथ-साथ विपक्ष भी मांग कर रहा है कि हत्या के मामले की दोहरी जांच के लिए मुंडे को राज्य मंत्रिपरिषद से हटाया जाए। आपराधिक जांच विभाग (सीआईडी) का एक विशेष जांच दल (एसआईटी) मामले की जांच कर रहा है। शनिवार को परभणी में एक विरोध प्रदर्शन के दौरान धस ने मुंडे को मंत्रिमंडल में शामिल किए जाने का परोक्ष रूप से जिक्र करते हुए राकांपा प्रमुख पवार पर कटाक्ष किया और कहा, अजित दादा क्या हुआ तेरा वादा...? भाजपा नेता की टिप्पणी पर प्रतिक्रिया देते हुए चव्हाण ने कहा, यदि राकांपा का कोई भी नेता हत्या मामले में संलिप्त पाया जाता है तो अजित पवार उसे नहीं छोड़ेंगे। चव्हाण ने कहा, ैमैं देवेंद्र फडणवीस से अनुरोध करना चाहता हूं कि वह धस से महायुति गठबंधन के सौहार्दपूर्ण माहौल को खराब न करने के लिए कहें।

वायुसेना प्रमुख ने लक्षद्वीप का दौरा किया, युद्ध संबंधी तैयारियों का जायजा लिया

नई दिल्ली। वायुसेना प्रमुख एयर चीफ मार्शल एपी सिंह ने रविवार को संपन्न लक्षद्वीप की दो दिवसीय यात्रा के दौरान रणनीतिक लिहाज से अहम इस द्वीप समूह के आसपास सशस्त्र बलो की युद्ध संबंधी तैयारियो का जायजा लिया। लक्षद्वीप दौरे के दौरान सिंह ने मिनिकॉय और कवरत्ती द्वीप पर वायु सैनिको के साथ बातचीत की। उन्होने द्वीप समूह पर स्थित विभिन्न सैन्य प्रतिष्ठानो का दौरा किया और भारतीय नौसेना एवं तटरक्षक बल के सैनिको के साथ बातचीत भी की। आधिकारिक बयान के मुताबिक, बातचीत के दौरान वायुसेना प्रमुख ने तेजी से बदलते भू-राजनीतिक माहौल मे हर संभावित स्थिति के लिए पूरी तरह से रहने की आवश्यकता पर जोर दिया। उन्होने उभरती चुनौतियो से निपटने मे भारतीय वायुसेना की महत्वपूर्ण भूमिका पर भी प्रकाश डाला। बयान के अनुसार, सिंह ने हर समय उच्च स्तर की तत्परता बनाए रखने की आवश्यकता पर भी जोर दिया। उन्होने कहा, वायुसेना प्रमुख ने अग्रिम पंक्ति मे तैनात सैनिको की तत्परता की तारीफ की और उनसे राष्ट्र के सुरक्षा हितो की रक्षा के लिए हमेशा सतर्क रहने का आव्हान किया।

मुंबई में अवैध तरीके से भेजी जा रही दवाइयों और सिगरेट की खेप जब्त

मुंबई। स्वापक नियंत्रण ब्यूरो (एनसीबी) ने मुंबई के अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे के कार्गो टर्मिनल पर अवैध रूप से भेजी जा रही दवाइयो (74,000 कैप्सूल) और नकली ब्रांड के 2.44 लाख सिगरेट की खेप जब्त की है। एक अधिकारी ने रविवार को यह जानकारी दी। अधिकारी ने बताया कि एनसीबी की मुंबई इकाई को एक अंतरराष्ट्रीय गिरोह के बारे मे सूचना मिली थी जो भारत से अवैध रूप से दवाइयो की खरीद कर उन्हे विदेशी ग्राहको तक पहुंचा रहा है। उन्होने बताया कि पुष्टि होने के बाद एजेंसी ने रसद कंपनी के दो कंटेनर पर नजर रखी और छत्रपति शिवाजी महाराज अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे के कार्गो टर्मिनल पर उन्हे रोक दिया।अधिकारी ने बताया कि की टीम ने शुक्रवार और शनिवार को एक अभियान के तहत अवैध रूप से भेजी जा रही दवाइयो के 74,000 कैप्सूल और नकली ब्रांड के 2.44 लाख सिगरेट जब्त किए। उन्होने बताया कि जब्त की गई दवाइयो की कीमत 75 लाख रुपए है।उन्होने बताया कि खेप को लंदन भेजा जाना था और इसे खाद्य पदार्थों के बीच छिपाया गया था। अधिकारी ने बताया कि दो कूरियर और रसद कंपनी जांच के घेरे मे है।

मोदी के साथ बैठक द्विपक्षीय संबंध मजबूत करने में महत्वपूर्ण: ओली

काठमांडू। नेपाल के प्रधानमंत्री के पी शर्मा ओली ने रविवार को कहा कि चीन की उनकी हालिया यात्रा के दौरान चीन के साथ बेल्ट एंड रोड इनिशिएटिव (बीआरआई) रूपरेखा समझौते पर हस्ताक्षर और 79वी संयुक्त राष्ट्र महासभा के मौके पर भारतीय समकक्ष नरेन्द्र मोदी के साथ उनकी बैठक द्विपक्षीय संबंधो को मजबूत करने मे महत्वपूर्ण थी। कम्युनिस्ट पार्टी आफ नेपाल के 72 वर्षीय नेता ओली ने कहा कि इन बैठको और यात्राओ ने पड़ोसी देशो के साथ नेपाल के संबंधो को मजबूत करने मे सार्थक योगदान दिया है। ओली ने यह बात ललितपुर मे पार्टी की केंद्रीय समिति की बैठक मे राजनीतिक रिपोर्ट पेश करते हुए कही। राष्ट्रीय हित को केंद्र मे रखते हुए आपसी हितो और समान लाभो पर आधारित संतुलित विदेश नीति अपनाई जाएगी, ताकि पड़ोसियो के साथ-साथ सभी मित्र देशो के साथ बहुआयामी कूटनीति, आर्थिक, सामाजिक, सांस्कृतिक और व्यापारिक संबंधो को और मजबूत किया जा सके। उन्होने पड़ोसी देशो के साथ मौजूदा मुद्दो को कूटनीतिक माध्यमो से सुलझाने की प्रतिबद्धता भी जताई।

रुपए के मूल्य में गिरावट के उपरांत कच्चे तेल में नरमी से नहीं बढ़ेगी महंगाई

भाषा। नई दिल्ली

रुपए की विनिमय दर में आ रही गिरावट के बीच विशेषज्ञों ने कहा है कि घरेलू मुद्रा के मूल्य में गिरावट से आयातित कच्चे माल के महंगा होने से उत्पादन लागत बढ़ेगी और कुल मिलाकर देश में महंगाई बढ़ सकती है जिससे आम लोगों की जेब पर प्रभाव पड़ेगा। हालांकि, दुनियाभर में कच्चे तेल की कीमतों में नरमी के कारण, भारत की मुद्रास्फीति पर बहुत प्रभाव पड़ने की संभावना नहीं है। विशेषज्ञों का यह भी कहना है कि बीते वर्ष रुपए में लगभग तीन प्रतिशत की गिरावट के बावजूद यह एशिया के अपने समकक्ष देशों की तुलना में बेहतर स्थिति में है।उल्लेखनीय है कि बीते सप्ताह शुक्रवार को अमेरिकी मुद्रा के मुकाबले रुपया चार पैसे टूटकर अबतक के सबसे निचले स्तर 85.79 प्रति डॉलर पर बंद हुआ। पिछले साल रुपए की विनिमय दर में लगभग तीन प्रतिशत की गिरावट आई है।डॉलर के मुकाबले रुपए के मूल्य में कमी के कारण आम लोगों पर पड़ने वाले प्रभाव के बारे में पूछे जाने पर जाने-माने अर्थशास्त्री और मद्रास स्कूल ऑफ इकनॉमिक्स के निदेशक प्रोफेसर एन आर भानुमूर्ति ने पीटीआई-भाषा से कहा, रुपए के मूल्य में गिरावट के कारण आयातित मुद्रास्फीति (आयातित महंगे कच्चे माल) से चीजें महंगी होंगी। उन्होंने कहा, हालांकि, अगर इससे निर्यात को गति मिलती है तब आर्थिक वृद्धि और रोजगार पर सकारात्मक असर पड़ सकता है।....यदि रुपए में गिरावट बाजार की ताकतों (मांग और आपूर्ति) के कारण होती है, तो उत्पादन वृद्धि और महंगाई दोनों बढ़ेंगे। इस बारे में आनंद राठी शेयर्स एंड स्टॉक ब्रोकर्स के निदेशक (जिंस और मुद्रा) नवीन माथुर ने कहा, रुपए की विनिमय दर में गिरावट का सबसे बड़ा असर महंगाई बढ़ने के रूप में होता है क्योंकि आयातित कच्चे माल और उत्पादन की लागत बढ़ जाती है जिसका बोझ अंतत: उपभोक्ताओं को उठाना होता है। इससे विदेश यात्रा और दूसरे देश में जाकर पढ़ाई करना महंगा हो जाता है। अर्थव्यवस्था पर इसके प्रभाव के बारे में पूछे जाने पर भानुमूर्ति ने कहा, यदि विनिमय दर पूरी तरह से बाजार की ताकतों के कारण बदल रही है, तो निर्यात और आयात में स्वत: समायोजन होगा। हालांकि, केंद्रीय बैंक के हस्तक्षेप के बारे में चर्चाएं हैं और हाल ही में सोने की खरीद के कारण चालू खाते के घाटे (कैड) में वृद्धि हुई है।

ममता का बीएसएफ पर घुसपैठ कराने का आरोप लगाना सुरक्षा बलों का अपमान : शुभेंदु

भाषा। कोलकाता

पश्चिम बंगाल विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष शुभेंदु अधिकारी ने मुख्यमंत्री ममता बनर्जी को पत्र लिखकर उनकी इस टिप्पणी की आलोचना की कि बीएसएफ केंद्र सरकार के एजेंडे के तहत बांग्लादेश से घुसपैठ की इजाजत दे रही है। उन्होंने कहा कि इस तरह की टिप्पणी सुरक्षा बलों का अपमान है। शुभेंदु ने ममता पर अपने वोट बैंक को खुश करने के लिए घटिया राजनीति करने का आरोप लगाया। उन्होंने दावा किया कि भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) शासित असम में प्रशासन ने अवैध आव्रजन को रोकने के लिए सुरक्षा एजेंसियों के साथ काम किया है। शुभेंदु ने आरोप लगाया कि पश्चिम बंगाल सरकार घुसपैठियों को वोट बैंक बना रही है। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि पश्चिम बंगाल में घुसपैठ के लिए सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) को दोषी ठहराना राज्य में केंद्रीय सशस्त्र पुलिस बलों (सीएपीएफ) के 75,000 कर्मियों और 33,000 बीएसएफ कर्मियों का अपमान है। भाजपा नेता ने ममता को भेजे पत्र में लिखा, राजनीति में आरोप-प्रत्यारोप तो होते ही रहते हैं, लेकिन इसमें सुरक्षा बलों को घसीटना, उनका अपमान करना और अपनी नाकामियों का ठीकरा उन पर फोड़ना घटिया राजनीति के अलावा और कुछ नहीं है। ममता ने बृहस्पतिवार को बीएसएफ पर पश्चिम बंगाल को अस्थिर करने के केंद्र सरकार के एजेंडे के तहत बांग्लादेश से घुसपैठ की इजाजत देने का आरोप लगाया था। बीएसएफ ने ममता के आरोप को खारिज करते हुए कहा था कि वह पूरी लगन से देश की सीमा की रक्षा करती है। शुभेंदु ने कहा कि सुरक्षा बल प्रतिकूल भौगोलिक परिस्थितियों में अपनी जान जोखिम में डालकर भारत की 15,106.7 किलोमीटर लंबी सीमाओं की रक्षा करते हैं। उन्होंने गांवों में घुसपैठियों को कथित तौर पर बसाए जाने में पश्चिम बंगाल प्रशासन की भूमिका पर सवाल उठाए और पूछा कि राज्य सरकार ने बीएसएफ के अधिकार क्षेत्र को मजबूत करने की आवश्यकता का विरोध क्यों किया। भाजपा नेता ने पश्चिम बंगाल सरकार पर सीमा से जुड़े मुद्दों पर बीएसएफ के साथ सहयोग न करने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि पश्चिम बंगाल सरकार पड़ोसी देशों में प्रताड़ित अल्पसंख्यकों को बसाने का विरोध कर रही है , लेकिन वह राज्य में घुसपैठियों का स्वागत कर रही है। अवैध प्रवासियों की घुसपैठ से जुड़े मुद्दे से निपटने के बारे में शुभेंदु ने दावा किया, असम में प्रशासनिक मशीनरी सुरक्षा एजेंसियों का साथ दे रही है, जबकि दूसरी ओर पश्चिम बंगाल प्रशासन ने घुसपैठियों को वोट बैंक बनाने की दिशा में काम किया। भाजपा नेता ने सीमा पर सुरक्षा व्यवस्था मजबूत करने के केंद्र सरकार के प्रयासों को रेखांकित किया, जिसमें 591 किलोमीटर लंबी सीमा पर बाड़ लगाई जाना, फ्लडलाइट की तैनाती और सीमा चौकियों एवं अवलोकन टावर का निर्माण शामिल है।

ओयो ने किया नियमों में बदलाव, अब अविवाहित जोड़े नही ले सकेंगे होटल में कमरा

नई दिल्ली। यात्रा क्षेत्र की प्रमुख कंपनी ओयो ने मेरठ से शुरुआत करते हुए भागीदार होटलों के लिए एक नई चेक-इन नीति लागू की है। इसके अनुसार, अविवाहित जोड़ों का अब चेक-इन की अनुमति नहीं दी जाएगी। यानी सिर्फ पति-पत्नी ही होटल में कमरा ले सकेंगे। संशोधित नीति के तहत, सभी जोड़ों को चेक-इन के समय अपने रिश्ते का वैध प्रमाण देने के लिए कहा जाएगा। इसमें ऑनलाइन की गई बुकिंग भी शामिल है। कंपनी ने कहा कि ओयो ने अपने भागीदार होटलों को स्थानीय सामाजिक संवेदनशीलता के साथ तालमेल बिठाते हुए अपने विवेक के आधार पर अविवाहित जोड़ों की बुकिंग को अस्वीकार करने का अधिकार दिया है। ओयो ने मेरठ में अपने भागीदार होटलों को तत्काल प्रभाव से ऐसा सुनिश्चित करने का निर्देश दिया है। नीति में हुए बदलाव से परिचित लोगों ने कहा कि जमीनी प्रतिक्रिया के आधार पर, कंपनी इसे और शहरों में विस्तारित कर सकती है। उन्होंने कहा, ओयो को पहले भी विशेष रूप से मेरठ में सामाजिक समूहों से इस मुद्दे को हल करने के लिए प्रतिक्रिया मिली थी। इसके अलावा, कुछ दूसरे शहरों के निवासियों ने भी अविवाहित जोड़ों को ओयो होटलों में चेक-इन करने की अनुमति न देने की मांग की है। ओयो उत्तर भारत के क्षेत्र प्रमुख पावस शर्मा ने पीटीआई-भाषा को बताया, ओयो सुरक्षित और जिम्मेदार आतिथ्य प्रथाओं को बनाए रखने के लिए प्रतिबद्ध है। हम व्यक्तिगत स्वतंत्रता का सम्मान करते हैं, लेकिन साथ ही हम इन बाजारों में कानून प्रवर्तन और नागरिक समाज समूहों की बात सुनने और उनके साथ काम करने की अपनी जिम्मेदारी को भी पहचानते हैं।

कांग्रेस अब तक ममता बनर्जी के निष्कासन से नही उबरी : प्रदीप भट्टाचार्य

कोलकाता। कांग्रेस की पश्चिम बंगाल इकाई के पूर्व अध्यक्ष प्रदीप भट्टाचार्य ने कहा कि पार्टी अब भी ममता बनर्जी के निष्कासन से लगे झटके से उबरी नहीं है, इससे राज्य में उसकी स्थिति कमजोर हुई है। पूर्व सांसद भट्टाचार्य ने कहा कि तत्कालीन कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष सोमेन मित्रा ने पार्टी के रुख के खिलाफ टिप्पणी करने के कारण 1997 में तत्कालीन पार्टी प्रमुख सीताराम केसरी के निर्देश पर बनर्जी को पार्टी से निष्कासित कर दिया था।भट्टाचार्य ने दावा किया कि उन्होंने मित्रा को इस निर्णय के खिलाफ सलाह दी थी, लेकिन आलाकमान की ओर से दबाव बहुत अधिक था। उन्होंने शनिवार को कोलकाता में मित्रा की एक प्रतिमा के अनावरण समारोह में यह टिप्पणी की। मित्रा का 2020 में निधन हो गया था।भट्टाचार्य ने रविवार को पीटीआई-भाषा से कहा, निष्कासन ने कांग्रेस को कमजोर कर दिया और हम अब भी इससे उबर नहीं पाए हैं। लेकिन ताकत हासिल करने के लिए हमें एकजुट रहना चाहिए और सोनिया गांधी, राहुल और मल्लिकार्जुन खरगे जैसे हमारे केंद्रीय नेताओं के निर्देशों का पालन करना चाहिए। जनवरी 2011 से फरवरी 2014 तक कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष रहे भट्टाचार्य ने कहा कि पार्टी को अपना आधार फिर से बनाने पर ध्यान केंद्रित करना चाहिए। बनर्जी लगातार तीसरी बार पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री हैं। उन्होंने कांग्रेस से निष्कासित होने के बाद 1998 में तृणमूल कांग्रेस का गठन किया और अपनी पार्टी को 2011 में मार्क्सवादी कम्युनिष्ट पार्टी (माकपा) नीत वाम मोर्चा की 34 साल पुरानी सरकार को अपदस्थ कर सत्ता में लाईं। भट्टाचार्य की टिप्पणी से राजनीतिक विवाद उत्पन्न हो गया। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता अधीर रंजन चौधरी ने भट्टाचार्य की टिप्पणी के समय पर सवाल उठाया। उन्होंने जाहिर तौर पर राज्य में आगामी राज्यसभा चुनाव से इसके जुड़े होने का संकेत दिया।

उत्तराखंड में निकाय चुनाव से पहले कांग्रेस के वरिष्ठ नेता भाजपा में शामिल

देहरादून। उत्तराखंड में शहरी स्थानीय निकाय चुनाव से पहले कांग्रेस की प्रदेश इकाई के उपाध्यक्ष मथुरा दत्त जोशी सहित पार्टी के कई वरिष्ठ नेता भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) में शामिल हो गए। बताया जा रहा है कि जोशी पार्टी हाईकमान द्वारा पिथौरागढ़ में महापौर सीट के लिए उनकी पत्नी को टिकट नहीं दिए जाने के बाद से नाखुश थे। भाजपा में शामिल होने वाले अन्य नेताओं में कांग्रेस की प्रदेश इकाई के पूर्व उपाध्यक्ष बिट्टू कर्नाटक और दो बार जिला पंचायत अध्यक्ष रहे जगत सिंह खाती शामिल हैं। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी और भाजपा की प्रदेश इकाई के अध्यक्ष महेंद्र भट्ट ने शनिवार को यहां पार्टी के प्रदेश कार्यालय में नेताओं का सत्तारूढ़ दल में स्वागत किया। कांग्रेस छोड़कर भाजपा में आए नेताओं को मेहनती और योग्य व्यक्ति करार देते हुए धामी ने भरोसा जताया कि भाजपा को निकाय चुनाव में उनके अनुभव का लाभ मिलेगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि कांग्रेस में योग्य और अच्छे लोगों की कोई कद्र नहीं है। कांग्रेस छोड़कर भाजपा में आए नेताओं ने कहा कि कांग्रेस समर्पित कार्यकर्ताओं को उचित सम्मान नहीं दे रही है। जोशी ने कहा कि वह भाजपा में इसलिए शामिल हुए क्योंकि कांग्रेस में ईमानदार कार्यकर्ताओं की कोई कद्र नहीं है। उन्होंने कहा, मैंने कांग्रेस में पूरी ईमानदारी के साथ काम किया लेकिन पार्टी में इस सब की कोई कद्र नहीं है। ।

भाजपा के वरिष्ठ नेता मुरली मनोहर जोशी को उनके जन्मदिन पर भाजपा के अध्यक्ष जेपी नड्डा, रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह व गृहमंत्री अमित शाह ने उनके घर जाकर उनको बधाई दी

छत्तीसगढ़ में मुठभेड़ में चार नक्सली ढेर, एक पुलिसकर्मी ने भी जान गंवाई

दंतेवाड़ा (छत्तीसगढ़)। छत्तीसगढ़ के बस्तर क्षेत्र में सुरक्षाबलों के साथ मुठभेड़ में चार नक्सली मारे गए। पुलिस के एक वरिष्ठ अधिकारी ने रविवार को यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि मुठभेड़ के दौरान जिला रिजर्व गार्ड (डीआरजी) के एक हेड कांस्टेबल की भी जान चली गई। अधिकारी ने बताया कि शनिवार शाम को सुरक्षाकर्मियों का एक संयुक्त दल नक्सल रोधी अभियान पर था तभी नारायणपुर और दंतेवाड़ा जिलों की सीमा पर दक्षिण अबूझमाड़ के एक जंगल में मुठभेड़ शुरू हुई। उन्होंने बताया कि शनिवार देर रात गोलीबारी थमने के बाद घटनास्थल से चार नक्सलियों के शव और एके-47 राइफल तथा सेल्फ लोडिंग राइफल (एसएलआर) सहित स्वचालित हथियार बरामद किए गए। अधिकारी ने बताया कि मुठभेड़ में डीआरजी के हेड कांस्टेबल सन्नू करम की भी जान चली गई।सुरक्षा बलों ने शुक्रवार को नक्सल रोधी अभियान शुरू किया गया था और इसमें नारायणपुर, दंतेवाड़ा, कोंडागांव और बस्तर जिलों की डीआरजी टीमें शामिल हुईं।मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने रविवार को कहा कि नक्सल समस्या को खत्म करने के लिए लड़ाई जारी रहेगी। साय ने एक्स पर एक पोस्ट में कहा, नारायणपुर और दंतेवाड़ा जिलों की सीमा से लगे दक्षिण अबूझमाड़ क्षेत्र में सुरक्षा बलों और नक्सलियों के बीच मुठभेड़ में अब तक चार नक्सलियों के मारे जाने की खबर है।

भारत में तेजी से बढ़ रहा एफडीआई: गोयल

भाषा। नई दिल्ली

वस्तुओं, सेवाओं के निर्यात में वृद्धि की रणनीति पर चल रहा काम

वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने कहा कि देश में प्रत्यक्ष विदेशी निवेश (एफडीआई) बढ़ रहा है। उन्होंने कहा कि पश्चिम एशिया, जापान, यूरोपीय संघ और अमेरिका के निवेशक भारत को शीर्ष निवेश गंतव्य के रूप में मान्यता दे रहे हैं, जिससे तेज आर्थिक वृद्धि हो रही है और लाखों नए रोजगार पैदा हो रहे हैं।

उन्होंने कहा कि वैश्विक निवेशक भारत में गहरी रुचि दिखा रहे हैं, क्योंकि यहां मजबूत घरेलू बाजार, कुशल और प्रतिभाशाली कार्यबल और कानून का शासन जैसे कई फायदे हैं। गोयल ने पीटीआई-भाषा से कहा, मैं स्पष्ट रूप से देख सकता हूं कि भारत में एफडीआई एक बार फिर तेजी से बढ़ रहा है और इससे लाखों रोजगार पैदा हो रहे हैं। पश्चिम एशिया के देश, ईएफटीए क्षेत्र, जापान, यूरोपीय संघ और अमेरिका के निवेशक सभी महसूस कर रहे हैं कि भारत एफडीआई के लिए सबसे पसंदीदा गंतव्य बना हुआ है। उन्होंने कहा कि भारत का स्थिर और पूर्वानुमानित विनियामक ढांचा, अनुकूल कारोबारी माहौल और व्यापार करने में आसानी को बढ़ावा देने वाली प्रगतिशील नीतियां दुनिया भर से निवेशकों को आकर्षित कर रही हैं। उन्होंने कहा, पिछले महीने मैं अमेरिका के सबसे बड़े फंडों में से एक के सीईओ से मिला, जो भारत में सबसे बड़ा निवेशक भी है। उन्होंने मुझे बताया कि पिछले 10 वर्षों में भारत में किया गया निवेश उनके फंड का अब तक का सबसे अच्छा निवेश रहा है। गोयल ने कहा कि अमेरिकी फंड ने उन्हें बताया कि वे पिछले 20 वर्षों से भारत में निवेशक हैं, लेकिन उनका 80 प्रतिशत से अधिक निवेश पिछले कुछ वर्षों में हुआ है। उन्होंने कहा, सीईओ ने मुझे बताया कि वह भारत में निवेश के 20 वर्ष पूरे होने का जश्न मनाने के लिए भारत आएंगे और भारत में निवेश की एक और श्रृंखला की घोषणा करेंगे। मंत्री ने कहा कि भारतीय शेयर बाजार का अच्छा प्रदर्शन अधिक से अधिक एफआईआई (विदेशी संस्थागत निवेशक) को भी आकर्षित करेगा। वैश्विक अनिश्चितताओं और चुनौतियों के बावजूद इस साल जनवरी से भारत में औसतन मासिक प्रत्यक्ष विदेशी निवेश (एफडीआई) प्रवाह 4.5 अरब अमेरिकी डॉलर से अधिक रहा है। इस साल जनवरी-सितंबर की अवधि में देश में एफडीआई लगभग 42 प्रतिशत बढ़कर 42.13 अरब अमेरिकी डॉलर हो गया। एक साल पहले की समान अवधि में यह आंकड़ा 29.73 अरब डॉलर था।

निर्यात 800 अरब डॉलर को पार कर जाने की उम्मीद है। पिछले वित्त वर्ष में यह 778 अरब डॉलर था। आगामी बजट से निर्यात के लिए उनकी अपेक्षाओं के बारे में पूछे जाने पर, मंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी हमेशा निर्यातक समुदाय के लिए बहुत सहायक रहे हैं।उन्होंने कहा, मुझे यकीन है कि प्रधानमंत्री और वित्त मंत्री (निर्मला सीतारमण) हमारे निर्यात को समर्थन देने के लिए हमेशा सक्रिय रहेंगे। निर्यात ऋण में गिरावट और उच्च ब्याज दरों के संबंध में निर्यातकों की चिंताओं पर गोयल ने कहा कि मंत्रालय इन मुद्दों पर समग्र रूप से विचार कर रहा है और संबंधित हितधारकों के साथ बातचीत कर रहा है। उन्होंने कहा, हम निर्यातकों की इन चिंताओं का समाधान खोजने के लिए बैंकिंग प्रणाली और ईसीजीसी (निर्यात ऋण गारंटी निगम) के साथ लगातार काम कर रहे हैं। भारतीय निर्यात संगठनों के महासंघ (फियो) के अनुसार, मार्च 2022 (2,27,452 करोड़ रुपए) और मार्च 2024 (2,17,406 करोड़ रुपए) के बीच निर्यात ऋण में पांच प्रतिशत की गिरावट आई है।

नई दिल्ली। वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने कहा है कि सरकार देश के माल एवं सेवाओं के निर्यात में और तेजी लाने के लिए निर्यात रणनीति पर काम कर रही है। उन्होंने कहा कि मंत्रालय निर्यातकों की चिंताओं को दूर करके तथा भारत के प्रतिस्पर्धी लाभ एवं ताकत के क्षेत्रों की पहचान करके 2030 तक निर्यात को दो लाख करोड़ डॉलर तक ले जाने के लिए लक्षित तरीके से काम कर रहा है।गोयल ने पीटीआई-भाषा से कहा, वैश्विक चुनौतियों के बावजूद वस्तुओं और सेवाओं, दोनों का निर्यात अच्छा चल रहा है... हम एक निर्यात रणनीति पर काम कर रहे हैं, ताकि यह देखा जा सके कि हम वस्तुओं और सेवाओं दोनों के निर्यात में किस प्रकार तेजी ला सकते हैं। वर्ष 2024-25 में

इजराइल का फलस्तीनी सुरक्षा बल पर हमला

कार्रवाई के दौरान एक सदस्य मारा गया

भाषा। यरूशलम

इजराइली सेना की कार्रवाई में वेस्ट बैंक में फलस्तीनी सुरक्षा बल का एक सदस्य मारा गया। इजराइली सेना ने इस सदस्य पर आतंकवादी होने का आरोप लगाया था। इस बीच, रविवार को फलस्तीनी लोगों ने एक दिन पहले गाजा पट्टी में इजराइली हमलों में मारे गए छह लोगों को अंतिम विदाई दी। मृतकों में एक किशोर भी शामिल था। एक अलग घटनाक्रम में इजराइल ने चेतावनी दी है कि यदि हिजबुल्ला के आतंकवादी सीमा से नहीं हटते हैं और लेबनानी सैनिक बफर जोन की निगरानी करने में विफल रहते हैं तो लेबनान में संघर्ष विराम समझौता समाप्त हो सकता है। बफर जोन दो या दो से ज्यादा विरोधी ताकतों के बीच का एक तटस्थ क्षेत्र होता है। इजराइल की अर्धसैनिक सीमा पुलिस ने कहा कि उसने हसन रबैया को गिरफ्तार करने के लिए पश्चिमी तट के मीथालून गांव में एक अभियान चलाया। उसने उसे वांछित आतंकवादी बताया है। उसने बताया कि भागने की कोशिश करते समय हुई गोलीबारी में वह मारा गया और सैनिकों को उसके घर के अंदर एक बन्दूक, हथियार के हिस्से और लगभग 26,000 अमेरिकी डॉलर नकद मिले। मीथालून उत्तरी पश्चिमी तट के शहर जेनिन के निकट स्थित है, जो हाल के वर्षों में इजराइल-फलस्तीनी हिंसा का केंद्र रहा है। फलस्तीनी सुरक्षा सेवाओं ने रबैया की पहचान अपने सुरक्षा बल में प्रथम लेफ्टिनेंट के रूप में की है और कहा है कि वह अपने राष्ट्रीय कर्तव्यों का निर्वहन करते हुए मारा गया। गाजा में लगभग 14 महीने की लड़ाई को रोकने के लिए 27 नवंबर को हुए समझौते के तहत हिजबुल्ला को दक्षिणी लेबनान में तुरंत अपने हथियार डालने होंगे। इसने इजराइल को अपनी सेना वापस बुलाने और लेबनानी सेना तथा संयुक्त राष्ट्र शांति सैनिकों को नियंत्रण सौंपने के लिए 60 दिन का समय दिया था इजराइल ने दक्षिणी लेबनान के कई शहरों में से केवल दो से ही अब तक सेना वापस बुलाई है।

हिजबुल्ला सरगना नसरल्लाह की पिछले साल युद्ध संचालन कक्ष में मौत हुई थीः वाफिक सफा

बेरूत। इजराइल के हवाई हमले में पिछले वर्ष हिजबुल्ला सरगना हसन नसरल्लाह की जब मौत हुई थी तब वह आतंकवादी समूह के युद्ध संचालन कक्ष में था। हिजबुल्ला के एक सदस्य ने रविवार को यह जानकारी दी। बेरूत के दक्षिणी उपनगरों में इजराइली हवाई हमलों में 27 सितंबर, 2023 को कई इमारत ध्वस्त हो गई थीं जिसमें नसरल्लाह की मौत हो गई थी। लेबनान के स्वास्थ्य मंत्रालय ने बताया कि छह लोगों की मौत हो गई थी। खबरों के अनुसार नसरल्लाह और अन्य वरिष्ठ सदस्य भूमिगत बैठक कर रहे थे। हिजबुल्ला के शीर्ष सुरक्षा अधिकारी वाफिक सफा ने रविवार को संवाददाता सम्मेलन में कहा, हसन नसरल्लाह इस स्थान से लड़ाई और युद्ध का नेतृत्व करता था। उन्होंने कहा कि नसरल्लाह की मौत युद्ध संचालन कक्ष में हुई। उन्होंने अन्य विस्तृत जानकारी नहीं दी। लेबनानी मीडिया की खबर के अनुसार युद्ध विराम से पहले सफा मध्य बेरूत में इजराइली हवाई हमलों का लक्ष्य था, लेकिन वह सुरक्षित दिखाई दिया। लेबनान और हिजबुल्ला देशभर में जारी इजराइली हमलों और हवाई हमलों और इसके नियंत्रण वाले कई लेबनानी गांवों में से केवल दो से ही पीछे हटने के लिए भी आलोचना करते रहे हैं। इजराइल का कहना है कि लेबनानी सेना ने हिजबुल्ला के बुनियादी ढांचे को नष्ट करने में अपना सहयोग नहीं दिया है। हिजबुल्ला के मौजूदा प्रमुख नईम कासेम ने शनिवार को टेलीविजन पर दिए गए संबोधन में चेतावनी दी कि यदि इजराइल के सैनिक महीने के अंत तक दक्षिणी इजराइल से बाहर नहीं जाते हैं तो उसके लड़ाके इजराइल पर हमला करेंगे।

ऑस्ट्रिया की पीपुल्स पार्टी ने क्रिश्चियन स्टॉकर को अंतरिम नेता नामित किया

चांसलर कार्ल नेहमर के इस्तीफे की संभावना

भाषा। वियना

ऑस्ट्रिया की पीपुल्स पार्टी ने चांसलर कार्ल नेहमर के इस्तीफे की संभावना को देखते हुए अपने महासचिव क्रिश्चियन स्टॉकर को अंतरिम नेता नामित किया है। ऑस्ट्रियाई समाचार एजेंसी एपीए ने यह खबर दी है। सोशल डेमोक्रेट्स के साथ गठबंधन संबंधी बातचीत ठप हो जाने के बाद नेहमर ने शनिवार को घोषणा की कि वह अगले कुछ दिनों में इस्तीफा दे देंगे। वकील और ऑस्ट्रियाई संसद के सदस्य स्टॉकर 2022 से पीपुल्स पार्टी के महासचिव हैं। उन्हें एक अनुभवी और संकट निवारक वार्ताकार के रूप में देखा जाता है जो विवादास्पद निर्णयों का बचाव करने के लिए अक्सर ऑस्ट्रियाई मीडिया में नजर आते रहे हैं। अब तक यह स्पष्ट नहीं है कि नई सरकार के गठन होने तक कौन कार्यवाहक चांसलर होंगे। विशेष पुलिस बलों के सुरक्षा घेरे में नेहमर वियना में राष्ट्रपति कार्यालय गए। नेहमर (52) के साथ बैठक पूरी हो जाने के बाद ऑस्ट्रिया के राष्ट्रपति अलेक्जेंडर वान डेर बेलन अगले कदमों की घोषणा सार्वजनिक बयान जारी करके करेंगे। नेहमर 2021 में तब चांसलर और रूढ़िवादी पार्टी के नेता बने थे, जब उनके पूर्ववर्ती सेबेस्टियन कुर्ज को भ्रष्टाचार के आरोपों के बाद पद छोड़ने के लिए मजबूर होना पड़ा था।शुक्रवार को ऑस्ट्रिया में तब राजनीतिक उथल-पुथल हो गई, जब उदारवादी पार्टी एनईओएस ने मध्य वामपंथी (सेंटर-लेफ्ट) सोशल डेमोक्रेट्स और रूढ़िवादी पीपुल्स पार्टी के साथ गठबंधन वार्ता से हाथ खींच लिया। संसद में कम सांसदों वाली दो शेष पार्टियों ने शनिवार को बातचीत कर सरकार बनाने का एक और प्रयास किया, लेकिन यह प्रयास भी कुछ घंटों में विफल हो गया।

पाकः सहायता काफिले को हिंसा प्रभावित कुर्रम की ओर जाने की मंजूरी दी गई

पेशावर। पाकिस्तान के खैबर पख्तूनख्वा प्रांत के हिंसाग्रस्त कुर्रम जिले के लिए आवश्यक खाद्य सामग्री और दवाइयां लेकर जा रहे सहायता काफिले को शनिवार को अज्ञात बंदूकधारियों द्वारा निशाना बनाए जाने के बाद रविवार को आगे बढ़ने की सुरक्षा मंजूरी दे दी गई है। हालांकि, 80 वाहनों का काफिला ताल में रुका हुआ है, क्योंकि पाराचिनार-ताल मार्ग बंदूकधारियों के हमले के बाद बंद कर दिया गया है। इस हमले में कुर्रम के उपायुक्त जावेदुल्लाह महसूद घायल हो गए थे।खैबर पख्तूनख्वा सरकार के प्रवक्ता बैरिस्टर मुहम्मद अली सैफ ने पुष्टि की कि बंदूकधारियों के हमले के बाद ताल क्षेत्र में फंसा गया।

स्टार्मर इस्लामोफोबिया की परिभाषा संबंधी योजना को रद्द करेंः कंजर्वेटिव पार्टी

लंदन। ब्रिटेन की विपक्षी कंजर्वेटिव पार्टी प्रधानमंत्री कीअर स्टार्मर से इस्लामोफोबिया की आधिकारिक परिभाषा से संबंधित सरकारी योजना को रद्द करने की मांग कर रही है। विपक्षी दल को आशंका है कि संबंधित योजना से गलत कामों के खिलाफ कार्रवाई और अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता पर रोक लग जाएगी। छाया न्याय मंत्री रॉबर्ट जेनरिक ने इस सप्ताह के अंत में कहा कि इस्लामोफोबिया के झूठे ठप्पे से बच्चों का शोषण करने वाले गिरोह के खिलाफ जांच मे बाधा उत्पन्न हुई, जिसमे पाकिस्तानी पुरुष शामिल थे। यह बयान तब आया जब द डेली टेलीग्राफ अखबार ने दावा किया कि लेबर पार्टी सरकार मुस्लिम विरोधी भेदभाव की औपचारिक परिभाषा पर विचार कर रही है। जेनरिक ने अखबार से कहा, सरकार को इस्लामोफोबिया की इतनी गहरी त्रुटिपूर्ण परिभाषा की अपनी योजना छोड़ देनी चाहिए।

यूनान के पूर्व पीएम कोस्टास सिमिटिस का निधन

एथेस। यूनान के पूर्व प्रधानमंत्री कोस्टास सिमिटिस का 88 वर्ष की आयु में निधन हो गया। सरकारी टेलीविजन ईआरटी ने यह जानकारी दी। सिमिटिस को रविवार तड़के बेहोशी की हालत में एथेस के पश्चिमी हिस्से स्थित उनके घर से कोरिंथ शहर के एक अस्पताल ले जाया गया था। यूनान की मीडिया ने अस्पताल के निदेशक के हवाले से यह जानकारी दी है। मृत्यु का सटीक कारण पता लगाने के लिए पोस्टमॉर्टम किया जाएगा। पीएएसओके पार्टी के सह संस्थापक सिमिटिस ने बाद में पार्टी के संस्थापक नेता एंड्रियास पपांद्रेउ की जगह ली थी। सिमिटिस के परिवार में उनकी 60 वर्षीय पत्नी डेफ्ने और दो बेटियां है

पावर ऑफ पांच को देखेगी पूरी दुनिया

इंडियाना। गहरे प्यार अद्भुत दोस्ती और छुपी हुई शक्तियों के संगम के पावर ऑफ पांच डिज़्नी हॉटस्टार पर पूरी दुनिया में दिखेगी। इस आगामी ड्रामा सीरीज में युवाओं के बीच दोस्ती की एक दिलचस्प कहानी दिखाई जायेगी। जिसमें रहस्यों, गहरे राज और बेवफाई की परतें खुलेंगी। इस सीरीज की स्ट्रीमिंग 17 जनवरी 2025 से शुरू होने जा रही है। शो का निर्माण एकता आर कपूर बालाजी टेलीफिल्म्स लिमिटेड ने किया है और इसमें इन्फ्लुएंसर और एक्ट्रेस रीवा अरोड़ा, आदित्य राज अरोड़ा, जयवीर जुनेजाए बियांका अरोड़ा, यश सेहगल, उर्वशी ढोलकिया, बर्खा बिष्ट, तान्वी गडकरी, अनुबा अरोड़ा, उमर कंधारी,सागर ढोलकिया, भानुज सूद और अन्य कलाकार मुख्य भूमिकाओं में हैं। शो की प्रोड्यूसर एकता आर कपूर ने बताया कि मैं ऐसे कंटेन्ट बनाने में यकीन रखती हूंए जो हर उम्र और पृष्ठभूमि के लोगों को पसंद आये। ओटीटी प्लेटफार्म्स की खूबसूरती यह है कि वे विभिन्न क्षेत्रों में विविधता वाले दर्शकों तक पहुँच सकते हैं और कहानी कहने की कला को ज्यादा रोमांचक बना देते हैं।

जर्मनी में होने वाली बैठक में यूक्रेन सहयोगियों से हवाई सुरक्षा बढ़ाने का अनुरोध करेगाः जेलेंस्की

भाषा। कीव

यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेंस्की ने कहा कि वह जर्मनी में इस सप्ताह होने वाली बैठक में अपने सहयोगियों से अपनी हवाई सुरक्षा बढ़ाने का आह्वान करेंगे। जेलेंस्की ने कहा कि जर्मनी के रामस्टीन वायुसेना ठिकाने पर बृहस्पतिवार को होने वाली रामस्टीन समूह की बैठक में दर्जनों साझेदार देश हिस्सा लेंगे, जिनमें वे देश भी शामिल होंगे जो न केवल मिसाइलों से बचाव के लिए, बल्कि निर्देशित बमों और रूसी विमानन के खिलाफ भी हमारी क्षमताओं को बढ़ाने में मदद कर सकते हैं। यूक्रेन के राष्ट्रपति ने शनिवार को अपने रात्रिकालीन संबोधन में कहा, हम उनके साथ इस पर चर्चा करेंगे और उन्हें मनाने का प्रयास जारी रखेंगे। हमारा लक्ष्य अब भी हमारी वायु रक्षा को मजबूत करना है। अमेरिका के रक्षामंत्री लॉयड जे. ऑस्टिन इस बैठक में भाग लेंगे। अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडन अक्टूबर में रामस्टीन में होने वाले शिखर सम्मेलन में भाग लेने वाले थे, लेकिन अमेरिका में आए तूफान मिल्टन के कारण वह शामिल नहीं हो सके। जेलेंस्की यह मांग ऐसे समय करेंगे जब अमेरिका के नव-निर्वाचित राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप 20 जनवरी को कार्यभार संभालेंगे और लगभग तीन साल से चल रहे युद्ध को शीघ्र समाप्त करने का संकल्प लेंगे।

बाइडन ने हिलेरी क्लिंटन, जॉर्ज सोरोस को प्रेसिडेंशियल मेडल ऑफ फ्रीडम प्रदान किया

भाषा। वाशिंगटन

अमेरिका के निवर्तमान राष्ट्रपति जो बाइडन ने पूर्व विदेश मंत्री हिलेरी क्लिंटन, विवादित निवेशक जॉर्ज सोरोस, वोग की प्रधान संपादक एना विंटोर, वैज्ञानिक बिल नेई और अभिनेता डेनजेल वाशिंगटन सहित 19 लोगों को शनिवार को देश का सर्वोच्च नागरिक पुरस्कार प्रेसिडेंशियल मेडल ऑफ फ्रीडम प्रदान किया। प्रेसिडेंशियल मेडल ऑफ फ्रीडम उन व्यक्तियों को प्रदान किया जाता है जिन्होंने अमेरिका की समृद्धि, उसके मूल्यों, सुरक्षा, विश्व शांति को बढ़ावा देने में महत्वपूर्ण योगदान दिया हो या सार्वजनिक और निजी क्षेत्रों में महत्वपूर्ण काम किए हों। पूर्व निर्धारित कार्यक्रमों के कारण अर्जेंटीना के फुटबॉल खिलाड़ी लियोनेल मेस्सी अमेरिकी राष्ट्रपति से पुरस्कार प्राप्त करने के लिए व्यक्तिगत रूप से व्हाइट हाउस में उपस्थित नहीं हो सके। बाइडन ने व्हाइट हाउस के ईस्ट रूम में आयोजित समारोह में कहा, राष्ट्रपति के रूप में अंतिम बार मुझे हमारे देश के सर्वोच्च नागरिक सम्मान मेडल ऑफ फ्रीडम को असाधारण लोगों के एक समूह को प्रदान करने का सम्मान मिला है। ऐसे लोग जिन्होंने अमेरिका की संस्कृति और उद्देश्य को आकार देने में योगदान दिया। पूर्व राष्ट्रपति बिल क्लिंटन, रक्षा मंत्री लॉएड ऑस्टिन, कई मंत्रियों

तथा अन्य गणमान्य लोगों ने इस कार्यक्रम में शिरकत की। समारोह में अपने संबोधन में बाइडन ने कहा, लोगों के इस समूह ने अपनी अंतर्दृष्टि और प्रभाव से हमारे देश पर एक अविश्वसनीय छाप छोड़ी है जिसे दुनिया भर के प्रमुख शहरों और दूरदराज के क्षेत्रों में देखा जा सकता है...। अमेरिका में नस्लीय न्याय के लिए संघर्ष करने वाले फैनी लू हैमर, देश के 25वें रक्षा मंत्री रहे एश्टन कार्टर, नस्लीय अलगाव का जमकर विरोध करने वाले पूर्व अटॉर्नी जनरल रॉबर्ट फ्रांसिस कैनेडी और कारोबारी एवं अमेरिकन मोटर्स कॉर्पोरेशन के अध्यक्ष रहे जॉर्ज डब्ल्यू रोमनी को मरणोपरांत यह पदक प्रदान किया गया। ए पदक इनके परिवार के सदस्यों ने प्राप्त किए। विवादित निवेशक जॉर्ज सोरोस की ओर से यह पुरस्कार उनके बेटे एलेक्स सोरोस ने ग्रहण किया। प्रदान किए गए प्रशस्ति पत्र में कहा गया है,"हंगरी में एक यहूदी परिवार में जन्मे जॉर्ज सोरोस ने नाजी कब्जे से बचकर अपने लिए और दुनिया भर में अनगिनत लोगों के लिए स्वतंत्रता का मार्ग प्रशस्त किया। पत्र में कहा गया है,"इंग्लैंड में शिक्षा प्राप्त करने के बाद वह अमेरिका में बस गए और एक निवेशक तथा परोपकारी व्यक्ति बन गए, जिन्होंने खुले समाज, अधिकार और न्याय, समता और समानता, वर्तमान और भविष्य के महत्वपूर्ण सिद्धांतों की पैरवी की। जॉर्ज सोरोस ने एक बयान में कहा,एक आप्रवासी के रूप में मैं इस सम्मान से बहुत अभिभूत हूं। हालांकि, सोरोस को यह पुरस्कार देने के लिए मेक अमेरिका ग्रेट अगेन (एमएजीए) के समर्थकों और रिपब्लिकन नेतृत्व ने बाइडन की आलोचना की है। रिपब्लिकन नेता निक्की हेली ने कहा,हत्यारों की सजा कम करने और उनके बेटे को माफ करने के बाद जॉर्ज सोरोस को राष्ट्रपति पदक देना अमेरिका के चेहरे पर एक और तमाचा है... मोंटाना के सीनेटर टिम शेही ने न्यूयॉर्क पोस्ट से कहा, जॉर्ज सोरोस ने अपराध के प्रति नरम रुख रखने वाले राजनेताओं को चुनने में लाखों डॉलर खर्च किए।

संत शदाराम साहिब की जयंती पर 84 भारतीय हिंदू श्रद्धालुओं का जत्था पाकिस्तान पहुंचा

लाहौर। शिव अवतारी सतगुरु संत शदाराम साहिब की 316वीं जयंती मनाने के लिए रविवार को 84 हिंदू तीर्थयात्रियों का जत्था वाघा सीमा के रास्ते भारत से पाकिस्तान पहुंचा। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। संत शदानी दरबार सिंध सूबे में मौजूद है। वीजा जारी करना, धार्मिक स्थलों की यात्रा पर पाकिस्तान-भारत प्रोटोकॉल, 1974 के समझौते के अंतर्गत आता है। इवैक्यूई ट्रस्ट प्रॉपर्टी बोर्ड (ईटीपीबी) के प्रवक्ता गुलाम मोहयुद्दीन ने पीटीआई-भाषा को बताया, भगवान शिव के अवतार श्री गुरु स्वामी शदाराम की जयंती मनाने के लिए युशिष्ठर लाल के नेतृत्व में लगभग 84 हिंदू तीर्थयात्रियों का जत्था भारत से यहां पहुंचा। उन्होंने कहा कि ईटीपीबी के अतिरिक्त सचिव सैफुल्ला खोखर ने वाघा सीमा पर तीर्थयात्रियों का स्वागत किया तथा बोर्ड के अध्यक्ष सैयद अता-उर-रहमान की ओर से उन्हें गुलदस्ते भेंट किए। हिंदू तीर्थयात्री वाघा सीमा से सीधे सिंध के शादानी दरबार हयात पिताफी के लिए रवाना हो गए, जहां मुख्य समारोह और धार्मिक अनुष्ठान होंगे।अपने प्रवास के दौरान तीर्थयात्री अन्य धार्मिक स्थलों का भी दौरा करेंगे, जिनमें योग माता मंदिर अकीलपुर, घोटकी, पानो अकील, सुक्कुर और ऐतिहासिक साधु बेला मंदिर शामिल हैं।हिंदू तीर्थयात्री 14 जनवरी को ननकाना साहिब (सिख धर्म के संस्थापक गुरु नानक की जन्मस्थली) में एक दिन बिताएंगे और अगले दिन भारत लौट आएंगे। नई दिल्ली स्थित पाकिस्तान उच्चायोग ने इस आयोजन के लिए 94 भारतीय तीर्थयात्रियों को वीजा जारी किए, लेकिन उनमें से केवल 84 ही पाकिस्तान गए।

एक्ट्रेस ऐश्वर्या खरे ने लगाई थाईलैंड सोलो ट्रिप

थाइलैंड। डेली सोप के सेट पर ज़िंदगी कितनी व्यस्त होती है यह भाग्य लक्ष्मी की ऐश्वर्या खरे से बेहतर भला कौन जान सकता है! पूरे साल लंबी शूटिंग और इमोशनल स्टोरीलाइन से जूझने के बादए ऐश्वर्या ने इस साल को एक खुशनुमा मोड़ पर खत्म करने के लिए अपने काम से ब्रेक लेकर एक सोलो ट्रिप का लुत्फ उठाया। एक्टिंग के प्रति अपनी लगन के लिए मशहूर ऐश्वर्या ने 2024 में अपने रोल में जान डाल दीए जिस पर दर्शक फिदा हो गए। आखिरकार खुद के लिए समय निकालकर हुएए ऐश्वर्या ने थाईलैंड का रुख कियाए जो उनकी बकेट लिस्ट का एक ड्रीम डेस्टिनेशन था। शांत समुद्र तटों पर घूमते हुए और प्राचीन मंदिरों में सुकून ढूंढते हुएए उन्होंने इस सफर के दौरान खुद को तरोताजा किया और अपने आप से जुड़ गईं। पिछले दो सालों में ऐश्वर्या ने बाली और सेशेल्स जैसे डेस्टिनेशन भी एक्सप्लोर किए हैं। लगता हैए सोलो ट्रिप्स अब उनकी हर साल की परंपरा बन चुकी हैं। अपनी थाईलैंड ट्रिप के बारे में ऐश्वर्या ने कहाए ष्एक शानदार लेकिन चैलेंजिंग साल के बादए मैंने आखिरकार न्यू ईयर सेलिब्रेट करने और बीते दिनों के बारे में सोचने के लिए यह बेहद जरूरी ब्रेक लिया। एक बीच लवर होने के नातेए मैंने थाईलैंड को अपने सोलो एस्केप के लिए चुनाए और यह मेरी उम्मीदों से भी परे निकला। थाईलैंड की सुकून भरी खूबसूरती ने मुझे वो शांति और सुकून दियाए जिसकी मुझे तलाश थी। हर शामए समुद्र तट पर जादुई सनसेट देखना मेरी ट्रिप का सबसे पसंदीदा हिस्सा बन गया। मैंने खुद को पारंपरिक थाई मसाज का गिफ्ट दियाए क्रिस्टल क्लियर पानी में स्नॉर्कलिंग की और वहां के सबसे लज़ीज़ लोकल व्यंजनों का मज़ा लिया। इस साल को प्रकृति के बीच विदाई देना वाकई ताज़गी भरा अनुभव रहाए और अब मैं नई एनर्जी और जोश के साथ नए साल में कदम रखने के लिए तैयार हूं। ऐश्वर्या की ये छुट्टियां वाकई शानदार रही हैंऔर ऐसा लग रहा है कि वो नए साल की शुरुआत के लिए पूरी तरह तैयार हैं।

क्या वेगनरी में भाग लेने से लोग लंबे समय तक मांसाहार से दूर रहते हैं? सबूत क्या कहते

एक्सेटर। मनुष्य लंबे समय से जानवरों को मारने और खाने के बारे में अपनी अंतरात्मा से जूझता रहा है। मांस विरोधाभास (मांस के लिए लोगों की पसंद और जानवरों के लिए उनकी चिंता के बीच संघर्ष) ने 37,000 साल पहले संभवतः गुफा चित्रों को प्रेरित किया होगा। तब से, कई प्रमुख विचारकों ने मांस का त्याग कर दिया है, जिनमें पाइथागोरस, लियोनार्दो दा विंची, मैरी शेली और महात्मा गांधी शामिल हैं। आज, अमेरिका के आधे वयस्क और ब्रिटेन के तीन-चौथाई वयस्क फैक्टरी फार्मिंग का विरोध करते हैं, जहां लगभग सारा मांस उत्पादित होता है। इसके बावजूद केवल दस में से एक व्यक्ति ही मांस रहित आहार ग्रहण करता है। कई देशों में पादक आधारित आहार बहुत ही स्वादिष्ट और सस्ते होते हैं। इन्हें अपनाने से हर साल 80 अरब से ज्यादा जानवरों की जान बच जाएगी और मांसाहारी आहार की तुलना में पर्यावरण को 75 प्रतिशत कम नुकसान होगा। स्वास्थ्य और दीर्घायु होने के लिए पादप आधारित आहार अपनाने के लाभ तेजी से स्थापित हो रहे हैं और इसी के चलते एक प्रख्यात हृदय रोग विशेषज्ञ ने टिप्पणी की है, हृदय रोग विशेषज्ञ दो प्रकार के होते हैं: शाकाहारी और वे जिन्होंने आंकड़ों का अवलोकन नहीं किया है। शाकाहारी भोजन के इन सिद्ध लाभों के बावजूद, अधिकांश लोग मांस खाना जारी रखते हैं, तथा किसी भी मनोवैज्ञानिक असहजता को कम करने के लिए रक्षात्मक तर्क या नैतिक अलगाव और परहेज जैसी रणनीतियों का उपयोग करते हैं।वेगनरी अभियान 2014 से हर जनवरी में चलाया जाता है जिसके तहत लोगों को जनवरी में पादप आधारित आहार के लिए प्रोत्साहित करता है। इसमें सूअरों, चूजों की तस्वीरों के आधार पर मनोवैज्ञानिक प्रतिरोध को तोड़ने और चुनौती देने की कोशिश की जाती है। इस अभियान में पिछले साल करीब 2.5 करोड़ लोग शामिल हुए, जिनमें ब्रिटेन की लगभग चार प्रतिशत जनसंख्या शामिल थी। वेगनरी द्वारा किए गए अनुसंधान से पता चलता है कि 80 प्रतिशत से अधिक प्रतिभागियों ने मांस के उपभोग में बड़ी कटौती कर दी, तथा छह महीने के बाद अपने सेवन को आधा या उससे भी अधिक तक कम कर दिया।एक्सेटर विश्वविद्यालय में, हमने वेगनरी प्रतिभागियों पर स्वतंत्र रूप से तीन ऑनलाइन अध्ययन किए हैं (चौथा अध्ययन चल रहा है) और पाया कि जब लोग मांस का सेवन कम कर देते हैं या उससे परहेज करते हैं, तो वे मांस और स्वयं को अलग तरह से देखने लगते हैं। मांस से घृणा-औसतन, लोगों को मांस कम पसंद आता है, कुछ लोगों को तो यह घृणित भी लगता है। यह हमारे पिछले अनुसंधान में सामने आया कि 74 प्रतिशत शाकाहारियों और 15 प्रतिशत फ्लेक्सिटेरियन लोगों को मांस घृणित लगता है। हमारे एक अन्य अध्ययन (जो समीक्षा के अधीन है) से पता चलता है कि यह मांस के प्रति घृणा बहुत गहरी है। जो लोग इसकी रिपोर्ट करते हैं (मुख्य रूप से शाकाहारी) वे मांस खाने के विचार पर उसी तरह प्रतिक्रिया करते हैं जैसे मांस खाने वाले मल, या मानव या कुत्ते का मांस खाने के विचार पर प्रतिक्रिया करते हैं।

बाइडन प्रशासन पिछले कुछ दशकों में प्रबल भारत समर्थक प्रशासनों में से एक रहा है : विशेषज्ञ

भाषा। वाशिंगटन

विदेशी मामलों की जानकार एवं जानी मानी विशेषज्ञ अपर्णा पांडे का कहना है कि निवर्तमान बाइडन प्रशासन पिछले कुछ दशकों में सबसे अधिक भारत समर्थक प्रशासनों में से एक रहा है और किसी अन्य राष्ट्रपति प्रशासन के लिए इसका अनुसरण करना कठिन होगा। हडसन इंस्टीट्यूट में फ्यूचर ऑफ इंडिया एंड साउथ एशिया पहल की निदेशक अपर्णा पांडे ने पीटीआई से कहा, निवर्तमान बाइडन प्रशासन पिछले कुछ दशक में सबसे ज्यादा भारत समर्थक प्रशासनों में से एक रहा है और किसी भी

राष्ट्रपति प्रशासन के लिए इसका अनुसरण करना कठिन कार्य होगा। भारत के साथ संबंध इस विश्वास के कारण मजबूत हुए कि भारत का विकास अमेरिकी राष्ट्रीय सुरक्षा हितों के लिए महत्वपूर्ण है। चाणक्य टू मोदी: इवोल्यूशन ऑफ इंडियाज फॉरेन पॉलिसी सहित कई पुस्तकों की लेखिका पांडे ने कहा कि उच्च प्रौद्योगिकी सहित सुरक्षा तथा रक्षा क्षेत्र में संबंधों में मजबूती आई है जिसकी भारत दशकों से उम्मीद कर रहा था। आगामी ट्रंप प्रशासन में भारत-अमेरिका संबंधों के बारे में पूछे गए सवाल पर उन्होंने कहा कि भारत उन चुनिंदा देशों में से एक है जिन्हें दोनों दलों का समर्थन प्राप्त है। उन्होंने कहा, भारत के प्रधानमंत्री मोदी के साथ ट्रंप के संबंध अच्छे हैं और भारत के बारे में ट्रंप का रुख सकारात्मक है। प्रमुख पदों के लिए नामित उनके सहयोगी माइक वाल्ट्ज, मार्को रुबियो ने भी लंबे समय से भारत समर्थक रुख दिखाया है।

18 करोड़ को मतदान से वंचित किया गयाः बांग्लादेश के मुख्य चुनाव आयुक्त

ढाका। बांग्लादेश के मुख्य चुनाव आयुक्त (सीईसी) एएमएम नासिर उद्दीन ने रविवार को कहा कि लगभग 18 करोड़ लोगों को उनके मतदान के अधिकार से वंचित कर दिया गया और चुनाव आयोग उनका यह अधिकार वापस करना चाहता है। ढाका ट्रब्यून के अनुसार, सीईसी ने मतदाता सूची अद्यतन करने की प्रक्रिया से पहले चुनाव अधिकारियों के लिए एक प्रशिक्षण कार्यक्रम के उद्घाटन समारोह को संबोधित करते हुए कहा कि चुनाव आयोग इतने लंबे समय तक मतदान के अधिकार से वंचित रहे लोगों का अधिकार वापस करना चाहता है। सीईसी ने कहा, हम उनके इस दर्द को दूर करना चाहते हैं। हम अपनी प्रतिबद्धता पर कायम हैं। संभावित मतदाताओं की सूची को अद्यतन करने के लिए देश भर में घर-घर जाकर डेटा संग्रह 20 जनवरी से शुरू होगा। सीईसी ने कहा कि वह यहां उन 18 करोड़ लोगों की बात सुनने के लिए हैं जो मतदान के अधिकार से वंचित होने से पीड़ित हैं। उन्होंने कहा, हमने जिम्मेदारी ली है ताकि हम उनकी पीड़ा को दूर कर सकें।

प्रसव का कष्टदायक अनुभव स्तनपान को कैसे करता है प्रभावित

भाषा। लिंकन (ब्रिटेन)

बच्चे को जन्म देना बहुत खुशी का पल होता है। लेकिन कुछ माताओं के लिए, बच्चे को जन्म देने का अनुभव कष्टप्रद हो सकता है और मानसिक आघात का कारण बन सकता है।प्रसव पीड़ा शारीरिक जटिलताओं और मनोवैज्ञानिक विकार दोनों का कारण हो सकती है। अक्सर ऐसा तब होता है जब माताएं प्रसव के दौरान खुद को असमर्थ महसूस करती हैं। शोध से पता चलता है कि तीन में से एक माता को बच्चे को जन्म देने का अनुभव आघातपूर्ण लगता है, तथा लगभग चार प्रतिशत माताओं में प्रसवोत्तर तनाव विकार (पीटीएसडी) विकसित हो जाता है। इस मानसिक आघात के कारण थकावट, भावनात्मक तनाव, तथा शारीरिक रूप से स्वस्थ होने में लम्बा समय लग सकता है।बच्चों को जन्म देने के समय का अनुभव स्तनपान को भी प्रभावित कर सकता है। मेरे शोध में पाया गया है कि जो माताएं अपनी चिकित्सकीय देखभाल से संतुष्ट थीं और अपने प्रसव के अनुभव को सकारात्मक रूप से लेती थीं, उनके द्वारा अपने बच्चों को स्तनपान कराने की संभावना अधिक होती थी। इन माताओं द्वारा अपने शिशु के पहले जन्मदिन के बाद भी स्तनपान जारी रखने की संभावना अधिक थी।दूसरी ओर, जिन माताओं को प्रसव के दौरान परेशानी का अनुभव हुआ, उनमें स्तनपान कराने या लम्बे समय तक स्तनपान जारी रखने की संभावना कम थी। कष्टदायक प्रसव से शुरुआती जुड़ाव में बाधा आ सकती है, जिससे माताएं भावनात्मक रूप से अलग महसूस कर सकती हैं। कुछ माताएं बताती हैं कि वे बिना किसी भावनात्मक जुड़ाव के अपने बच्चे की देखभाल कर रही हैं। शारीरिक चुनौतियों का भी असर हो सकता है। दर्द, थकान और सीमित गतिशीलता के कारण शिशु को सही स्थिति में रखना या स्तनपान कराना मुश्किल हो सकता है। जिन माताओं को अधिक प्रसव पीड़ा होती है, उन्हें स्तनपान कराने में काफी चुनौतियों का सामना करना पड़ सकता है, लेकिन कई रणनीतियां इन चुनौतियों से निपटने में मदद कर सकती हैं।

प्रसवोत्तर देखभाल के केवल शारीरिक पहलुओं पर ध्यान केंद्रित करने के बजाय, ए पेशेवर अपने रोगियों के सामने आने वाली भावनात्मक और मनोवैज्ञानिक चुनौतियों पर भी विचार करते हैं।परामर्श या सहकर्मी समूहों के माध्यम से भावनात्मक समर्थन माताओं को कष्टप्रद अनुभवों से निपटने में मदद कर सकता है और अकेलेपन को कम कर सकता है।आघात के बाद मातृत्व-मातृत्व की यात्रा को एक दर्दनाक शुरुआत से परिभाषित नहीं किया जाना चाहिए। स्तनपान से कई स्वास्थ्य लाभ मिलते हैं, लेकिन लंबे समय में मां-बच्चे के बीच संबंध के लिए यह जरूरी नहीं है। हाल में हुए शोधों से पता चलता है कि स्तनपान कराने वाली और फॉर्मूला दूध पिलाने वाली माताओं के बीच संबंध की गुणवत्ता में कोई खास अंतर नहीं होता है। फॉर्मूला दूध में मां के दूध की तरह प्रोटीन, शर्करा, वसा और विटामिन के मिश्रण का इस्तेमाल किया जाता है। जन्म के समय होने वाला आघात निस्संदेह एक कठिन शुरुआत है।

बाईलेटरल लंग ट्रांसप्लांटेशन थोरासिक केयर में नया मानक

हाल ही बाईलेटरल लंग ट्रांसप्लांट किया गया। इस जटिल प्रक्रिया की सफलता से एडवांस्ड थोरासिक केयर और इनोवेटिव सर्जिकल एक्सीलेंस के लिए इस हॉस्पिटल की प्रतिबद्धता प्रदर्शित होती है। ग्लेनईगल्स बीजीएस हॉस्पिटल बैंगलुरू में 44 वर्ष की श्रीमती विनोदा एम का सफल आपरेश हुआ। श्रीमती विनोदा को एंड.स्टेज की इंटरस्टिशियल लंग डिज़ीज़ थी। उन्हें आठ महीनों से साँस लेने में कठिनाई महसूस हो रही थी, और गंभीर खाँसी हो रही थी। उन्हें घर पर हाई.फ्लो ऑक्सीजन थेरेपी देनी पड़ रही थी। उनकी लगातार बिगड़ती हालत के कारण कर्नाटक एसओटीटीओ में बाईलेटरल लंग ट्रांसप्लांट के लिए उनका पंजीकरण कराया गया। 13 नवंबरए 2024 को मैचिंग साईज़ और कंपैटिबल ब्लड ग्रुप का मृत डोनर मिलने के बाद उनका बाईलेटरल सीक्रेंशल लंग ट्रांसप्लांट किया गया। यह प्रक्रिया वेनो.आर्टेरियल ईसीएमओ सपोर्ट की मदद से की गई। सर्जरी का नेतृत्व डा. बालासुब्रमणी गोविनीए डायरेक्टर एवं एचओडीए कार्डियोथोरासिक और वैस्कुलर सर्जरीए एवं हार्ट लंग ट्रांसप्लांट ने किया। इस प्रक्रिया के बारे में डॉ. गोविनी ने कहा कि इतने हाई.रिस्क ट्रांसप्लांट के लिए बहुत जटिल प्लानिंग और प्रेसिज़न की जरूरत होती है। इस सर्जरी के सफल परिणामों से हमारी टीम की विशेषज्ञता और विश्वस्तरीय केयर के लिए हमारी प्रतिबद्धता प्रदर्शित होती है। ऑपरेशन के बाद श्रीमती विनोदा को कई चुनौतियों का सामना करना पड़ा जिनमें रेस्पिरेटरी मशल वीकनेस और संक्रमण शामिल थे। लेकिन डॉण् अपार जिंदलए एचओडी पल्मोनोलॉजी एंड लंग ट्रांसप्लांट प्रोग्राम के मार्गदर्शन में एक मल्टीडिसिप्लिनरी टीम ने उन्हें विस्तृत केयर प्रदान की। उन्हें ट्रेकियोस्टोमी मैनेजमेंटए टारगेटेड एंटीबायोटिक और एंटीफंगल थेरेपी दी गई ताकि उनकी गहन देखभाल करते हुए उन्हें पुनः स्वस्थ किया जा सके। इस मामले में डॉण् जिंदल ने कहाए ष्इस ट्रांसप्लांट की सफलता से एक सहयोगपूर्ण दृष्टिकोण का महत्व प्रदर्शित होता है। हमारी टीम के बेजोड़ समर्पण ने मरीज को स्वस्थ बनाने में अहम योगदान दिया। इस अत्यधिक जटिल प्रक्रिया की पेरिऑपरेटिव और इंट्राऑपरेटिव जटिलताओं को डॉ शरण्या कुमार सीनियर कंसल्टेंट ट्रांसप्लांट एनेस्थेटिस्ट ने संभाला।

ऑस्ट्रेलिया ने भारत को दिया करारा झटका

- डब्ल्यूटीसी फाइनल से बाहर किया
- दस साल बाद बॉर्डर गावस्कर ट्रॉफी जीती

भाषा। सिडनी

शीर्ष खिलाड़ियों की खराब फॉर्म से जूझ रही भारतीय टीम रविवार को यहां पांचवें और अंतिम टेस्ट में छह विकेट से हार के साथ विश्व टेस्ट चैंपियनशिप (डब्ल्यूटीसी) के फाइनल से बाहर हो गई जबकि ऑस्ट्रेलिया ने इस जीत के साथ 10 साल बाद बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी 3-1 से जीतकर डब्ल्यूटीसी फाइनल में जगह बनाई। बदलाव के कठिन दौर से गुजर रही भारतीय टीम को अब स्वदेश लौटने के बाद काफी आत्ममंथन करना होगा। वहीं गत चैंपियन ऑस्ट्रेलिया अब 11 से 15 जून तक लॉर्ड्स में दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ डब्ल्यूटीसी फाइनल खेलेगा। ऑस्ट्रेलिया की नजरें जहां अब लगातार दूसरी बार डब्ल्यूटीसी मेस (गदा) जीते पर टिकी होंगी तो वहीं इस चैंपियनशिप की शुरुआत के बाद से यह पहला मौका होगा जब भारत फाइनल नहीं खेलेगा। बुमराह पीठ में जकड़न के बावजूद अगर गेंदबाजी करने की स्थिति में होते तो 162 रन का लक्ष्य मुश्किल हो सकता था लेकिन उनकी गैरमौजूदगी में सिडनी क्रिकेट ग्राउंड पर इस स्कोर का बचाव करना लगभग असंभव था। बुमराह को पांच मैच में 32 विकेट चटकाने के लिए श्रृंखला का सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी चुना गया लेकिन भारत के लचर प्रदर्शन के लिए यह कोई सांत्वना की स्थिति नहीं थी। बुमराह ने पुरस्कार वितरण समारोह में दौरान दूसरी पारी में गेंदबाजी करने में असमर्थता पर कहा, यह थोड़ा निराशाजनक है लेकिन कभी-कभी आपको अपने शरीर का सम्मान करना होता है। आप अपने शरीर से नहीं लड़ सकते। निराशाजनक, शायद श्रृंखला के सबसे अच्छे विकेट पर गेंदबाजी करने से चूक गया। कृष्णा (65 रन पर तीन विकेट) और सिराज (69 रन पर एक विकेट) मेजबान टीम के बल्लेबाजों पर दबाव बनाने में नाकाम रहे जबकि कप्तान की भूमिका निभा रहे विराट कोहली ने इन्हीं दोनों तेज गेंदबाजों पर भरोसा बरकरार रखा।

बॉर्डर के साथ नहीं बुलाए जाने पर गावस्कर नाराज

सिडनी। महान बल्लेबाज सुनील गावस्कर ने अपने और एलेन बॉर्डर के नाम पर दी जाने वाली ट्रॉफी आस्ट्रेलियाई टीम को प्रदान करने के लिए बुलाए नहीं जाने पर नाराजगी जताई है। आस्ट्रेलिया ने पांचवें और आखिरी टेस्ट में भारत को छह विकेट से हराकर दस साल में पहली बार बॉर्डर गावस्कर ट्रॉफी जीती। बॉर्डर ने आस्ट्रेलियाई टीम को ट्रॉफी प्रदान की जबकि उस समय मैदान पर मौजूद होने के बावजूद गावस्कर को बुलाया नहीं गया। गावस्कर ने बाद में कोड स्पोटर्स से कहा , मुझे पुरस्कार वितरण समारोह में जाकर खुशी होती। आखिरकार यह बॉर्डर गावस्कर ट्रॉफी है और आस्ट्रेलिया से जुड़ी है। उन्होंने कहा , मैं मैदान पर ही था। मुझे फर्क नहीं पड़ता कि ट्रॉफी आस्ट्रेलिया को दी जा रही थी। उन्होंने बेहतर क्रिकेट खेला और जीते। ठीक है। सिर्फ इसलिए कि मैं एक भारतीय हूं।

स्कोरबोर्ड

भारत पहली पारी : 185,ऑस्ट्रेलिया पहली पारी :181 रन,भारत दूसरी पारी-यशस्वी का बोलैंड 22,राहुल का बोलैंड 13,गिल का कैरी को वेबस्टर 13,कोहली का स्मिथ को बोलैंड 06,पंत का कैरी को कमिंस 61,जडेजा का कैरी को कमिंस 13, रेड्डी का कमिंस को बोलैंड 04,सुंदर को कमिंस 12, सिराज का ख्वाजा को बोलैंड 04, बुमराह को बोलैंड 00,कृष्णा नाबाद 01,**अतिरिक्त:** 08,**कुल योग:** (39.5 ओवर में सभी विकेट खोकर) 157 रन,विकेट पतन:1-42, 2-47, 3-59, 4-78 , 5-124, 6-129, 7-147, 8-156, 9-156,गेंदबाजी-स्टार्क 4-0-36-0, कमिंस 15-4-44-3,बोलैंड16.5-5-45-6,वेबस्टर4-1-24-1

ऑस्ट्रेलिया दूसरी पारी: कोन्स्टास का वाशिंगटन को कृष्णा 22,ख्वाजा का पंत को सिराज 41,लाबुशेन का जायसवाल को कृष्णा 06,स्मिथ का जायसवाल को कृष्णा 04, हेड नाबाद 34, वेब्स्टर नाबाद 39,**अतिरिक्त:** 16,**कुल:**27 ओवर में चार विकेट पर: 162 रन,**विकेट पतन:**1-39, 2-52, 3-58, 4-104,**गेंदबाजी:**सिराज 12-1-69-1,कृष्णा 12-0-65-3,रेड्डी 2-0-10-0,वाशिंगटन 1-0-11-0

निराशाजनक है लेकिन आपको अपने शरीर का सम्मान करना होगा: बुमराह

भाषा। सिडनी

पीठ की जकड़न से पीड़ित जसप्रीत बुमराह श्रृंखला के सबसे अनुकूल विकेट पर गेंदबाजी करने से चूकने से निराश हैं लेकिन भारत के शीर्ष तेज गेंदबाज ने इस बात पर जोर दिया कि कभी-कभी खिलाड़ी के लिए अपने शरीर का सम्मान करना अनिवार्य हो जाता है। बुमराह तीसरे दिन गेंदबाजी नहीं कर सके जब भारत को गेंदबाजी की मददगार पिच पर 162 रन के छोटे लक्ष्य का बचाव करना था। श्रृंखला में 32 विकेट चटकाने के लिए बुमराह को श्रृंखला का सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी चुना गया। उन्होंने पुरस्कार वितरण समारोह के दौरान कहा, यह थोड़ा निराशाजनक है लेकिन कभी-कभी आपको अपने शरीर का सम्मान करना होता है। आप अपने शरीर से नहीं लड़ सकते। निराशाजनक, शायद श्रृंखला के सबसे अच्छे विकेट पर गेंदबाजी करने से चूक गया। उन्होंने कहा, पहली पारी में अपने दूसरे स्पैल के दौरान थोड़ी असहजता महसूस हुई

और मुझे इस पर ध्यान देना पड़ा। सुबह हुई बातचीत के बारे में पूछे जाने पर बुमराह ने कहा, आज सुबह की बातचीत इसी बारे में थी, विश्वास रखने और जज्बा दिखाने के बारे में। बहुत सारे अगर-मगर, पूरी श्रृंखला में कड़ी टक्कर देखने को मिली। हम आज भी मुकाबले में थे, ऐसा नहीं कि हम इससे बाहर थे, टेस्ट क्रिकेट ऐसे ही चलता है। इस तेज गेंदबाज ने कहा, लंबे समय तक खेल में बने रहना, दबाव बनाना, दबाव को झेलना और स्थिति के हिसाब से खेलना सभी कुछ महत्वपूर्ण हैं। आपको परिस्थितियों के हिसाब से ढलना होता है और ए सीख हमें भविष्य में मदद करेगी। बुमराह ने कहा कि ऑस्ट्रेलिया में खेलने का अनुभव नितीश रेड्डी और हर्षित राणा जैसे युवा खिलाड़ियों को भविष्य में मदद करेगा।

विराट खेल में नाटकीयता लाता है, अगर आस्ट्रेलिया में उसका आखिरी टेस्ट था तो यह दुखद : कमिंस

सिडनी। आस्ट्रेलिया के कप्तान पैट कमिंस ने विराट कोहली को महान प्रतिस्पर्धी बताया जो खेल मे नाटकीयता लाकर उसे जीवंत बनाता है और यह भी कहा कि अगर यह आस्ट्रेलिया का उनका आखिरी दौरा था तो उन्हें इसका दुख है। श्रृंखला के पहले मैच मे शतक जमाने के बाद कोहली पांच टेस्ट मे आठ बार आफ स्टम्प से बाहर जाती गेंद से छेड़खानी करके स्लिप में कैच देकर आउट हुए है। भारतीय टीम का मौजूदा दौरा कोहली का आखिरी आस्ट्रेलिया दौरा माना जा रहा है। यह हमेशा शानदार मुकाबला रहता है। उसके रनो के अलावा वह खेल मे नाटकीयता लेकर आता है जो कई बार अच्छा होता है और कई बार विरोधी को भड़का भी देता है जो उसकी रणनीति रहती है।

अगर टेस्ट को लेकर प्रतिबद्धता है तो घरेलू क्रिकेट खेलो : गंभीर

भाषा। सिडनी

भारत के मुख्य कोच गौतम गंभीर ने रविवार को कहा कि खराब फॉर्म से जूझ रहे रोहित शर्मा और विराट कोहली में उत्कृष्ट प्रदर्शन की ललक है लेकिन उन्होंने इन दोनों के समेत सभी सीनियर खिलाीड़ियों से घरेलू क्रिकेट खेलकर टेस्ट क्रिकेट के लिए अपनी प्रतिबद्धता साबित करने का आग्रह किया। दो बार विश्व कप विजेता रह चुके स्पष्टवादी गंभीर ने इसे लेकर भी कोई आश्वासन नहीं दिया कि रोहित या कोहली आगे टेस्ट टीम का हिस्सा होंगे या नहीं। भारत ने आस्ट्रेलिया के खिलाफ बॉर्डर गावस्कर ट्रॉफी में 1-3 से मिली हार के साथ ही विश्व टेस्ट चैम्पियनशिप का फाइनल खेलने का मौका भी गंवा दिया। गंभीर ने मैच के बाद प्रेस कांफ्रेंस में कहा , अभी इस पर बात करने का समय नहीं है कि पांच महीने बाद हम कहां होंगे। खेल में बहुत कुछ बदलता है। फॉर्म बदलता है,

लोग बदलते हैं, तेवर बदलते हैं, सब कुछ बदल जाता है। हमें पता है कि पांच महीने लंबा समय है। उन्होंने कहा , इंग्लैंड के खिलाफ श्रृंखला (जुलाई) के समय देखेंगे कि क्या होता है। लेकिन जो भी होगा , वह भारतीय क्रिकेट के सर्वश्रेष्ठ हित में होगा। रोहित ने खराब फॉर्म के कारण आखिरी टेस्ट से खुद को बाहर रखने से पहले पांच पारियों में 31 रन बनाए जबकि कोहली नौ पारियों में 190 रन ही बना सके। कोहली आठ बार स्लिप में कैच देकर आउट हुए। यह पूछने पर कि क्या वह चाहते हैं कि सीनियर

उनमें उत्कृष्ट प्रदर्शन की ललक, वे तय करेंगे भारत के लिए क्या सर्वश्रेष्ठः रोहित और विराट पर गंभीर

खिलाड़ी 23 जनवरी से शुरू हो रहे रणजी ट्रॉफी में कम से कम एक दौर खेलें, उन्होंने साफ तौर पर कहा , मैं हमेशा चाहता हूं कि सभी घरेलू क्रिकेट खेलें। घरेलू क्रिकेट को इतनी तवज्जो मिलनी चाहिए। सिर्फ एक मैच नहीं , अगर वे उपलब्ध हैं और टेस्ट क्रिकेट को लेकर प्रतिबद्ध हैं तो हर किसी को घरेलू क्रिकेट खेलनी चाहिए। अगर आप घरेलू क्रिकेट को महत्व नहीं देते तो टेस्ट क्रिकेट के लिए वैसे खिलाड़ी कभी नहीं निकलेंगे जैसे चाहिए। कोहली ने आखिरी बार 2012 में और रोहित ने 2015-16 में रणजी ट्रॉफी खेला था। रोहित और कोहली के भविष्य को लेकर अटकलबाजी का हिस्सा बनने से इनकार करते हुए उन्होंने कहा कि वे दोनों ही तय करेंगे कि भारतीय क्रिकेट के लिए क्या सर्वश्रेष्ठ है। मैं किसी खिलाड़ी के भविष्य के बारे में बात नहीं कर सकता। यह उन्हें तय करना है लेकिन मैं इतना कह सकता हूं कि उनमें अभी भी भूख है, जुनून है। वे दृढ इंसान हैं और उम्मीद है कि भारतीय क्रिकेट को आगे ले जाते रहेंगे। वे जो भी तय करेंगे, भारतीय क्रिकेट के सर्वश्रेष्ठ हित में तय करेंगे। हर खिलाड़ी को पता होता है कि उसका खेल और अच्छे प्रदर्शन की भूख कितनी है। यह किसी भी खेल या पेशे में सबसे महत्वपूर्ण है। आप कितना उत्कृष्ट प्रदर्शन करना चाहते हैं या आपके भीतर कितना जुनून है और आपके योगदान से टीम आगे जा रही है या नहीं। यह उनकी जिम्मेदारी है कि खिलाड़ियों के कद और अनुभव के बावजूद सभी के प्रति समान व्यवहार करे। अगर मैं दो या तीन के प्रति सही रहूं और दूसरों के प्रति नहीं तो मैं अपने काम के प्रति ईमानदार नहीं हूं। तो अगर किसी खिलाड़ी ने पदार्पण नहीं किया है या कोई सौ टेस्ट खेल चुका है , मेरा काम सभी के प्रति समान बर्ताव करना है। अगर आप अपना काम ईमानदारी से कर रहे हैं तो सब ठीक होगा। ड्रेसिंग रूम को प्रसन्न रखने के लिए मुझे ईमानदार और सभी के प्रति निष्पक्ष होना होगा। भारतीय कप्तान रोहित ने खराब फॉर्म के कारण खुद को पांचवें टेस्ट से बाहर रखा था जिसकी गंभीर ने तारीफ की। अगर कप्तान ने कोई फैसला लिया है तो किसी को दिक्कत नहीं होनी चाहिए। हमने जवाबदेही की बात की और इसकी शुरूआत शीर्ष से होती है। रोहित शर्मा ने पिछले मैच में इसकी शुरूआत की। यह पूछने पर कि इस दौरे पर हुई गलतियों को वह स्वीकार करते हैं, गंभीर ने कहा , सबसे पहली बात कि यहां बैठा यह व्यक्ति सबसे पहले गलतियों को स्वीकार करेगा। इसलिए इसकी चिंता मत कीजिए कि यहां गलतियों को स्वीकार नहीं किया जाएगा।

क्विक न्यूज

कोहली भारतीय टीम में रहने के हकदार नहीं, गलतियां सुधारने पर मेहनत नहीं की : पठान

सिडनी। भारतीय टीम में सुपरस्टार संस्कृति खत्म करने की मांग करते हुए पूर्व तेज गेंदबाज इरफान पठान ने विराट कोहली के टीम में स्थान पर सवाल उठाया और कहा कि उन्होंने अपनी तकनीकी कमियों को सुधारने के लिए ना तो घरेलू क्रिकेट खेली और ना ही मेहनत की। कोहली और रोहित शर्मा आस्ट्रेलिया के खिलाफ पूरी श्रृंखला में खराब फॉर्म में थे और भारत ने। . 3 से हार के साथ ही विश्व टेस्ट चैम्पियनशिप फाइनल में जाने का मौका भी खो दिया। कोहली नौ पारियों में 190 रन ही बना सके और बार बार आफ स्टम्प से बाहर जाती गेंद पर कैच देकर आउट हुए। पठान ने स्टार स्पोटर्स से कहा , सुपरस्टार कल्चर खत्म होना चाहिए, टीम कल्चर की जरूरत है। आपको प्रदर्शन में सुधार करना होगा , अपने और टीम के।

एससीजी पिचः गंभीर ने परिणाम देने वाली पिच की प्रशंसा की, गावस्कर ने कहा- आदर्श नहीं

सिडनी। महान बल्लेबाज सुनील गावस्कर के अनुसार सिडनी क्रिकेट ग्राउंड (एससीजी) की पिच टेस्ट मैच के लिए आदर्श नहीं थी लेकिन भारत के मुख्य कोच गौतम गंभीर ने विकेट की प्रशंसा करते हुए इसे गेंदबाजी की मददगार और परिणाम देने वाली बताया जिसमें सभी के लिए कुछ ना कुछ था। मैच के शुरूआती दो दिन में 26 विकेट गिरे जबकि तीसरे दिन चार भारतीय और तीन ऑस्ट्रेलियाई बल्लेबाज आउट किए। गेंदबाजों ने अधिकांश समय मैच पर अपना दबदबा बनाए रखा। गंभीर ने भारत की पांचवें टेस्ट में हार के बाद प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान कहा, यह कुछ बेहतरीन विकेट थे। यह टेस्ट क्रिकेट के लिए भी अच्छा है। गेंदबाजों के लिए पर्याप्त था और बल्लेबाजों के लिए भी पर्याप्त था। लेकिन यही वह चीज है जो टेस्ट क्रिकेट को जीवित रखेगी। उन्होंने कहा, और यह सिडनी का सामान्य विकेट नहीं था, जैसा कि हम आम तौर पर देखते हैं या जिसे हमने पहले भी देखा है। लेकिन फिर टेस्ट क्रिकेट को ऐसे ही खेला जाना चाहिए।

गंभीर ने की कोंस्टास की आलोचना

सिडनी। भारत के मुख्य कोच गौतम गंभीर ने पांचवें और आखिरी टेस्ट के दौरान जसप्रीत बुमराह से भिड़ने वाले आस्ट्रेलिया के युवा क्रिकेटर सैम कोंस्टास की आलोचना करते हुए कहा है कि उसे भारतीय कप्तान से बात करने का अधिकार नहीं था। खराब फॉर्म से जूझ रहे रोहित शर्मा के बाहर रहने के बाद भारत की कप्तानी कर रहे बुमराह ने जब उस्मान ख्वाजा को पहले दिन आउट किया तो कोंस्टास उनसे कुछ कहते दिखे। गंभीर ने मैच छह विकेट से हारने के बाद प्रेस कांफ्रेंस में कोंस्टास की इस हरकत पर भारतीय खिलाड़ियों की आक्रामक प्रतिक्रिया के बारे में पूछने पर कहा , कठोर लोगों द्वारा खेला जाने वाला यह कठिन खेल है। आप नरम नहीं पड़ सकते। मुझे नहीं लगता कि इसमें कुछ धमकाने जैसा था। उन्होंने कहा , उस्मान ख्वाजा जब समय बर्बाद कर रहे थे तब उसे जसप्रीत बुमराह से बोलने का कोई अधिकार नहीं था। इससे उसका कुछ लेना देना नहीं था।

विश्व चैम्पियनशिप और खेल रत्न के बाद 2025 के लिए नए लक्ष्य तय करने शुरू किए : गुकेश

बेंगलुरु। डी गुकेश ने पिछले एक महीने में कई उपलब्धियां हासिल की हैं जिसमें विश्व चैम्पियनशिप में जीत के बाद हाल में मेजर ध्यानचंद खेल रत्न पुरस्कार के लिए चुना जाना शामिल है लेकिन शतरंज का यह प्रतिभाशाली खिलाड़ी अब 2025 में चुनौतीपूर्ण वर्ष का सामना करने के लिए अपना ध्यान और लक्ष्य फिर से निर्धारित करना चाहता है। गुकेश 17 जनवरी से नीदरलैंड के विज्क आन जी में शुरू होने वाले टाटा स्टील टूर्नामेंट में शिरकत करेंगे जिसमें अनीश गिरी, अर्जुन एरिगेसी, फैबियानो कारूआना और आर प्रज्ञानानंद जैसे शीर्ष खिलाड़ी भी होंगे। गुकेश ने रविवार को वेस्टब्रिज कैपिटल द्वारा आयोजित सम्मान समारोह के दौरान मीडिया से कहा, हां, 2025 काफी चुनौती पेश करेगा। बहुत सारे नए और दिलचस्प टूर्नामेंट होंगे। विश्व चैम्पियनशिप अब बीती बात हो चुकी है।

मुक्केबाजी को ओलंपिक में बनाए रखने के लिए सभी उचित कदम उठाए जाने चाहिए : लवलीना

गुवाहाटी। मुक्केबाजी का जब ओलंपिक खेल के रूप में भविष्य अधर में लटका हुआ है तब भारत की स्टार मुक्केबाज लवलीना बोरगोहेन ने रविवार को इस खेल को 2028 में लॉस एंजिल्स में होने वाले ओलंपिक खेलों में बनाए रखने के लिए सभी उचित कदम उठाने की अपील की। मुक्केबाजी को लॉस एंजिल्स ओलंपिक के शुरूआती कार्यक्रम में जगह नहीं मिल पाई और इस खेल को ओलंपिक में बनाए रखने के लिए प्रयास जारी हैं। लवलीना अब विश्व मुक्केबाजी (वर्ल्ड बॉक्सिंग) की नवगठित एशियाई इकाई के एथलीट आयोग का हिस्सा हैं। लवलीना ने कहा, इस समिति में होना सौभाग्य की बात है क्योंकि निर्णय लेने में अब भारत की आवाज भी सुनी जाएगी।

द्रोणाचार्य पुरस्कार महत्वपूर्ण है : दीपाली देशपांडे

नई दिल्ली। कई वर्षों तक ओलंपिक, विश्व कप और विश्व चैंपियनशिप के पदक विजेता निशानेबाजों को ट्रेनिंग देने वाली दीपाली देशपांडे को इस साल के द्रोणाचार्य पुरस्कार के लिए नामांकित किया गया है जिससे अब टीवी चैनल उनका साक्षात्कार लेने के लिए उनके घर पर पहुंच रहे हैं जो इस पूर्व राइफल निशानेबाज के लिए नई चीज है। स्वप्निल कुसाले, अर्जुन बबूता, अंजुम मौदगिल और श्रीयंका शदांगी सहित कई निशानेबाजों को शीर्ष वैश्विक टूर्नामेंटों में सफलता हासिल करने में मदद करने वाली कोच दीपाली को अपने परिवार, दोस्तों और सहपाठियों से बधाई संदेश मिल रहे हैं। कोचों के लिए देश के शीर्ष पुरस्कार के लिए नामित होने की खबर सार्वजनिक होने के बाद से उनके साधारण जीवन में चीजें इस तरह बदल गई हैं।

सुमित नागल आकलैंड में मुख्य ड्रॉ में पहुंचे

ऑक्लैंड। भारत के नंबर एक एकल टेनिस खिलाड़ी सुमित नागल ने रविवार को यहां अपने से बेहतर रैंकिंग वाले फ्रांसीसी खिलाड़ी एड्रियन मनारिनो पर सीधे सेट में जीत के साथ एटीपी 250 प्रतियोगिता एएसबी क्लासिक के मुख्य ड्रॉ के लिए क्वालीफाई किया।दुनिया के 98वें नंबर के 26 वर्षीय भारतीय खिलाड़ी नागल को क्वालीफायर के अंतिम दौर में 7-6, 6-3 से जीत हासिल करने से पहले दुनिया के 66वें नंबर के खिलाड़ी मनारिनो से कड़ी चुनौती का सामना करना पड़ा।नागल खराब फॉर्म से उबरने की कोशिश कर रहे है क्योंकि 2024 सत्र के अंत में शीर्ष 100 में जगह बनाए रखने में कामयाब होने से पूर्व वह कई टूर्नामेंट के पहले दौर से बाहर हुए थे।मुख्य ड्रॉ में खेलने से नागल को 12 जनवरी से मेलबर्न में शुरू होने वाले सत्र के पहले ग्रैंड स्लैम ऑस्ट्रेलियाई ओपन से पहले तैयारी का अच्छा मौका मिलेगा।

दिव्यांग ट्रॉफी के लिए 17 सदस्यीय टीम की घोषणा

नई दिल्ली। विक्रांत रविंद्र केनी को 12 जनवरी से श्रीलंका में शुरू होने वाली दिव्यांग चैंपियंस ट्रॉफी के लिए रविवार को 17 सदस्ईय भारतीय टीम का कप्तान बनाया गया। दिव्यांग खिलाड़ियों के लिए यह टूर्नामेंट 2019 के बाद पहली बार आयोजित किया जा रहा है और भारत अपने अभियान की शुरुआत पहले दिन पाकिस्तान के खिलाफ मुकाबले से करेगा।भारतीय दिव्यांग क्रिकेट परिषद (डीसीसीआई) के राष्ट्रीय चयन पैनल ने मुख्य कोच रोहित जलानी के नेतृत्व में जयपुर में ट्रेनिंग शिविर के बाद टीम का चयन किया।

मांडविया ने फिट इंडिया संडे ऑन साइकिल का नेतृत्व किया

नई दिल्ली। खेल मंत्री मनसुख मांडविया ने गुजरात के पोरबंदर में फिट इंडिया संडे ऑन साइकिल कार्यक्रम का नेतृत्व किया जबकि ओलंपिक कांस्य पदक विजेता मुक्केबाज लवलीना बोरगोहेन ने गुवाहाटी से इस पहल का समर्थन किया। मांडविया के साथ 150 से अधिक साइकिल सवारों ने उनके लोकसभा क्षेत्र पोरबंदर के उपलेटा में म्यूनिसिपल आर्ट्स एंड कॉमर्स कॉलेज से तालुका स्कूल क्रिकेट ग्राउंड तक पांच किलोमीटर का सफर तय किया।तोक्यो ओलंपिक की कांस्य पदक विजेता बोरगोहेन देश के विभिन्न हिस्सों से अन्य प्रतिष्ठित खिलाड़ियों के साथ गुवाहाटी में भारतीय खेल प्राधिकरण (साइ) के क्षेत्रीय केंद्र से साइकिलिंग पहल में शामिल हुईं।

नेपोली ने सिरी ए में तीन अंक की बढ़त बनाई

फ्लोरेंस। नेपोली ने फ्योरेंटिना को शनिवार को यहां एकतरफा मुकाबले में 3-0 से हराकर सिरी ए फुटबॉल टूर्नामेंट में तीन अंक की बढ़त बना ली।नेपोली की ओर से डेविड नेरेस, रोमेलु लुकाकु और स्कॉट मैक्टोमिने ने गोल दागे जिससे टीम ने लगातार चौथी जीत दर्ज की।नेपोली के अब 19 मैच में 44 अंक हो गए है और टीम ने दूसरे स्थान पर मौजूद अटलांटा पर तीन अंक की बढ़त बना ली है। अटलांटा ने हालांकि एक मैच कम खेला है।इंटर मिलान की टीम 40 अंक के साथ तीसरे स्थान पर है लेकिन उसने 17 ही मैच खेले है।

मैनचेस्टर सिटी ने वेस्ट हैम को हराया

लंदन। एर्लिंग हालेंड के दो गोल की मदद से मैनचेस्टर सिटी ने शनिवार को यहां वेस्ट हैम को 4-1 से हराकर इंग्लिश प्रीमियर लीग फुटबॉल टूर्नामेंट में लगातार दूसरी जीत दर्ज की।टीम ने प्रीमियर लीग में अक्टूबर के बाद पहली बार लगातार दो मैच जीते है। गत चैंपियन टीम इस बीच छह हफ्तों में नौ मैच में सिर्फ एक ही जीत पाई थी। नॉर्वे के स्ट्राइकर हालेंड ने 42वें और 55वें मिनट में गोल दागे।

गुजरात, महाराष्ट्र, कर्नाटक, क्वार्टर फाइनल में

विजय हजारे ट्रॉफी

भाषा। जयपुर

गुजरात, महाराष्ट्र, कर्नाटक, विदर्भ और बड़ौदा ने रविवार को यहां विजय हजारे ट्रॉफी क्रिकेट टूर्नामेंट में अपने-अपने ग्रुप में शीर्ष पर रहने के बाद क्वार्टर फाइनल में सीधे क्वालीफाई किया। झारखंड ने उत्कर्ष सिंह की 120 गेंदों में 102 रन की पारी की बदौलत ग्रुप ए में गोवा को 31 रन से हराया लेकिन इसके बावजूद वह नॉकआउट में जगह नहीं बना पाया। इस ग्रुप में गुजरात पहले जबकि हरियाणा दूसरे और झारखंड तीसरे स्थान पर रहा।

झारखंड ने पहले बल्लेबाजी करते हुए सात विकेट पर 320 रन बनाए और इसके बाद गोवा को निर्धारित 50 ओवर में नौ विकेट पर 289 रन पर रोक दिया। दर्शन मिसाल की 111 गेंद पर खेली गई 151 रन की पारी भी गोवा के काम नहीं आई। गुजरात ने एक अन्य मैच में ओडिशा को ठीक 100 रन से हराया। गुजरात की टीम पहले बल्लेबाजी करते हुए उर्विल पटेल (45), हेमंग पटेल (48) और रवि बिश्नोई (40) के योगदान के बावजूद 47.5 ओवर में 252 रन पर आउट हो गई। इसके जवाब में ओडिशा की टीम 152 रन पर आउट हो गई। गुजरात की तरफ से बिश्नोई ने 17 रन देकर चार और चिंतन गजा ने 28 रन देकर तीन विकेट लिए। ग्रुप ए के एक अन्य मैच में हरियाणा ने मणिपुर को 94 गेंद शेष रहते हुए छह विकेट से हराया। मुंबई के वानखेड़े स्टेडियम में खेले गए मैच में महाराष्ट्र की टीम रेलवे से 32 रन से हारने के बावजूद ग्रुप बी में शीर्ष पर रही।

रणजी ट्रॉफी नहीं खेल पाने का कोई बहाना नहीं होना चाहिएः गावस्कर ने सीनियर खिलाड़ियों से कहा

सिडनी। महान बल्लेबाज सुनील गावस्कर ने रविवार को भारतीय बल्लेबाजों से बिना किसी बहाने के रणजी ट्रॉफी में खेलने का आग्रह किया जिससे कि तकनीकी कमियों को दूर किया जा सके जिसके कारण न्यूजीलैंड और ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ टीम को लगातार दो श्रृंखला में हार झेलनी पड़ी। गावस्कर ने कहा कि न्यूजीलैंड के खिलाफ घरेलू मैदान पर और ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ हाल ही में समाप्त हुई श्रृंखला में भारतीय बल्लेबाजों का निराशाजनक प्रदर्शन चिंताजनक है। गावस्कर ने स्टार स्पोर्ट्स से कहा, 23 जनवरी को रणजी ट्रॉफी का अगला दौर है। देखते हैं कि इस टीम के कितने खिलाड़ी खेलते हैं। नहीं खेल पाने का कोई बहाना नहीं होना चाहिए। उन्होंने कहा, अगर आप उन मुकाबलों में नहीं खेलते हैं तो गौतम गंभीर को उन खिलाड़ियों के खिलाफ कुछ कड़े फैसले लेने होंगे जो रणजी ट्रॉफी के लिए उपलब्ध नहीं हैं। गंभीर को कहना चाहिए: तुम्हारे पास वह प्रतिबद्धता नहीं है। हमें प्रतिबद्धता की आवश्यकता है। तुम खेल नहीं रहे हो।

पुरुषों की 10 मीटर एयर पिस्टल में चमके वरुण

नई दिल्ली। मौजूदा एशियाई चैंपियन वरुण तोमर ने रविवार को यहां 67वीं राष्ट्रीय निशानेबाजी चैम्पियनशिप (एनएससीसी) में पुरुषों की 10 मीटर एयर पिस्टल में सीनियर और जूनियर वर्ग के खिताब जीतकर सुर्खियां बटोरीं ।सेना के 21 वर्षीय निशानेबाज तोमर पिछले साल मामूली अंतर से पेरिस ओलंपिक खेलों में जगह बनाने से चूक गए थे। उन्होंने सीनियर वर्ग के फाइनल में धीमी शुरूआत से उबरते हुए सेना की अपनी टीम के साथी प्रद्युम्न सिंह को 0.8 अंक से पीछे छोड़कर अपना पहला राष्ट्रीय खिताब जीता। राजस्थान के आकाश भारद्वाज ने कांस्य पदक जीता। तोमर ने इसके बाद जूनियर फाइनल में भी धीमी शुरूआत की लेकिन वह जल्द ही बढ़त बनाने में कामयाब रहे। उन्होंने उप्र के निखिल को हराकर दोहरा खिताब जीता। सीनियर वर्ग के फ़ाइनल में तोमर का स्कोर 238 था जबकि जूनियर वर्ग के फाइनल में उन्होंने इससे भी बेहतर प्रदर्शन करके 246.2 अंक बनाकर स्वर्ण पदक हासिल किया। प्रद्युम्न जूनियर वर्ग में तीसरे स्थान पर रहे। युवा वर्ग के फाइनल में यूपी के चिराग ने अपने ही राज्य के 14 वर्षीय निशानेबाज देव प्रताप को 1.3 अंक के अंतर से हराकर स्वर्ण पदक हासिल किया।

भारतीय यूथ टीम दूसरी जीत के साथ सेमीफाइनल में

आईएचएफट्रॉफी पुरुष यूथ व जूनियर हैंडबॉल कांटिनेंटल फेज एशिया

लखनऊ। मेजबान भारत की यूथ अंडर-18 टीम ने आईएचएफ ट्रॉफी पुरुष यूथ व जूनियर हैंडबॉल कांटिनेंटल फेज एशिया के तीसरे दिन रोमांचक मैच में कजाखिस्तान को 36-35 से शिकस्त देते हुए लगातार दूसरी जीत के साथ सेमीफाइनल में प्रवेश किया। केडी सिंह बाबू स्टेडियम के नवनिर्मित भारत रत्न अटल बिहारी वाजपेयी बहुउद्देश्यीय हाल में आयोजित चैंपियनशिप में भारत की यूथ टीम ने कजाखिस्तान के खिलाफ शानदार खेल दिखाया और उम्दा विंग अटैक के साथ शानदार डिफेंस का नजारा पेश किया। कजाखिस्तान के खिलाड़ियों की चुस्ती का सामना मेजबान खिलाड़ियों ने खासी आक्रामकता से दिया और लगातार अंक जुटाए। भारत ने मध्यांतर तक 19.15 की बढ़त बनाई। दूसरे हॉफ में भी भारत ने जवाबी अटैक का सहारा लिया। अंतिम क्षण तक चले इस रोमांचक मैच में भारत ने

अनुभवी कोच मोण्तौहीद की सीख के सहारे 36.35 से जीत दर्ज की। भारत से प्लेयर ऑफद मैच चुने गए रवि ने सर्वाधिक 11 गोल दागे। अंशु ने 8ए रोहित ने 7 व सुयश अवस्थी ने 4 गोल करने में सफलता हासिल की। वहीं भारतीय गोलकीपर नवीन ने कई उम्दा बचाव किए। कजाखिस्तान से वादिम कैसिन ने सर्वाधिक 11 व इगोर सुदारिकोव ने 10 गोल किए। चैंपियनशिप में आज के अतिथिगण प्रसार भारती के चेयरमैन डानवनीत सहगल, अपर मुख्य सचिव उत्तर प्रदेश शासन डा. सुधीर एम बोबडे व पूर्वी विधानसभा विधायक ओपी श्रीवास्तव ने प्लेयर ऑफद मैच चुने गए खिलाड़ियों को पुरस्कार प्रदान कर सम्मानित किया। इससे पूर्व अतिथिगण का स्वागत व सम्मान हैंडबॉल एसोसिएशन इंडिया के कार्यकारी निदेशक डा.आनन्देश्वर पाण्डेय ने स्मृति चिन्ह प्रदान करके किया।इस अवसर पर हैंडबॉल एसोसिएशन इंडिया के कोषाध्यक्ष विनय कुमार सिंह, उत्तर प्रदेश हैंडबॉल एसोसिएशन के आयोजन सचिव अमित पाण्डेय व चतुर्थ वाहिनी एसएसबी के कमांडेट अरविंद कुमार भी मौजूद रहे। इससे पूर्व उज्बेकिस्तान ने यूथ वर्ग में बांग्लादेश को 41-23 से हराया। विजेता टीम से एसिम्बेटोव जसुरबेक ने सबसे ज्यादा 10 गोल किए। उज्बेकिस्तान ने जूनियर अंडर.20 वर्ग में कजाखिस्तान को 31.30 से हराया। उज्बेकिस्तान से ज़ोकिरोव उमिडज़ोन ने सर्वाधिक 7 गोल किए। रविवार को अंतिम मैच में भारत की जूनियर अंडर.20 टीम ने प्लेयर ऑफद मैच जसप्रीत सिंह के 15 गोल के सहारे बांग्लादेश को 48.38 से हराया। बांग्लादेश से मरमा ने 7 गोल दागे। मैच में भारत मध्यांतर तक 24.16 से आगे था।

सीएमवाईके प्रिंटेक के लिए तथा उसी की ओर से मुद्रक एवं प्रकाशक शोबोरी गाँगुली द्वारा द इंडियन एक्सप्रेस प्रा.लि. सी-26 अमौसी इंडस्ट्रियल एरिया, नादरगंज लखनऊ से मुद्रित एवं चौथी मंजिल, सहारा शापिंग सेंटर, फैजाबाद रोड, लखनऊ (फोन: 0522-4036600) से प्रकाशित। प्रधान सम्पादकः शोबोरी गाँगुली, स्थानीय सम्पादकः विजय प्रकाश सिंह।

पाठकों को सुझाव दिया जाता है कि इस अखबार के किसी भी विज्ञापन पर प्रतिक्रिया करने से पहले पूरी तरह उसके बारे में दिए गए दावों, शर्तों और तथ्यों की जांच कर लें। पायनियर ग्रुप के मुद्रक, प्रकाशक, सम्पादक या उसका कोई भी कर्मचारी विज्ञापनदाता द्वारा उनके किसी उत्पाद तथा सेवा हेतु किए गए किसी दावे की सच्चाई का आश्वासन या उत्तरदायित्व नहीं लेता है। ऐसे विज्ञापनों के बाद किसी आर्थिक क्षति के लिए वे जिम्मेदार भी नहीं हैं।